www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार ...

पत्र नहीं; मित्र

RNI No. - MPHIN/2018/76121

देशबन्धु

वर्ष – 8 I अंक – 75 I नर्मदापुरम, गुरुवार 12 जून 2025 I पृष्ठ–8 I मूल्य – 2.00 रुपए

नल-जल योजना की मोटर जली, 3 सौ परिवार पेयजल से वंचित — पृष्ठ 2

सोनम के बहाने स्त्री अधिकारों को कुचलने की कोशिश — पृष्ठ 4

प्रधानमंत्री का निर्देश और रियल एस्टेट में पारदर्शिता की आवश्यकता — पृष्ठ 4

विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण 17 से — पृष्ठ 6

सिकल सेल मिशन के कार्य मानवता की सेवा का माध्यम — पृष्ठ 8

सार-समाचार

बुनियादी ढांचे का विकास, जीवन को आसान बना रहा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में पिछले 11 वर्षों में किए गए बुनियादी ढांचे के विकास पर प्रकाश डालते हुए बुधवार को कहा कि रेलवे से लेकर राजमार्गों, बंदरगाहों से लेकर हवाई अड्डों तक, भारत का तेजी से फैल रहा बुनियादी ढांचा नेटवर्क 'जीवन को आसान' बना रहा है और समृद्धि को बढ़ा रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अपनी सरकार के 10 जून को अपने तीसरे कार्यकाल का एक वर्ष, यानी कुल 11 वर्ष पूरे करने के अवसर पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में प्रधानमंत्री ने बुनियादी ढांचे में भारत की उत्कृष्ट प्रगति पर जोर दिया।

नौकरी से बर्खास्त की गई शाजिया

नई दिल्ली, एजेंसी। भयादोहन और जबरिया वसूली के मामले में गिरफ़्तार एंकर शाजिया निसार के बैंक अकाउंट में एक करोड़ से ज़्यादा रुपये होने की जानकारी पुलिस जाँच टीम को मिली है। वह बड़ी लक्ज़री कार और एक करोड़ से ज़्यादा कीमत के फ्लैट की भी मालकिन बताई जा रही है। इससे इस आशंका को बल मिलता है कि शाज़िया ने कई अन्य लोगों को भी से भी धन उगाही की होगी। पुलिस गहराई से जांच कर रही है और कई बिखरी कड़ियों को जोड़ने की कोशिश कर रही है। संभव है कई सवालों के हल के लिए पुलिस शाज़िया निसार को रिमांड पर लेकर पूछताछ करने की मांग कोर्ट से करे। इस बीच नोएडा के एक थाने में शाजिया के खिलाफ मामला दर्ज होने और उसे उसके पत्रकार साथी आदर्श झा के साथ गिरफ्तार करने के बाद हिन्दी न्यूज़ चैनल भारत 24 ने उसे नौकरी से बर्खास्त कर दिया है। आदर्श के खिलाफ़ उसके संस्थान द्वारा किसी कार्रवाई की कोई सूचना नहीं है।

जयपुर में जीप-ट्रक की टक्कर, दुल्हन समेत 5 की मौत

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान के जयपुर ग्रामीण में भटकाबास गांव के पास दौसा-मनोहरपुर राजमार्ग पर बुधवार को एक भीषण सड़क हादसा हो गया। इस हादसे में दुल्हन समेत पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि आठ अन्य घायल हो गए। यह दुर्घटना सुबह करीब 6:10 बजे हुई, जब एक तेज रफ्तार ट्रक ने मध्य प्रदेश के शहडोल से लौट रहे बारातियों से भरी जीप को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि जीप चकनाचूर हो गई और शव अंदर बुरी तरह फंस गए। शवों को निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी।

जासूसी मामला : ज्योति की जमानत याचिका खारिज

हिसार, एजेंसी। हरियाणा के हिसार की एक अदालत से यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा को बड़ा झटका लगा है। अदालत ने ज्योति की जमानत याचिका को खारिज कर दिया है। यह याचिका उनके वकील कुमार मुकेश की ओर से दाखिल की गई थी। पाकिस्तान के लिए कथित तौर पर जासूसी के आरोपों में यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा को गिरफ्तार किया गया था, वह फिलहाल न्यायिक हिरासत में है। कोर्ट ने मामले की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए फिलहाल उन्हें जमानत देने से इनकार कर दिया है।

सैन्य अभ्यास के लिए मंगोलिया पहुंची सेना की टुकड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के 40 सैनिकों की एक टुकड़ी बहुराष्ट्रीय सैन्य अभ्यास 'खान क्वेस्ट' में हिस्सा लेने के लिए बुधवार को मंगोलिया के उलानबटार पहुंच गयी। इस अभ्यास में 14 से 28 जून तक अनेक देशों के सैन्य बल सहयोग और शांति स्थापना क्षमताओं को बढ़ाने के लिए एक दूसरे के साथ अनुभव साझा करेंगे। इस अभ्यास पिछला संस्करण गत वर्ष 27 जुलाई से 9 अगस्त तक हुआ था। इसकी शुरूआत वर्ष 2003 में अमेरिकी और मंगोलियाई सशस्त्र बलों के बीच एक द्विपक्षीय कार्यक्रम के रूप में हुई थी।

भीषण गर्मी

समूचे उत्तर भारत में भीषण तपन का दौर जारी है। पंजाब के बठिंडा और राजस्थान के श्रीगंगा नगर में पारा 47 डिसे. पार चला गया है। वहीं म.प्र. के नवगांव में 46.4 डिसे दर्ज हुआ।

राजा रघुवंशी हत्याकांड

सोनम ने कबूल किया अपना जुर्म

- मेघालय पुलिस ने प्रेमी राज से कराया आमना-सामना
- 8 दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा

शिलांग, एजेंसी। सोनम ने अपने पति राजा रघुवंशी की मौत में अपनी भूमिका को स्वीकार करते हुए बुधवार को अपना जुर्म कबूल कर लिया। मेघालय पुलिस ने जब उसके प्रेमी राज कुशवाहा से उसका आमना-सामना कराकर उससे पूछताछ की, तो उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक, पुलिस ने जब सोनम और राज कुशवाहा का आमना-सामना कराया, तो खून से सनी जैकेट, सोनम का रेनकोट और अन्य सबूत सामने रखे गए थे। पुलिस ने इन सबूतों के बारे में जब सोनम से सवाल किया, तो वह मौन हो गई। लेकिन इसके बाद सोनम ने सभी सबूतों को देखते हुए अपना गुनाह कबूल कर लिया। सोनम ने कबूल कर लिया कि उसने तीन सुपारी किलर्स आकाश राजपूत, विशाल उर्फ विक्की ठाकुर और आनंद कुर्मी के साथ मिलकर अपने पति राजा रघुवंशी को मौत के घाट उतारा था। पुलिस जांच में यह सामने आया है कि मेघालय से सोनम लगातार अपने प्रेमी राज को अपने लोकेशन के बारे में पूरी जानकारी देती रही।

राहुल ने प्रधानमंत्री मोदी को लिखा पत्र

वंचित वर्ग के छात्रों की समस्याओं को हो समाधान

- छात्रावासों की स्थिति बहुत खराब
- छात्रवृत्ति पोर्टल का मामला भी उठाया
- पर्याप्त धनराशि आवंटित की जाए

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर वंचित समुदायों के छात्रों को शिक्षा हासिल करने में आ रही समस्याओं का निवारण करने का अनुरोध किया है। कांग्रेस नेता ने अपने पत्र में बिहार के दरभंगा स्थित अंबेडकर छात्रावास में छात्रों की परेशानियों का भी जिक्र किया है। पीएम मोदी को लिखे पत्र में राहुल गांधी ने दो महत्वपूर्ण मुद्दों को हल करने का अनुरोध किया। दरअसल, राहुल गांधी हाल ही में बिहार दौरे के दौरान दरभंगा पहुंचे थे। यहां वह अंबेडकर छात्रावास पर पहुंचे थे, जहां छात्रों ने अपनी परेशानियों से राहुल गांधी को अवगत कराया था।

राहुल ने पीएम मोदी से कहा कि मैं आपसे दो महत्वपूर्ण मुद्दों को हल करने का अनुरोध करता हूं जो वंचित समुदायों के 90 प्रतिशत छात्रों के लिए शिक्षा के अवसरों में बाधा डालते हैं। सबसे पहले, दलित, एसटी, ईबीसी, ओबीसी और अल्पसंख्यक समुदायों के छात्रों के लिए आवासीय छात्रावासों की स्थिति बहुत खराब है। राहुल गांधी ने कहा कि बिहार के दरभंगा में अंबेडकर छात्रावास के हाल के दौरे के दौरान छात्रों ने शिकायत की कि एक ही कमरा है जिसमें 6-7 छात्रों को रहने के लिए मजबूर होना पड़ता है।

बहु से अजीबोगरीब मांग

ससुरालवालों ने दहेज में मांगी किडनी

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। दहेज में कार, घर, सोना और संपत्ति मांगने का चलन पुराने समय से ही चला आ रहा है। हालांकि दहेज लेना कानूनन अपराध है, लेकिन शादी में चोरी-छिपे दहेज आज भी लिया ही जाता है। इतना ही नहीं महिला जब ससुराल आ जाती है, उसके बाद भी उससे दहेज की मांग की जाती है। दहेज न लाने पर महिला को ससुराल वाले प्रताड़ित करते हैं, लेकिन क्या आपने सुना है कि दहेज में किसी महिला से उसकी किडनी मांग ली जाए। जाहिर है नहीं सुना होगा, लेकिन ऐसा बिहार में हुआ है।

उत्तर बिहार के मुजफ्फरपुर में एक महिला द्वारा अपने बेटे के लिए दहेज में अपनी बहू से उसकी किडनी मांगने का अजीबोगरीब मामला सामने आया है। दीप्ति नाम की महिला ने इस संबंध में मुजफ्फरपुर महिला थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पीड़िता दीप्ति अब अपने मायके में है। पुलिस को अपने साथ हुए अत्याचारों के बारे में बताते हुए दीप्ति ने कहा कि मेरी शादी 2021 में हुई। मेरा ससुराल मुजफ्फरपुर के बोचहा थाना क्षेत्र में है।

महिला ने पुलिस में रिपोर्ट कराई

दहेज नहीं ला सकती तो किडनी दो- पीड़िता ने बताया कि शादी के बाद शुरू में सब ठीक था। लेकिन फिर मेरे ससुराल वालों ने पैसे, बाइक और जेवर लाने के लिए मुझे मानसिक रूप से प्रताड़ित करना शुरू कर दिया और मेरे साथ मारपीट की। जब मैं अपने ससुराल वालों की मांगें मानने को तैयार नहीं हुई, तो उन्होंने मुझ पर अपने बीमार पति को अपनी एक किडनी देने के लिए दबाव डालना शुरू कर दिया।

पुलिस ने की समझौते की कोशिश : महिला ने बताया कि मुझे अपने पति की किडनी की बीमारी के बारे में शादी के दो साल बाद पता चला। ससुराल वालों ने मुझ पर किडनी देने के लिए दबाव डाला। मुझे मारा-पीटा और प्रताड़ित किया। दीप्ती इसके बाद अपने माता-पिता के घर आ गई और महिला थाने में शिकायत दर्ज कराई। इस मामले पुलिस ने दोनों पक्षों के बीच समझौता कराने की कोशिश की, लेकिन बात नहीं बनी दीप्ति ने अपने पति से तलाक मांगा, लेकिन उसके पति ने उसे तलाक देने से मना कर दिया। महिला थाने में 38/25 का मामला दर्ज किया है और उसके पति समेत ससुराल पक्ष के चार लोगों को आरोपी बनाया है।

राहुल गांधी के खिलाफ टिप्पणी पर आलाकमान ने की कार्रवाई

दिग्विजय के भाई लक्ष्मण सिंह कांग्रेस से निष्कासित

नई दिल्ली/भोपाल, देशबन्धु। कांग्रेस ने राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह के भाई लक्ष्मण सिंह को राहुल गांधी के खिलाफ टिप्पणी करने के लिए 6 साल के लिए प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित कर दिया। कांग्रेस की अनुशासन समिति के सदस्य सचिव तारिक अनवर ने एक बयान में कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष ने मध्य प्रदेश के पूर्व विधायक लक्ष्मण सिंह को उनकी पार्टी विरोधी गतिविधियों के कारण तत्काल प्रभाव से छह साल की अवधि के लिए भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित कर दिया है। समिति ने कहा कि नेतृत्व के खिलाफ उनके बार-बार सार्वजनिक बयानों से पार्टी की छवि खराब हुई है।

पिछले महीने लक्ष्मण सिंह को कारण बताओ नोटिस भेजा गया था, क्योंकि उन्होंने कथित तौर पर सवाल उठाया था कि पार्टी को रॉबर्ट वाड्रा और राहुल गांधी दोनों की अपरिपक्वता से कब तक निपटना होगा। पहलगाम आतंकवादी हमले के मद्देनजर लक्ष्मण सिंह ने अपनी पार्टी के भीतर एक बड़ा विवाद खड़ा कर दिया था। 24 अप्रैल को आतंकवादी हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि देते हुए लक्ष्मण सिंह ने कहा, देश उनकी अपरिपक्वता के परिणाम भुगत रहा है।

जवानों को खस्ताहाल ट्रेन मिलने का मामला

5 दिन बाद 4 रेलवे अफसर निलंबित

सीटों पर गद्दी नहीं, कॉकरोच थे

नई दिल्ली, एजेंसी। अमरनाथ यात्रा के लिए ड्यूटी पर जा रहे 1200 बीएसएफ जवानों ने ट्रेन की खराब हालत देखते हुए चढ़ने से इनकार कर दिया। 5 दिन पुराने इस मामले में रेल मंत्रालय ने 4 रेल अधिकारियों को निलंबित कर दिया है।

6 जून को जवानों को त्रिपुरा से अमरनाथ जाना था। नॉर्थ ईस्ट फ्रंटियर रेलवे ने जो ट्रेन जवानों को मुहैया कराई, उसमें खिड़कियां-दरवाजे टूटे हुए थे। ट्रेन का सीसीटीवी भी अब सामने आया है। इसमें टॉयलेट टूटा है, लाइट नहीं है। सीटों पर गद्दियां भी गायब हैं। फर्श पर कॉकरोच दिखाई दे रहे हैं। जवानों के इनकार के बाद 10 जून को दूसरी ट्रेन मुहैया कराई गई। जवानों को अमरनाथ तीर्थयात्री ड्यूटी के लिए कश्मीर पहुंचना था। जिस ट्रेन से उन्हें जाना था, उसका बीएसएफ के कंपनी कमांडर ने निरीक्षण किया।

आपत्ति के बाद दूसरी ट्रेन दी गई : रेलवे

भारतीय रेलवे के एक सीनियर अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि 6 जून को रवाना होने वाली ट्रेन को रद्द कर दिया गया है। कारण यह है कि बीएसएफ ने ट्रेन की खामियों पर कड़ी आपत्ति जताई थी। इसके चलते अब उन्हें दूसरी ट्रेन दी गई है। नई ट्रेन मंगलवार को रवाना की गई।

मुख्यमंत्री ने दी जानकारी

वन्यप्राणियों के लिए संभाग स्तर पर खोले जाएंगे रेस्क्यू सेंटर

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि चीतों को पालपुर कूनो राष्ट्रीय उद्यान से गांधी सागर वन क्षेत्र में छोड़कर एक नया नेशनल पार्क विकसित किया जा रहा है। प्रदेश में अब तक 2 नए टाइगर नेशनल पार्क बनने और चीतों के साथ-साथ दूसरे वन्य जीवों की संख्या बढ़ने से संभाग स्तर पर रेस्क्यू सेंटर की आवश्यकता महसूस की जा रही है। इनकी स्थापना के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है।

डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में अब तक केवल एक रेस्क्यू सेंटर राजधानी भोपाल स्थित वन विहार में है। लेकिन अब वन्यप्राणियों की जीवन रक्षा और उनके जीवन में सुखद बदलाव लाने के लिए संभाग स्तर पर रेस्क्यू सेंटर शुरू करने का प्रयास है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को गुजरात रवाना होने के पहले मीडिया में जारी एक संदेश में यह बात कही। उन्होंने कहा कि प्रदेश देश का सर्वाधिक वन क्षेत्र और वन्यजीवों की विविधता से संपन्न राज्य है। भारत में सबसे अधिक बाघ मध्यप्रदेश की धरती पर देखने को मिलते हैं। तेंदुआ और गिद्ध की संख्या भी प्रदेश में सबसे ज्यादा है। प्रदेश के अलग-अलग वन क्षेत्रों में मगरमच्छ और घड़ियालों का बसेरा है। डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में चिड़ियाघरों अर्थात प्राणी उद्यान (जू) की संख्या में भी वृद्धि करने जा रही है। बजट में दो प्राणी उद्यान की स्थापना को स्वीकृति दी गई है। उन्होंने कहा कि गुजरात में देश का सर्वश्रेष्ठ जू एवं रेस्क्यू सेंटर है। वे गुजरात की अध्ययन यात्रा में जामनगर में वन्यजीवों की देखरेख के लिए की गई व्यवस्थाओं का निरीक्षण करेंगे साथ ही वन्यजीवों का आदान-प्रदान कर उनके जीवन रक्षा की संभावनाएं भी तलाशेंगे।

सरकार वन्यजीवों के प्रति भी संवेदनशील

डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश के कई विश्वविद्यालयों से संबद्ध कॉलेजों में वेटनरी कोर्स और वेटनरी अस्पताल शुरू कर पशु चिकित्सकों की संख्या बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वन संपदा और वन्यजीवों के संरक्षण का भी व्यापक अभियान प्रदेश में चल रहा है। डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों का आह्वान किया है कि अगर किसी वन्यजीव के संकट में होने की जानकारी मिले या दिखाई दे तो नज़दीकी वन विभाग के अधिकारी को सूचित करें। प्रदेश सरकार अपने नागरिकों की चिंता करने के साथ-साथ वन्यजीवों को संरक्षण प्रदान करने के लिए भी संवेदनशील है।

रेलवे ने आरक्षण को लेकर की नई व्यवस्था

अब 24 घंटे पहले बन जाएगा चार्ट

नई दिल्ली, देशबन्धु। भारतीय रेलवे ने यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए एक महत्वपूर्ण बदलाव की शुरुआत की है। अब वेटिंग लिस्ट में होने वाले यात्रियों को उनकी टिकट की स्थिति ट्रेन रवाना होने से 24 घंटे पहले ही पता चल जाएगी। अभी तक यह जानकारी केवल 4 घंटे पहले मिलती थी। यह जानकारी रेलवे मंत्रालय ने बुधवार को दी।

इस नई व्यवस्था का ट्रायल बीकानेर डिवीजन में 6 जून, 2025 से शुरू हो चुका है। यह कदम यात्रियों की आखिरी समय की अनिश्चितता को कम करने और यात्रा अनुभव को बेहतर बनाने के उद्देश्य से उठाया गया है। रेलवे बोर्ड के सूचना और प्रचार निदेशक दिलीप कुमार ने बताया, हमने इस पायलट प्रोजेक्ट की शुरुआत बिकानेर डिवीजन में की है, जहां ट्रेन के रवाना होने से 24 घंटे पहले चार्ट तैयार किया जा रहा है।

रद्द करने पर जुर्माना

रेलवे अधिकारियों ने यह भी बताया कि टिकट कन्फर्म होने के बाद अगर यात्री उसे रद्द करते हैं, तो उन्हें रिफंड में बड़ी कटौती झेलनी पड़ सकती है।

अमेरिका ने एक बार फिर मध्यस्थता की बात दोहराई

- संघर्ष विराम कराने का फिर किया दावा
- भारत कश्मीर पर कर चुका है बाहरी हस्तक्षेप की बात को खारिज

वाशिंगटन, एजेंसी। भारत के द्विपक्षीय कश्मीर विवाद में बाहरी हस्तक्षेप की बात को बार-बार खारिज करने के बावजूद अमेरिका ने एक बार फिर कश्मीर मामले पर मध्यस्थता की बात दोहराई है। अमेरिकी विदेश विभाग की प्रवक्ता टैमी ब्रूस ने कहा है कि अगर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप मध्यस्थता करने की कोशिश करते हैं, तो इसमें कोई हैरानी नहीं होगी। अपनी नियमित ब्रीफिंग में रिपोर्टर ने ट्रंप की मध्यस्थता की पेशकश के बारे में सवाल किया। इसके जवाब में टैमी ब्रूस ने कहा, जाहिर है, मैं यह नहीं बता सकती कि राष्ट्रपति के दिमाग में क्या है, या उनकी क्या योजना है। हम सभी मानते हैं कि राष्ट्रपति ट्रंप अपने हर कदम में देशों के बीच पीढ़ीगत मतभेदों और पीढ़ीगत युद्ध को सुलझाने की कोशिश करते हैं। इसलिए किसी को भी हैरत में नहीं पड़ना चाहिए कि ट्रंप इस तरह की किसी चीज (कश्मीर विवाद) को मैनेज करना चाहते हैं। ब्रूस ने कहा कि जब शशि थरूर के नेतृत्व में भारतीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल ने हाल ही में डिप्टी सेक्रेटरी क्रिस्टोफर लैंडौ से मुलाकात की, तो अमेरिका ने 'आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के मजबूत समर्थन और उन दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी' की पुष्टि की।

ब्रूस ने कहा, मैं उनकी (ट्रंप) योजनाओं के बारे में बात नहीं कर सकती। दुनिया उनके स्वभाव को जानती है। मैं इस बारे में कोई विस्तृत जानकारी नहीं दे सकती कि उनके पास इस संबंध में क्या हो सकता है। आप व्हाइट हाउस को कॉल कर सकते हैं। मुझे लगता है कि उनके पास कहने के लिए बहुत कुछ होगा।

बजाग जनपद की ग्राम पंचायत पिपरिया में लोकतंत्र का काला दिन

वोट डालने से रोका, 17 पंचों को दौड़ा-दौड़ा कर पीटा

डिंडोरी, देशबन्धु। बजाग जनपद की ग्राम पंचायत पिपरिया में सरपंच के विरुद्ध लाया गया अविश्वास प्रस्ताव मंगलवार को हिंसक हो गया। सरपंच के विरोध में मतदान करने जा रहे महिला और पुरुष पंचों को कुछ लोगों ने दौड़ा-दौड़ा कर पीटा। आरोप है कि सरपंच पति, उसके भाई सहित अन्य ने कार से मतदान करने जा रहे 17 महिला-पुरुषों पंचों को रोककर बुरी तरह पिटाई की।

आरोपितों ने वाहनों के शीशे भी तोड़े और कई को वाहनों के अंदर ही पीटा। इस हमले में तीन पंचों को अधिक चोट आई है। डर के मारे तीन पंच जंगल की ओर भाग गए। घायल पंच किसी तरह बजाग थाने पहुंचे। देर रात पुलिस ने सरपंच पति चमरू यादव, उनके भाई लोकनाथ यादव, रोहित पड़वार सहित अन्य के विरुद्ध मारपीट और एससी-एसटी एक्ट की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। आदिवासी सरपंच का पति ओबीसी- मंगलवार को सुबह नौ बजे से सरपंच पति ने स्वजन और समर्थकों को पंचायत भवन के मुख्य मार्ग में इकट्ठा कर लिया था। आरोप है कि यहां सुरक्षा की कोई व्यवस्था नहीं थी। ग्राम पंचायत की सरपंच आदिवासी महिला सरिता पट्टा हैं, जबकि उनके पति चमरू यादव ओबीसी वर्ग के हैं। पंचों का आरोप था कि पंचायत की कमान सरपंच के पति ही संभाल रहे थे। उनके द्वारा लगातार वित्तीय अनियमितताएं की जा रही थीं। अविश्वास प्रस्ताव गिरने पर सवाल - 20 वार्ड वाली ग्राम पंचायत में 17 पंच वर्तमान सरपंच के विरोध में थे। दो पंच पहले ही इस्तीफा दे चुके हैं। ऐसे में अविश्वास प्रस्ताव पास होना तय माना जा रहा था। भारी विवाद के बीच अविश्वास प्रस्ताव गिरने पर पीड़ित पंचों ने सवाल खड़े किए हैं।

आदिवासी सरपंच पति ने बाहुबल से पास नहीं होने दिया अविश्वास प्रस्ताव

इनका कहना है

पुलिस कर गिरफ्तारी के प्रयास - पुलिस मतदान केंद्र ग्राम पंचायत में मौजूद थी। विवाद कुछ दूर हुआ है, इसलिए समस्या आई। पुलिस आरोपितों की गिरफ्तारी के प्रयास कर रही है।
अमृतलाल तिग्गा, थाना प्रभारी

बजाग सरपंच के खिलाफ लाया गया अविश्वास प्रस्ताव गिर गया है। सुरक्षा मौके पर दी गई थी। आवश्यक कार्रवाई हो रही है। प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुये है।
रामबाबू देवांगन, एसडीएम, बजाग

नल-जल योजना की मोटर जली, 3 सौ परिवार पेयजल से वंचित

गर्मी में जलसंकट को देखते हुए देना शुरु किया था गांव में पानी ग्राम पंचायत और पीएचई के प्रयास, कल तक होगी समस्या हल

इटारसी, देशबन्धु। ग्राम सोनासांवरी की नल-जल योजना से करीब तीन सौ परिवारों को ग्रीष्मकाल में पानी की समस्या देखते हुए योजना के ट्रायल पीरियड में पानी देना प्रारंभ कर दिया था। हालांकि अभी यह ग्राम पंचायत को हैंडओवर नहीं हुई है, लेकिन गांव को पानी मिले, इसके लिए इसे लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने बतौर ट्रायल प्रारंभ किया था। लगातार और घंटों पानी चलने से आखिरकार मोटर जल गई और जितना पानी मिलता था, वह भी बंद हो गया। इससे करीब तीन सौ परिवार प्रभावित हुए हैं। आज बुधवार को नल जल योजना से पानी मिलना बंद हुए चार दिन हो गये हैं। गुरुवार तक समस्या का समाधान होने का भरोसा ग्राम पंचायत और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग दिला रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि मोटर कल तक आ जाएगी, फिर से ग्रामीणों को पीने के लिए पानी मिलने लगेगा।

मॉनिटरिंग पंचायत की

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने योजना पर काम किया है। इसकी मॉनिटरिंग और आपरेटिंग हैंडओवर होने के बाद ग्राम पंचायत को ही करना है।
वर्तमान में भी पानी देने का काम और मॉनिटरिंग आपसी सहमति से ग्राम पंचायत ही कर रही थी। पीएचई अधिकारियों का मानना है कि लगातार चलने या किसी तकनीकि कारण से मोटर जली है, जल्द ही इसमें सुधार कराके ग्रामीणों को पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा। पंचायत सचिव कहते हैं कि आज शाम तक मोटर आ जाएगी, संभवतः कल तक पानी देना प्रारंभ किया जा सकेगा।

इनका कहना है..

मोटर जली है, एक या दो दिन में मोटर में सुधार हो जाएगा, किसी तकनीकि कारण से मोटर जली है, सरपंच से बात हो गयी है, जल्द ही मोटर डालकर चालू करने का उन्होंने कहा है।

एके शर्मा, सब इंजीनियर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी नर्मदापुरम

फिलहाल योजना का संचालन पीएचई ही कर रही है, अभी काम बाकी है, गर्मी को देखते हुए लोगों को पानी देने की शुरुआत की थी, मोटर जलने से समस्या आयी है, कल तक संभवतः चालू कर देंगे।

संतोष झिंझोरे, सचिव ग्राम पंचायत सोनासांवरी

अभी हैंडओवर नहीं

अभी इस योजना का काम शेष है, इनमें नल कनेक्शन देना शामिल है। बावजूद इसके ग्राम पंचायत और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने समन्वय करके जनप्रतिनिधियों की सहमति से गर्मी में ग्रामीणों को पेयजल के लिए परेशान न होना पड़े, इसे चालू कर दिया था। गर्मी भर गांववालों को इससे अच्छा पानी मिला। अभी तीन दिन पहले अचानक मोटर जल जाने से पानी का संकट उत्पन्न हो गया। अधिकारियों का कहना है कि मोटर दुरुस्त होने में वक्त लगता है। संभवतः गुरुवार को मोटर डालकर इसे पुनः चालू कर दिया जाएगा।

भोपाल मंडल के बीना ,विदिशा, भोपाल एवं इटारसी स्टेशनों पर रुकेगी

हर शनिवार और सोमवार को इटारसी आएगी नयी साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेन

इटारसी, देशबन्धु। रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए नई साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेन की शुरुआत की जा रही है। गाड़ी संख्या 014622/014621 फिरोजपुर कैंट - हजूर साहिब नांदेड - फिरोजपुर कैंट साप्ताहिक एक्सप्रेस का नियमित संचालन 13 जून 2025 से प्रत्येक शुक्रवार को फिरोजपुर कैंट से तथा 15 जून 2025 से प्रत्येक रविवार को हजूर साहिब नांदेड से शुरू किया जाएगा।
संख्या 014622 फिरोजपुर कैंट - हजूर साहिब नांदेड साप्ताहिक एक्सप्रेस फिरोजपुर कैंट स्टेशन से हर शुक्रवार को दोपहर 13:25 बजे प्रस्थान करेगी। मार्ग के अन्य स्टेशनों से होते हुए यह गाड़ी अगले दिन सुबह 06:15 बजे बीना, 07:10 बजे विदिशा, 08:05 बजे भोपाल, 09:55 बजे इटारसी स्टेशन पर ठहरते हुए तीसरे दिन रविवार को रात 03:30 बजे हजूर साहिब नांदेड स्टेशन पहुंचेगी।
गाड़ी संख्या 014621 हजूर साहिब नांदेड - फिरोजपुर कैंट साप्ताहिक एक्सप्रेस वापसी दिशा में यह गाड़ी हर रविवार को सुबह 11:50 बजे हजूर साहिब नांदेड से प्रस्थान कर, अगले दिन 04:35 बजे इटारसी, 06:25 बजे भोपाल, 07:18 बजे विदिशा, 09:30 बजे बीना स्टेशनों पर रुकते हुए तीसरे दिन मंगलवार को सुबह 04:40 बजे फिरोजपुर कैंट पहुंचेगी।

गाड़ी के हाल्ट एवं कोच संरचना

रास्ते में यह गाड़ी दोनों दिशाओं में फरीदकोट, कोट कपूरा जं., बठिंडा जं., मनसा, जाखल, धर्मतान साहिब, जींद, रोहतक, बहादुरगढ़, शकूरबस्ती, दिल्ली सफदरजंग, फरीदाबाद, मथुरा जं., आगरा कैंट, ग्वालियर, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, बीना, विदिशा, भोपाल, इटारसी, खंडवा, भुसावल, मनमाड, औरंगाबाद, जालना, सेलू, परभणी, पूर्णा स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में कुल 22 डिब्बे होंगे जिनमें 2 द्वितीय वातानुकूलित श्रेणी, 4 तृतीय वातानुकूलित श्रेणी, 3 तृतीय वातानुकूलित इकोनॉमी श्रेणी, 7 शयनयान (स्लीपर) श्रेणी, 4 सामान्य श्रेणी के डिब्बे शामिल हैं।

नर्मदा नियरे

सार-समाचार

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर 21 जून को सामूहिक योगाभ्यास के कार्यक्रम आयोजित होंगे

हरदा, देशबन्धु। प्रदेश में 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर प्रदेश स्तरीय सामूहिक योग कार्यक्रम होंगे। इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग ने सभी विभागों को दिशा-निर्देश जारी किये हैं। संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा योग को वैश्विक पहचान देते हुए वर्ष 2015 में 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया है। वर्ष 2015 से ही सारी दुनिया में योग के प्रति उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई है। इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का एक दशक पूर्ण हो रहा है। इस अवसर पर वृहद रूप से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। इस संबंध में सभी आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। प्रदेश में जिला, विकासखंड एवं पंचायत स्तर पर सामूहिक योग कार्यक्रम होंगे। इसमें विद्यालयों, महाविद्यालयों, चिकित्सा एवं तकनीकी शिक्षा संस्थान, आयुष, नर्सिंग, पशु चिकित्सा, कृषि, शिक्षा, पॉलीटेक्निक, आईटीआई के साथ निजी विद्यालयों एवं महाविद्यालयों की भागीदारी रहेगी। सभी संस्थानों को योग दिवस में भाग लेने के लिये आयुष मंत्रालय भारत सरकार की लिंक पर आयोजक के रूप में अपना पंजीयन कराया जाना है। प्रदेश के पर्यटन स्थलों पर भी सामूहिक योग अभ्यास के कार्यक्रम आयोजित करने के लिये विशेष व्यवस्था की जा रही है। सामूहिक योग अभ्यास कार्यक्रम 21 जून को प्रातः 6 बजे से प्रातः 7.45 के बीच आयोजित होंगे।

कन्या शिक्षा परिसर पवारखेड़ा में छात्राओं की रिक्त सीटों पर प्रवेश के आवेदन 14 तक

इटारसी, देशबन्धु। जनजातीय कार्य विभाग मप्र अंतर्गत स्पेशल एंड रेसीडेंसियल एकेडमिक सोसायटी म.प्र. भोपाल द्वारा संचालित कन्या शिक्षा परिसर, पवारखेड़ा जिला-नर्मदापुरम् स्थित आवासीय विद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए कक्षाओं 7 वी 8 वी, 9 वी, 11 वी की रिक्त सीटों पर प्रवेश हेतु आवेदन 14 जून 2025 तक भरे जा सकेंगे। प्रवेश के लिए छात्राएं एवं उनके अभिभावक आवेदन पत्र विद्यालय से प्राप्त कर अंतिम तिथि तक जमा कर सकते हैं। प्रवेश परीक्षा स्थानीय स्तर पर 16 जून 2025 को विद्यालय मे आयोजित की जाएगी। प्रवेश में सीबीएसई बोर्ड अध्ययनरत अभ्यार्थी को प्रवेश में प्राथमिकता दी जाएगी। केवल अनुसूचित जनजातीय वर्ग की छात्राएं ही आवेदन कर सकेंगी। विद्यार्थी की स्क्क्ष्क्रस्र प्रोफाइल पंजीयन अनिवार्य है। रिक्तियों के आधार पर प्रवेश दिया जाएगा। रिक्त सीटों की संख्या में कमी/ वृद्धि हो सकती है।

वरिष्ठ नागरिक संघ पुरानी इटारसी ने किया सुंदर कांड पाठ का आयोजन

इटारसी, देशबन्धु। वरिष्ठ नागरिक संघ पुरानी इटारसी, के संरक्षक शिक्षाविद एपी चौधरी के 88 वें जन्मदिन पर संगठन ने सुंदरकांड पाठ आरती पूजन का कार्यक्रम आयोजित किया।

वरिष्ठ नागरिक संघ के सदस्यों ने चौधरी का शॉल-श्री फल, पुष्पहार गुलदस्ते से सम्मान किया। अध्यक्ष अशोक कुमार दुबे ने बताया कि इस अवसर पर विधायक डॉ सीतासरन शर्मा भी शामिल हुए और अपनी ओर से बधाई शुभकामना दी। विधायक ने एक आदर्श शिक्षक के रूप में शहर और क्षेत्र को उनके योगदान पर भी विचार रखे तथा संघ को आवंटित होने वाले कार्यालय के कार्य की प्रगति की जानकारी दी।
इस अवसर पर संघ सचिव जीडी पाटिल, केएन तिवारी, शिव नारायण चौधरी, डॉ अनिरुद्ध कुमार शुक्ला, एसपी तिवारी, एमएल पटेल, संतोष दीवान, राजेंद्र दीवान, आरके पांडे, आरसी वर्मा, एसएस चौधरी, राजेंद्र दीक्षित, मनोहर उपाध्याय, टीआर चोलकर के अलावा बड़ी संख्या में समाज के सभी वर्ग के लोग शामिल हुए।

म.प्र.कांग्रेस कमेटी के प्रदेशाध्यक्ष पटवारी आज किसान अधिकार यात्रा में होंगे शामिल

इटारसी, देशबन्धु। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी कल गुरुवार को नर्मदापुरम जिले में रहेंगे। वे यहां करणपुर से सोहागपुर किसान अधिकार यात्रा में शामिल होंगे तथा सभा को भी संबोधित करेंगे। सरकार से मूंग की समर्थन मूल्य पर खरीदी कराने और पंजीयन के लिए विगत कई दिनों से जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में कांग्रेसी किसान अधिकार यात्रा के माध्यम से सरकार से मांग कर रहे हैं। इस संदर्भ में मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी 12 जून दिन गुरुवार को दोपहर 3 बजे जिले में आएंगे। उनके साथ मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष एवं जिला प्रभारी सुखदेव पांसे, किसान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष धर्मेंद्र चौहान, मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव राजकुमार केलू उपाध्याय करणपुर पहुंचेंगे। जिले के सभी मोर्चा संगठन एवं प्रकोष्ठ युवक कांग्रेस सेवादल महिला कांग्रेस एनएसयूआई एवं कांग्रेस के सभी सदस्यों से जिला कांग्रेस कमेटी नर्मदापुरम अध्यक्ष शिवाकांत गुड्डन पांडे ने निवेदन किया है कि अधिक से अधिक संख्या में करणपुर पहुंचें और इस यात्रा को सफल बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें। सरकार से मूंग की समर्थन मूल्य पर खरीदी कराने और पंजीयन के लिए विगत कई दिनों से जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में कांग्रेसी किसान अधिकार यात्रा के माध्यम से सरकार से मांग कर रहे हैं।

तत्काल टिकट बुकिंग नियमों में बड़ा बदलाव, 1 जुलाई से लागू होंगे नये नियम

इटारसी, देशबन्धु। भारतीय रेलवे ने तत्काल टिकट योजना में महत्वपूर्ण संशोधन किए हैं। ये संशोधन 01 जुलाई 2025 से प्रभावी होंगे और चरणबद्ध रूप से लागू किए जाएंगे। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ कटारिया ने बताया कि पारदर्शिता, निष्पक्षता और आम यात्रियों को अधिक लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से तत्काल बुकिंग प्रक्रिया में संशोधन किये हैं। योजना के अंतर्गत बुकिंग प्रक्रिया को अधिक सुरक्षित और पारदर्शी बनाने के निर्णय लिए हैं।

ऑनलाइन तत्काल बुकिंग हेतु आधार प्रमाणीकरण अनिवार्य

01 जुलाई 2025 से तत्काल योजना के अंतर्गत टिकट केवल उन्हीं यात्रियों को उपलब्ध होंगे जो आईआरसीटीसी की वेबसाइट अथवा मोबाइल ऐप के माध्यम से आधार प्रमाणीकरण द्वारा लॉगिन करेंगे। इसके अतिरिक्त, 15 जुलाई 2025 से सभी यात्रियों के लिए आधार आधारित ओटीपी प्रमाणीकरण भी अनिवार्य कर दिया जाएगा।पीआरएस काउंटर और अधिकृत एजेंटों के लिए ओटीपी सत्यापन आवश्यक तत्काल टिकट अब रेलवे के कंप्यूटरीकृत पीआरएस काउंटर या अधिकृत एजेंटों के माध्यम से भी तभी बुक किए जा सकेंगे जब यात्री द्वारा दर्ज मोबाइल नंबर पर भेजे गए सिस्टम जनरेटेड ओटीपी का सत्यापन किया जाएगा। यह नियम भी 15 जुलाई 2025 से लागू किया जाएगा।

अधिकृत एजेंटों पर बुकिंग के पहले तीस मिनट में प्रतिबंध

रेलवे के अधिकृत टिकटिंग एजेंट अब तत्काल टिकट बुकिंग के पहले तीस मिनट (वातानुकूलित क्लास के लिए 10 से 10:30 बजे तक और गैर-वातानुकूलित क्लास के लिए 11 से 11:30 बजे तक) टिकट नहीं बुक कर सकेंगे। इस कदम का उद्देश्य आम यात्रियों को पहले अवसर प्रदान करना है ताकि दलाल प्रवृत्तियों पर अंकुश लगाया जा सके।

डॉ. मीनाक्षी पटेल को लगी प्रसूताओं की हाय, निलंबन की गिरी गाज

हरदा, देशबन्धु। जिला अस्पताल हरदा में पदस्थ डॉक्टर मीनाक्षी पटेल को उन प्रसूताओं की गहरी हाय लगी।
उन्होंने खूब रिश्वत वसूली। सेवा के पेशे में बेइमानी इस कदर घुस गई है कि, अच्छा-बुरा सब भूलकर जिम्मेदार लोग गलत काम में लग जाते हैं। यही डॉ मीनाक्षी भी कर रही थीं, जिसकी शिकायत लंबे समय से हो रही थी । आखिरकार नर्मदापुरम के संभाग आयुक्त के जी तिवारी ने तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के आदेश जारी किए हैं। निलंबन अवधि में डॉक्टर मीनाक्षी पटेल का मुख्यालय कलेक्ट्रेट जिला हरदा रहेगा, उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता रहेगी।
कलेक्टर सिद्धार्थ जैन ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी जिला हरदा से प्राप्त प्रतिवेदन के आधार पर डॉ. मीनाक्षी पटेल के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही के लिए संभाग आयुक्त नर्मदापुरम को प्रस्ताव भेजा था जिसके आधार पर यह कार्यवाही की गई है।
मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ एच पी सिंह ने बताया कि डॉ मीनाक्षी पटेल द्वारा जिला अस्पताल में गर्भवती महिलाओं के उपचार, प्रसव एवं सीजिरियन आपरेशन के लिए निःशुल्क व्यवस्था होने के बाबजूद भी उनसे धनराशि की मांग की जाती थी, तथा ओपीडी के समय निजी क्लीनिक में सेवाएं देने के संबंध में शिकायतें प्राप्त हुई थी। इसके अलावा गत दिनों थाना प्रभारी सिराली द्वारा अपराध क्रमांक 185/25 धारा 137 (2), 87,65 (2) वीएनएस 5/6 पाक्सों एक्ट के तहत डॉ मीनाक्षी पटेल, द्वारा पीडिता का मेडिकल परीक्षण नहीं किया गया तथा जिला चिकित्सालय में स्थापित पुलिस कंट्रोल रूम में तैनात कर्मचारियों के साथ अभद्र व्यवहार किया गया। इन शिकायतों के आधार पर डॉक्टर मीनाक्षी पटेल के निलंबन की कार्यवाही की गई है। इस कार्रवाई को लेकर सराहना की जा रही है और पीड़ितों ने राहत की सांस ली।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को दिया गया प्रशिक्षण, सीखी काम को लेकर कई बारीकियां, टीम पर ध्यान देना जरूरी

इटारसी, देशबन्धु। आज बुधवार को को शहरी ब्लॉक इटारसी में लालन-पालन विषय पर मनोवैज्ञानिक जिज्ञासा, अंशिका, एडीसी निशा प्रणामी, आदर्श मिश्रा, सुपरवाइजर दीप्ति दुबे, सुपरवाइजर रिसर्च असिस्टेंट इशिता गर्ग, साक्षी यादव इंटर्न ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने इस प्रशिक्षण में सक्रिय भागीदारी दिखाते हुए इसे सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई। जहां संभव हो सका, सभी विषयों को प्रशिक्षण में शामिल करने का प्रयास किया गया। प्रशिक्षण के दौरान कोई बड़ी चुनौतियां नहीं आईं, लेकिन कुछ छोटी-छोटी बातों पर टीम का ध्यान देना आवश्यक है, जैसे प्रशिक्षण की तैयारी, समय प्रबंधन, व्यवस्थापन, प्रस्तुति कौशल एवं विषय की जानकारी आदि। यह एक पायलट प्रशिक्षण था, जिससे कई बातें सीखने को मिलीं। इटारसी की सीडीपीओ इंचार्ज श्रीमती दीप्ति शुक्ला, सुपरवाइजर श्रीमती अर्चना बस्तावर, श्रीमती पूनम मौर्य, श्रीमती मीना गांठले, श्रीमती राखी मौर्य, ब्लॉक कॉर्डिनेटर सुश्री हिना खान ने इस ईसीडी प्रशिक्षण को सफल बनाने में सहयोग और मार्गदर्शन दिया।

शासकीय सांदीपनि विद्यालय में ट्रांसपोर्ट समिति की बैठक में सुरक्षा सहित अन्य विषयों पर चर्चा

इटारसी, देशबन्धु। बुधवार 11 जून को शासकीय सांदीपनि विद्यालय इटारसी में विधायक प्रतिनिधि दीपक अठौत्रा की अध्यक्षता में ट्रांसपोर्ट समिति की बैठक में विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई। इस दौरान बसों में सेंट्रलाइज मॉनिटरिंग हेतु जीपीएस, कैमरे की लाइव फीडिंग, बसों के फिटनेस, परमिट, पीयूसी एवं बीमा को अपडेट करना, अग्निशामक यंत्र, प्राथमिक उपचार, पेयजल व्यवस्था आदि पर चर्चा हुई।
विधायक प्रतिनिधि ने समाया बस कंपनी के प्रबंधक को यह निर्देश दिए कि सभी चालक एवं परिचालक को प्राथमिक उपचार करने, अग्निशामक यंत्र को चलाने के लिए प्रशिक्षित किया जाए तथा सभी को आईडी कार्ड व ड्रेस कोड का पालन करना अनिवार्य किया जाए।

साथ ही सभी ड्राइवरों एवं कंडक्टरों के पुलिस वेरिफिकेशन, मेडिकल टेस्ट, नेत्र परीक्षण के निर्देश दिए गए। बैठक में प्राचार्य एनपी चौधरी, उपप्राचार्य उपेन्द्र साहू, ट्रांसपोर्ट प्रभारी, समाया बस प्रोवाइडर कंपनी के प्रबंधक, बस मालिक, सभी बसों के ड्राइवर व कंडक्टर उपस्थित रहे।

सतलोक आश्रम में निःशुल्क आयुष शिविर का हुआ आयोजन

बैतूल, देशबन्धु। आयुष विभाग द्वारा सतलोक आश्रम उड़दन में निःशुल्क आयुष शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का आयोजन 9 एवं 10 जून दो दिवस किया गया। शिविर का आयोजन जिला आयुष अधिकारी डॉक्टर योगेश चौकीकर के निर्देशानुसार संपन्न हुआ। शिविर में आयुष क्योर ऐप, आयुष आपके द्वार, औषधि पौधों की जानकारी, दैनिक जीवन में योगाभ्यास और ध्यान के महत्व, सरल योग क्रियाओं की जानकारी दी गई। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में सभी को प्रतिदिन योग करने के लाभ बतलाए गए एवं योगाभ्यास करने को प्रेरित किया गया। शिविर में नोडल अधिकारी डॉक्टर सरिता डेहरिया, डॉ रजनी बडोदे होम्योपैथिक चिकित्सा अधिकारी, डॉ मनोज सूर्यवंशी आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी, डॉ शिल्पा धोटे आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी, डॉक्टर आकांक्षा डोंगरे आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी सहित कुल 13 कर्मचारियों ने अपनी सेवाएं दी।

शिविर में आमवात, संधिवात, ज्वर, श्वास, कास, उदर रोग, चर्म रोग, मधुमेह आदि रोगों की औषधियों का निःशुल्क वितरण किया गया। होम्योपैथिक लाभार्थी 386 एवं आयुर्वेदिक लाभार्थी 1050 सहित कुल 1436 लाभार्थियों ने औषधियों का लाभ प्राप्त किया।

छात्रवृत्ति हेतु ऑनलाइन आवेदन करें

हरदा, देशबन्धु। पिछडा वर्ग के अभ्यार्थियों के लिये पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के नवीनीकरण आवेदन हेतु एमपीटास पोर्टल प्रारम्भ कर दिया गया है। संयुक्त कलेक्टर सुश्री रजनी वर्मा ने बताया कि पिछडा वर्ग के अभ्यार्थियों के लिये पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति पोर्टल शैक्षणिक सत्र 2024-25 में नवीनीकरण आवेदन हेतु प्रारम्भ किया गया है। उन्होने जिले के सभी शासकीय व अशासकीय संस्थाओं में अध्ययनरत वर्ष 2024-25 के पिछडा वर्ग छात्रवृत्ति के लिये पात्र विद्यार्थियों से एमपी टास पोर्टल पर नवीनीकरण आवेदन ऑनलाइन करने के लिये कहा है।

सांसद चौधरी के गृह क्षेत्र में कांग्रेसियों ने चक्की से मूंग दर कर प्रदर्शन किया

किसानों के हक में गरजी कांग्रेस की आवाज बनखेड़ी से शुरू हुई किसानअधिकार यात्रा

बनखेड़ी, देशबन्धु। नर्मदा किनारे ग्राम उमरधा के पांसी घाट से मंगलवार को कांग्रेस ने किसान अधिकार यात्रा की शुरुआत की। इस यात्रा के माध्यम से कांग्रेस ने केंद्र सरकार और भाजपा सांसद दर्शन सिंह चौधरी के खिलाफ ज़ोरदार हमला बोला।
यात्रा के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सांसद चौधरी के गृह ग्राम चांदौन में जोरदार प्रदर्शन किया और मूंग को स्क्क्ष्क पर ख़रीदो की मांग करते हुए चक्की चलाकर मूंग की दाल की दराई की। विरोध स्वरूप लगाए गए नारों ने भाजपा की किसान नीति पर गंभीर सवाल खड़े किए। बनखेड़ी की नुक्कड़ सभा में गरजीकांग्रेस राम रहीम चौराहा और नयाखेड़ा में हुई नुक्कड़ सभाओं में कांग्रेस नेताओं ने भाजपा और सांसद दर्शन सिंह

चौधरी को जमकर घेरा। पूर्व कांग्रेस जिला अध्यक्ष पुष्पराज सिंह पटेल ने कहा, किसानों का बेटा बताकर वोट ठगने का काम सांसद चौधरी ने किया है। बनखेड़ी के भाजपाइयों को भी खूब खरी खोटी सुनाई। मूंग को ज़हरीली बताने वाली सरकार यह बताए कि जब वही मूंग स्स्क्क पर बेची जाएगी तो वह 'अमृत' कैसे हो जाएगीउन्होंने कहा, भगवान बलराम की जय बोलकर सत्ता तक पहुंचे दर्शन अब किसानों के दुख पर मौन हैं। अब उन्हें बलराम का नाम लेने का भी हक़ नहीं ।और कहा, किसानों की छाती पर भाजपा मूंग दल रही है। यह सरकार वोट लेकर अब किसानों की तकलीफ़ों से आंखें चुरा रही है।

16 जून को होगा यात्रा का समापन

कांग्रेस की यह यात्रा बनखेड़ी से शुरू होकर जिले के अंतिम छोर सिवनीबनापुरा तक पहुंचेगी। समापन 16 जून को होगा। वहीं 12 जून को कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी शोभापुर से सोहागपुर तक पदयात्रा कर किसानों के मुद्दे को और मुखर करेंगे।

कृषि मंत्री शिवराज और सांसद चौधरी पर विपक्ष का तीखा वारः- यात्रा के माध्यम से कांग्रेस ने यह साफ कर दिया है कि आने वाले समय में किसान ही चुनावी मुद्दा बनेंगे और मूंग की खरीदी, एमएसपी की गारंटी, और किसान सम्मान ही कांग्रेस की प्राथमिकता रहेगी।

नर्मदा नियरे

सार-समाचार

एनसीसीकैडेट द्वारा रक्तदान हेतु निकाली जागरूकता रैली

नर्मदापुरम, देशबनधु। विश्व रक्तदान दिवस 14 जून के अवसर पर विगत दिवस को 13 एमपी बटालियन एनसीसी नर्मदापुरम के नर्मदा महाविद्यालय परिसर से रक्तदान जागरूकता हेतु एनसीसी कैडेट के द्वारा जागरुकता अभियान चलाया, जागरुकता अभियान के माध्यम से एनसीसी केडिट्स ने लोगों को रक्तदान करने के लिए प्रेरित किया उसका महत्व बताया, रैली में नर्मदा महाविद्यालय, शासकीय एसएनजी उ मा विद्यालय नर्मदापुरम, सेमेरिटन्स स्कूल एवं स्प्रिंगडेल्स स्कूल के एनसीसी कैडेट्स एवं एएनओ फर्स्ट आफिसर जय कुमार वर्मा, सैकेंड आफिसर विजय प्रकाश श्रीवास्तव, केयरटेकर ऑफिसर यासमीन खान एवं शेख कमर उपस्थित उपस्थित रहे।

पूर्णिमा के अवसर पर महाआरती हुई संपन्न

नर्मदापुरम, देशबन्धु। महाआरती के संयोजक प्रशांत मुन्नू दुबे ने बताया कि ज्येष्ठ मास की पूर्णिमा पर सेठानीघाट पर पंच विप्रजनों द्वारा माँ नर्मदाजी की महाआरती सम्पन्न हुई जिसमें श्रद्धालुओं ने पुण्य लाभ प्राप्त किया।

13 जून को होने वाली ग्राम चौपाल का आयोजन स्थगित किया गया

हरदा,देशबन्धु। कलेक्टर सिद्धार्थ जैन ग्राम चौपाल में पहुंचकर ग्रामीणों की समस्याओं की सुनवाई करते हैं। इसी क्रम में 13 जून शुक्रवार को हरदा विकासखंड के मसनगांव खिरकिया विकासखंड के मांदला और टिमरनी विकासखंड के चारखेड़ा में ग्राम चौपाल का आयोजन होना था, लेकिन अपरिहार्य कारणों से ग्राम चौपाल का आयोजन स्थगित कर दिया गया है । ग्राम चौपाल आयोजन की अगली तिथि की सूचना पृथक से जारी की जाएगी।

आईटीआई में रोजगार मेला व कैम्पस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन आज

हरदा,देशबन्धु। निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिये शासकीय आईटीआई हरदा में एक दिवसीय रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिस मेला व कैम्पस ड्राइव का आयोजन किया जा रहा है। प्राचार्य शासकीय आईटीआई हरदा ने बताया कि इस रोजगार मेले में किसी भी शासकीय अथवा प्राइवेट आईटीआई से किसी भी व्यवसाय से आईटीआई एवं 10वी, 12वीं, स्नातक अथवा स्नातकोत्तर उत्तीर्ण महिला एवं पुरूष आवेदक शामिल हो सकेंगे। उन्होने बताया कि रोजगार मेले में यशस्वी स्किल लिमिटेड द्वारा मशीन ऑपरेटर, फिनोलेक्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड द्वारा ट्रेनी तथा टाटा मोटर्स पेसेन्जर्स व्हीकल द्वारा एनटीटीएफ ट्रेनी पद के लिये भर्ती की जाएगी। गुरूवार को प्रात: 10:30 बजे उपस्थित होने के लिये कहा गया है। संस्था के मोबाइल नम्बर 9329192910 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

पूर्व सैनिक व उनके आश्रितों के डाटा अपडेट कराने चलेगा अभियान

हरदा,देशबन्धु। जिला सैनिक कल्याण कार्यालय नर्मदापुरम द्वारा पूर्व सैनिकों व उनके आश्रितों को वार्षिक जीवन प्रमाण-पत्र जमा करने के लिये स्पर्श में आधार, पेन और मोबाइल नम्बर जोडने के लिये विशेष अभियान चलाया जाएगा। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी अनुराग सक्सेना ने बताया कि पूर्व सैनिकों तथा उनकी पत्नि का आधार, पेन, मोबाइल नम्बर तथा ईमेल आईडी अपडेट कराने के लिये 16 से 20 जून तक विशेष अभियान चलाया जाएगा ताकि वार्षिक जीवन प्रमाण-पत्र अपडेट करने में किसी भी प्रकार की समस्या न हो। उन्होने अनुरोध किया है कि जिले के सभी पूर्व सैनिक अथवा उनके आश्रित 16 से 20 जून के तक जिला सैनिक कल्याण कार्यालय नर्मदापुरम में प्रात: 10 बजे से शाम 5 बजे तक उपस्थित हो।

गरीब दंपती को मिला न्याय: सड़क दुर्घटना में बेटे की मौत के बाद दिया 9 लाख का मुआवजा

बैतूल, देशबन्धु। न्याय हर नागरिक का अधिकार है, लेकिन अशिक्षा और जानकारी के अभाव में कई बार पीडि़त परिवार न्याय की प्रक्रिया तक पहुंच ही नहीं पाते। ऐसा ही एक मामला बैतूल जिले में सामने आया, जहां एक गरीब और अशिक्षित दंपती को लोक अदालत के माध्यम से न्याय मिला और उन्हें 9 लाख की मुआवजा राशि प्रदान की गई।

दरअसल 17 अगस्त 2020 को बैतूल-इंदौर फोरलेन पर खेडी बैरियर के पास एक भीषण सड़क दुर्घटना में गुरुवा पिपरिया तहसील भीमपुर निवासी नितिन सूर्यवंशी की बोलेरो कैंपर से टक्कर होने के कारण मौके पर ही मौत हो गई थी। घटना के पश्चात आरोपी चालक के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई थी, लेकिन मृतक के माता-पिता रामकृष्ण सूर्यवंशी और सुनीता सूर्यवंशी ने मुआवजा संबंधी किसी भी कानूनी प्रक्रिया की जानकारी न होने के कारण कोई कदम नहीं उठाया। कुछ समय पश्चात रामकृष्ण सूर्यवंशी एक अन्य मामले में गवाही देने बैतूल न्यायालय पहुंचे, जहां उनकी मुलाकात अधिवक्ता रोशन मगरदे से हुई। बातचीत के दौरान उन्होंने अपने बेटे की दुर्घटना की पूरी जानकारी दी। अधिवक्ता रोशन मगरदे ने तुरंत उनकी सहायता करने का निर्णय लिया और उन्हें मोटर यान अधिनियम, 1988 की धारा 166 के अंतर्गत मुआवजा प्राप्त करने की कानूनी प्रक्रिया से अवगत कराया।

लोक अदालत के माध्यम से न्याय

प्रकरण को त्वरित रूप से सुलझाने के लिए अधिवक्ता रोशन मगरदे ने मामला नेशनल लोक अदालत के समक्ष प्रस्तुत किया। यह मामला मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण खंडपीठ क्रमांक-1 के न्यायाधीश श्री दिनेश चंद्र थपलियाल के समक्ष लाया गया। अदालत ने टाटा एलआईजी जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड को आदेशित किया कि वह मृतक के माता-पिता को 9 लाख की मुआवजा राशि प्रदान करें। प्रकरण प्रस्तुत करने के छह माह के भीतर ही सुनीता और रामकृष्ण सूर्यवंशी को 9 लाख की मुआवजा राशि का चेक प्राप्त हुआ। चेक प्राप्त करते समय भावुक होते हुए दोनों ने कहा कि अगर अधिवक्ता रोशन मगरदे से हमारी मुलाकात न होती तो हमें कभी भी यह मुआवजा नहीं मिल पाता। हमें इस कानून की कोई जानकारी नहीं थी। वकील साहब ने ही हमारे लिए न्याय के द्वार खोले हैं।

वकील रोशन ने बताया न्याय सेवा का सच्चा अर्थ

इस अवसर पर अधिवक्ता रोशन मगरदे ने कहा कि लोक अदालत का उद्देश्य ही यह है कि सामान्य नागरिकों को सरल, सुलभ और त्वरित न्याय मिले। यह मामला भी न्याय की सच्ची सेवा का उदाहरण है। उन्होंने आगे भी ऐसे जरूरतमंदों की मदद करने के लिए सदैव तत्पर रहने की बात कही।

विधायक ने किया ग्राम झुगरिया में विकास कार्यों का भूमि पूजन व लोकार्पण

हरदा, देशबनधु। हरदा विधायक डॉ. रामकिशोर दोगने ने बुधवार को अपने क्षेत्रीय भ्रमण के दौरान ग्राम झुगरिया पहुंचकर ग्रामीणजनों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी और तत्काल संबंधित विभागीय अधिकारियों से दूरभाष पर चर्चा कर ग्रामिणजनों की समस्याओं का निराकरण करने हेतु निर्देशित किया। विधायक डॉ. दोगने ने ग्रामीणजनों की मांग पर शासकीय प्राथमिक शाला झुगरिया के मेन गेट से शाला भवन की ओर सी.सी. रोड निर्माण कार्य हेतु विधायक निधि से 7 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई थी। उक्त कार्य का भूमि पूजन हरदा विधायक डॉ. दोगने ने कांग्रेसजनों के साथ मिलकर किया । उक्त सड़क मार्ग निर्माण कार्य के पूर्ण होने के उपरांत स्कूली बच्चों को स्कूल आने-जाने में सुविधा होगी साथ ही विधायक ने जनपद निधि की 1 लाख 47 हजार रूपये की राशि से शासकीस प्राथमिक शाला झुगरिया प्रांगण मे नवनिर्मित बाउंड्रीवाल निर्माण कार्य का लोकार्पण किया । ग्राम को मिली उक्त सौगातों के लिए ग्रामवासियों एवं शास. प्राथमिक शाला झुगरिया के स्टाफ ने हरदा विधायक डॉ. दोगने का शॉल-श्रीफल भेंट कर पुष्प मालाओं से स्वागत कर आभार व्यक्त किया । इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता रामदीन पटेल, विधायक प्रतिनिधि राहुल पटेल, राजेश पटेल गोयत, ग्राम सरपंच राहुल पटेल भमोरी, प्रधान पाठक राजेश दुबे सहित ग्रामवासी उपस्थित थे।

पुरानी रंजिश में 3 रेलवे वेंडरों पर हमला, एक को लगी गोली

भोपाल, देशबन्धु। रेलवे वेंडरों के बीच लंबे समय से चल रही आपसी रंजिश सोमवार देर रात हिंसा में बदल गई। दरअसल, बजरिया थाना क्षेत्र स्थित रेलवे अस्पताल के पास बीना से आए दो युवकों ने मोटरसाइकिल से जा रहे तीन वेंडरों पर पहले चाकू से हमला किया, फिर कट्टे से गोली चला दी। गोली एक युवक की टांग में घुटने के ऊपर जा लगी, जबकि दूसरे युवक को चाकू से घायल कर दिया गया। गोली चलने की आवाज से क्षेत्र में सनसनी फैल गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मनीष बुंदेला उम्र 21 वर्ष रेलवे कॉलोनी का रहने वाला है और रेलवे में वेंडर का काम करता है। उसके साथी राहुल और सलमान भी रेलवे वेंडर हैं। तीनों सोमवार रात ट्रेन में काम निपटाने के बाद मोटरसाइकिल से घर लौट रहे थे। तभी रेलवे अस्पताल के पास बीना निवासी राहुल सोनी और उसके साथी ने उनकी गड़ी रोक ली। जैसे ही गड़ी रुकी, आरोपियों ने उन पर हमला कर दिया। इस दौरान आरोपियों ने राहुल को चाकू मार दिया, जबकि सलमान पर कट्टे से गोली दाग दी। गोली सलमान के पैर में घुटने के ऊपर लगी। गोली चलने की आवाज से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। वही वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए पंहुचाया और आरोपियों की तलाश की, लेकिन उनका पता नही चला।

प्राकृतिक तरीके से पके हुए आमों की खुशबू से महका नाबार्ड परिसर

नूरजहां आम बना आकर्षण

भोपाल, देशबन्धु। राजधानी भोपाल के बिट्टन मार्केट स्थित नाबार्ड क्षेत्रीय कार्यालय परिसर में आज से राज्य स्तरीय आम महोत्सव का आगाज हो गया है। यह आयोजन 14 जून तक चलेगा। इस दौरान मध्यप्रदेश के आदिवासी जिलों से लाए गए प्राकृतिक और रसायनमुक्त आमों की 15 से अधिक किस्में बिक्री के लिए उपलब्ध रहेंगी। खास बात यह है कि यह सभी आम प्राकृतिक और रसायनमुक्त तरीके से पके हैं।

इस साल महोत्सव में नूरजहां आम बिक्री के लिए रखा गया है। अब तक यह आम केवल प्रदर्शनी का हिस्सा रहा है। आलीराजपुर जिले के कट्ठीवाड़ा क्षेत्र में केवल 10 पेड़ों पर उगने वाला यह आम डेढ़ किलो से ज्यादा भारी होता है और इसकी कीमत 2 हजार रुपए प्रति किलो है। इसकी खेती चुनौतीपूर्ण है, क्योंकि हल्की हवा में भी इसका भारी फल गिर सकता है। वहीं महोत्सव में मध्यप्रदेश के आदिवासी जिलों से लाए गए सुंदरजा, मल्लिका, आम्रपाली, मालदा, केसर, दशहरी, लंगड़ा, चौसा, तोतापरी, नारंगी, सिंदूरी, राजापुरी आदि किस्मो जे 30 टन से अधिक आम प्रदर्शित और बिक्री के लिए रखे गए हैं।

बीएमएचआरसी के चिकित्सकों ने किया कमाल

किडनी से 10 गुना बड़े कैंसर के ट्यूमर को निकाला

बचाई मरीज की जान

भोपाल, देशबन्धु। भोपाल मेमोरियल हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर (बीएमएचआरसी) में चिकित्सकों ने एक अत्यंत जटिल और दुर्लभ ऑपरेशन को सफलतापूर्वक अंजाम देकर किडनी से 10 गुना बड़े कैंसर के ट्यूमर को बाहर निकालकर मरीज की जान बचा ली।

दरअसल, एक 58 साल के गैस पीड़ित मरीज बीते एक वर्ष से अपने शरीर में किडनी से दस गुना बड़ा ट्यूमर लेकर जीवन जी रहे थे। हालांकि उनको इसका बिल्कुल भी आभास नहीं था। बड़े ट्यूमर की वजह से उनका पेट बाईं ओर से फूल गया था। पेट में कभी-कभी दर्द होता था, जो दवा खाने से ठीक हो जाता था। जब, एक महीने पहले उनको पेशाब से खून आना शुरू हुआ, तो उन्होंने भोपाल मेमोरियल अस्पताल में परामर्श लिया। जांच में ट्यूमर की पुष्टि हुई। हालांकि विभिन्न कारणों से ऑपरेशन करना काफी जोखिमभरा हो गया था, लेकिन बीमारी की गंभीरता देखते हुए बीएमएचआरसी के कैंसर सर्जरी विभाग के चिकित्सकों ने सफलतापूर्वक ऑपरेशन ट्यूमर को बाहर निकाला। ऑपरेशन करने वाले चिकित्सकों का कहना है कि उन्होंने अपने पूरे कार्यकाल में कभी भी इतना बड़ा ट्यूमर नहीं देखा। मरीज की हालत में अब काफी सुधार है और बुधवार को उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी जाएगी।

बीएमएचआरसी के कैंसर सर्जरी विभाग में सहायक प्रोफेसर डॉ सोनवीर गौतम ने बताया कि आमतौर पर सामान्य किडनी का आकार 9म3 सेंटीमीटर होता है, लेकिन ट्यूमर की वजह से किडनी 22म18 सेंटीमीटर की हो गई थी। इतना ही नहीं यह ट्यूमर हृदय से शरीर के अन्य हिस्सों में रक्त का संचार करने वाली महाधमनी एओर्टा और अन्य नसों से चिपक गया था, जिसकी वजह से ऑपरेशन के दौरान नस के फटने और अधिक रक्तस्त्राव का खतरा बना हुआ था। कैंसर पेट में मौजूद लिम्फ नोड्स में भी फैल गया था। लिहाजा ऑपरेशन के दौरान ट्यूमर के साथ इन लिम्फ नोड्स को भी निकाल दिया, जिससे भविष्य में कैंसर के दोबारा होने की आशंका भी खत्म हो गई है। निश्चेतना विभाग में प्रोफेसर डॉ सारिका कटियार ने बताया कि मरीज को अस्पताल में भर्ती रहने के दौरान दिल का दौरा भी आया था, जिसका इलाज भी किया गया।

तंबाकू और बीड़ी बनी बीमारी की वजह, छोड़ने का संकल्प लिया

चिकित्सकों के अनुसार, मरीज को लंबे समय से तंबाकू खानेऔर बीड़ी पीने की आदत थी, जिसे इस गंभीर कैंसर का मुख्य कारण माना जा रहा है। हालांकि ऑपरेशन के बाद मरीज ने संकल्प लिया है कि वे अब भविष्य में कभी भी बीड़ी सिगरेट को हाथ भी नहीं लगाएंगे। साथ ही अन्य लोगों को भी धूम्रपान छोड़ने के लिए प्रेरित करेंगे।

असामान्य लक्षणों को नजरअंदाज न करें- डॉ. मनीषा

बीएमएचआरसी की प्रभारी निदेशक डॉ. मनीषा श्रीवास्तव ने कहा कि यह मामला लोगों के लिए एक चेतावनी है। किसी भी असामान्य लक्षण को नजरअंदाज न करें, समय पर जांच और इलाज से जान बचाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि अस्पताल की पूरी टीम मरीजों की सेवा में पूरी निष्ठा से जुटी है, ताकि उन्हें किसी भी तरह की परेशानी न हो।

कलेक्टर ने झाडपा, कायागांव, खेड़ा व भादूगांव का दौरा किया

हरदा , देशबन्धु। कलेक्टर सिद्धार्थ जैन ने बुधवार को हरदा विकासखंड के ग्राम झाडपा नवीन, कायागांव, खेडा व भादूगांव का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने झाडपा नवीन गांव मे आंगनवाडी केंद्र का निरीक्षण कर बच्चों के टीकाकरण एवं पोषण आहार वितरण की जानकारी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता से ली। उन्होंने ग्राम झाड़पा में उचित मूल्य दुकान का भी निरीक्षण कर खाद्यान्न की तुलाई मशीन चेक की और सेल्समैन से खाद्यान्न वितरण के संबंध में पूछताछ की। कलेक्टर ने ग्राम कायागांव के स्कूल का निरीक्षण किया इस दौरान शिक्षकों एवं ग्रामीणों ने गांव में विद्युत कटौती की समस्या बताई जिस पर उन्होंने विद्युत वितरण कंपनी के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर श्री जैन ने कायागांव से साल्याखेड़ी रोड मरम्मत करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने भादूगांव मे स्कूल का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने ग्राम खेड़ा में उचित मूल्य की दुकान के निरीक्षण के दौरान सेल्समैन से खाद्यान्न, शक्कर व नमक के उपलब्ध स्टॉक और वितरण के संबंध में पूछताछ की। उन्होंने खाद्यान्न तुलाई मशीन को चेक किया।

इंडियन बैंक Indian Bank इलाहाबाद ALLAHABAD

अंचल कार्यालय, सिविल लाइन्स, जबलपुर (म.प्र.)– 482001
Ph: 0761-2624977, Email: zojabalpur@indianbank.co.in

परिशिष्ट IV-A{(नियम–8(6)} अचल सम्पत्तियों की बिक्री के लिये बिक्री सूचना

प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8 (6) एवं 6(2) के साथ पठित वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन और प्रतिभूतिहित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के तहत अचल संपत्तियों की बिक्री के लिए ई– नीलामी बिक्री सूचना। यह नोटिस आम जनता एवं उधारकर्ता (ओं))/गारंटीकर्ता (ओं) के लिए नीचे वर्णित अचल संपत्ति जो कि सुरक्षित लेनदार को गिरवी/ चार्ज की गई है, जिसका कब्जा इंडियन बैंक शाखा द्वारा ले लिया गया है, सुरक्षित लेनदार द्वारा राशियों और देय ब्याज की वसूली के लिए ''जैसा है जहाँ है'' और ''जो कुछ भी है '' के आधार पर आम जनता से निविदा का आमंत्रण कर ई– नीलामी द्वारा विक्रय करने का निर्णय लिया गया है। ई– नीलामी मोड के माध्यम से बिक्री के लिए लाई जाने वाली संपत्ति का विशिष्ट विवरण नीचे दिया गया है।

ई– नीलामी की तिथि एवं समय
14/07/2025, 11.00 AM TO 4.00 PM

क्र.	शाखा का नाम खाते का नाम ऋणी का नाम/प्रोप./निदेशक/पार्टनर गारंटर/ गिरवी रखने वाला	ई– नीलामी हेतु संपत्ति का विस्तृत विवरण	बकाया राशि सम्पत्ति पर अन्य ऋण भार कब्जे का प्रकार	आरक्षित मूल्य ई.एम.डी. राशि बिड बढ़ाने राशि
1	रैसलपुर शाखा ऋणी: 1. पिंकी मर्सकोले पत्नि श्याम लाल मर्सकोले एवं श्याम लाल मर्सकोले पिता भैयालाल मर्सकोले, प्लाट नं. 33, डायवर्टेड मौजा डोंगरी, वार्ड नं. 18 नया नं. 14, लोकप्रिय रूप से सांई ईडन पार्क फेस– II, पी.सी.नं. 17, तहसील– नर्मदापुरम, जिला– नर्मदापुरम (म.प्र.) Contact Person: Siddhant Shukla (BM), Mob.: 9993607960	सम्पत्ति के सभी भू–भाग एवं उससे जुड़े प्लाट नं. 33, डायवर्टेड भूमि खसरा नं. 81/1, 81/5 एवं 81/6 कुल एरिया– 2.143 हेक्टे. में से एरिया– 903 वर्गफुट, मौजा– डोंगरी, वार्ड नं. 18, नया नं. 14, लोकप्रिय रूप से ''साई ईडन पार्क फेस– II'', पी.सी. नं. 17, तहसील– नर्मदापुरम, जिला– नर्मदापुरम (म.प्र.) । चतुर्सीमाः पूर्व– कॉलोनी की बाऊँड्री वाल, पश्चिम– कॉलोनी रोड, उत्तर– प्लाट नं. 32, दक्षिण– प्लाट नं. 34 Property ID- IDIB30509707327	Rs. 23,38,475/- (as on 13.01.2025) + Interest & Other expenses ज्ञात नहीं सांकेतिक कब्जा	Rs. 19,00,000/- Rs. 1,90,000/- Rs. 10,000/-
2	रायपुर होशंगाबाद शाखा ऋणी: मृतक श्री मुश्ताक खान पुत्र जरदार खान की सम्पत्ति को, जिसका प्रतिनिधित्व कानूनी उत्तराधिकारियों द्वारा किया जाता है अर्थात कसीदा बानो पत्नि श्री मुश्ताक खान (सह–ऋणी)– श्रीमति कसीदा बानो पत्नि श्री मुश्ताक खान, वार्ड नं. 07, बालागंज, सैय्याद मार्ग स्कूल के पास, होशंगाबाद (म.प्र.)– 461001 Contact Person: Anjana Minj (BM), Mob.: 9146370206	एक आवासीय प्लाट नं. 10, 11, 12, 14 एरिया– 3375 वर्गफुट एवं प्लाट नं. 9 एरिया 225 वर्गफुट कुल एरिया– 3600 वर्गफुट, खसरा नं. 77/2, प.ह.नं. 16, वार्ड नं. 32, मौजा– खोजानपुर, तहसील एवं जिला– होशंगाबाद । चतुर्सीमाः उत्तर– बचा हुआ प्लाट नं. 9, दक्षिण– अन्य का खुला प्लाट, पूर्व– कॉलोनी रोड, पश्चिम– एसपीएम रेल्वे लाईन। Property ID- IDIB3262891836	Rs. 975449/- (as on 08.10.2024) + Interest & Other expenses ज्ञात नहीं सांकेतिक कब्जा	Rs. 31.00 Lakhs Rs. 3.10 Lakhs Rs. 10,000/-

बोलीदाता को सलाह दी जाती है कि वे हमारे ई– नीलामी सेवा प्रदाता पीएसबी एलायंस प्राइवेट लिमिटेड की वेबसाइट (https://baanknet.com) पर जाएं। लिमिटेड ऑनलाइन बोली में भाग लेने के लिए। तकनीकी सहायता के लिए कृपया 8291220220 पर कॉल करें । पंजीकरण स्थिति और ईएमडी स्थिति के लिए कृपया support.baanknet@psballiance.com पर ईमेल करें ।
संपत्ति के विवरण और संपत्ति की तस्वीर और नीलामी के नियमों और शर्तों के लिए कृपया देखें https://baanknet.com और इस पोर्टल से संबंधित स्पष्टीकरण के लिए, कृपया पीएसबी एलायंस प्राइवेट लिमिटेड, संपर्क नंबर 8291220220 से संपर्क करें । बोलीदाताओं को सलाह दी जाती है कि वे https://baanknet.com वाली वेबसाइट पर संपत्ति खोजते समय ऊपर उल्लिखित संपत्ति आईडी नंबर का उपयोग करें।

दिनांक: 12/06/2025 प्राधिकृत अधिकारी, इंडियन बैंक

देशबन्धु

नर्मदापुरम, गुरूवार 12 जून 2025

संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

आपदा में एक और अवसर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को अपने आवास पर भारत के आउटरीच कार्यक्रम के लिए कई देशों की यात्रा करने वाले प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों से मुलाकात की। फिलहाल यह कहा नहीं जा सकता कि प्रधानमंत्री के साथ प्रतिनिधिमंडलों की यह मुलाकात अनौपचारिक थी या औपचारिक। क्योंकि कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने खुद कहा है कि यह बिल्कुल औपचारिक मुलाकात नहीं थी। हम लोगों ने जो रिपोर्ट प्रधानमंत्री को दी, वो उन्होंने प्रस्तुत भी नहीं की। गौर करने वाली बात यह है कि शशि थरूर ने यह जिक्र खेद के साथ नहीं बल्कि प्रसन्नता के साथ किया। प्रधानमंत्री के आवास पर हुए इस मेलजोल कार्यक्रम का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें श्री मोदी के बगल में शशि थरूर दिखाई दे रहे हैं, कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी भी प्रधानमंत्री से बातचीत करते दिख रहे हैं, वहीं, आनंद शर्मा और सलमान खुर्शीद के साथ श्री मोदी मुस्कुराते हुए मिलते नजर आ रहे हैं। पूर्व कांग्रेस नेता गुलाम नबी आजाद के साथ तो ठहाके लगाते तस्वीरें आई हैं। चंद कांग्रेस नेताओं से इस अंदाज में प्रधानमंत्री मोदी क्यों मिल रहे हैं, यह सवाल अब उठने लगे हैं। हो सकता है कि उनकी अन्य दलों के नेताओं से भी इसी तरह हंसी-खुशी भेंटवार्ता हुई हो, लेकिन उनके वीडियो-तस्वीरें इतने वायरल क्यों नहीं किए गए, ये भी सोचने वाली बात है। वैसे सबसे अधिक विचारणीय पहलू तो यह है कि देश के मुखिया को इतने सांसदों के साथ हंसी-ठहाके लगाते, खाते-पीते देखकर पहलगाम पीड़ितों के दिलों पर क्या बीत रही होगी। वे तो अब तक इस इंतजार में थे कि आतंकवादियों को धरती के आखिरी छोर तक जाकर पकड़ कर लाने का ऐलान करने वाले श्री मोदी अपने वादे को पूरा करेंगे। लेकिन डेढ़ महीने बाद पीड़ितों के जख्म तो हरे ही हैं, और ऐसे में सरकारी हंसी-ठट्टा उनके जख्मों पर नमक के समान लग रहा होगा।

पाठक जानते हैं कि 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद 6-7 मई की आधी रात में भारत ने ऑपरेशन सिंदूर प्रारंभ किया था, जो 10 मई को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा युद्ध विराम की सूचना के बाद समाप्त कर दिया गया। हालांकि प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री यह कह चुके हैं कि ऑपरेशन सिंदूर अभी बंद नहीं हुआ है, लेकिन इसके तहत आगे और क्या कार्रवाई हुई, इसकी कोई जानकारी सामने नहीं आई है। राष्ट्रपति ट्रंप की तरफ से युद्धविराम की सूचना पहले कैसे आई, क्या अमेरिका ने वाकई भारत और पाकिस्तान के संबंधों में दखलंदाजी की है। क्या यह शिमला समझौते का उल्लंघन नहीं है, जिसमें यह करार हुआ था कि दोनों देशों के बीच किसी भी मामले में तीसरे पक्ष को नहीं आने दिया जाएगा। अगर पाकिस्तान ने इसका उल्लंघन किया तो क्या भारत भी उसी रास्ते पर चल रहा है। क्या नरेन्द्र मोदी ने अपने पूर्ववर्ती शासकों की बनाई विदेश नीति का त्याग कर कोई नयी विदेश नीति बनाई है, ऐसे कई सवाल हैं, जिनके जवाब की अपेक्षा सरकार से थी। लेकिन प्रधानमंत्री या विदेश मंत्री ने इस बारे में कुछ नहीं कहा। बल्कि देश को बताया गया कि अब सात प्रतिनिधिमंडल अलग-अलग देशों में जाकर आतंकवाद के खिलाफ भारत के रुख की जानकारी देंगे। ऑपरेशन सिंदूर क्यों करना पड़ा, किस तरह पाकिस्तान की जमीन पर आतंकवादियों को पनाह दी जाती है, इस बारे में दुनिया को आगाह करेंगे। खास बात यह रही कि इन प्रतिनिधिमंडलों में सभी दलों के लोग शामिल थे।

सात प्रतिनिधिमंडलों में नेतृत्व की कमान रविशंकर प्रसाद, बैजयंत पांडा, संजय कुमार झा, कनिमोझी करुणानिधि, सुप्रिया सुले, शशि थरूर और श्रीकांत एकनाथ शिंदे को सौंपी गई। इनके नेतृत्व में 51 नेताओं और 8 राजदूतों ने 33 देशों में जाकर भारत सरकार का पक्ष रखा। एकबारगी देखने पर यह पहल ठीक लगी कि नरेन्द्र मोदी ने पार्टी लाइन से ऊपर उठकर सभी दलों को साथ लेने, बल्कि नेतृत्व करने का अवसर भी दिया। लेकिन गहराई से सोचें तो इसके जरिए श्री मोदी ने एक बड़ा खेल करने की कोशिश की। प्रतिनिधिमंडल को भेजकर वे खुद देश को जवाब देने से बचते रहे। उधर कांग्रेस के ऐसे सांसदों को प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा बनाया गया जो आसानी से भाजपा के दबाव में आ सकते हैं। इसके प्रमाण भी सामने आ गए। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे भी प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थे और वे लगभग हर दिन जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी को लेकर झूठी बातें प्रसारित करते रहे। गलत दस्तावेजों को ऐतिहासिक तथ्य बताकर पोस्ट करते रहे, यहां तक कि मंगलवार रात जब प्रधानमंत्री आवास पर सारे लोग मौजूद थे, उस समय भी निशिकांत दुबे ने एक पोस्ट में विदेश नीति का कबाड़ा करने के लिए कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया। श्री मोदी के भेजे गए कांग्रेस सांसदों में से एक ने भी इसका प्रतिकार नहीं किया, श्री दुबे की आलोचना नहीं की, प्रधानमंत्री के सामने आपत्ति नहीं जताई कि एक तरफ आप सारे दलों को साथ होने की बात कर रहे हैं और आपके सांसद इस तरह गलतबयानी कर रहे हैं। सवाल ये है कि क्या श्री मोदी अब कांग्रेस में फूट डलवाने की कोशिश में हैं। पिछले 11 सालों की उनकी उपलब्धियों में एक खास बात तो यह भी है कि उन्होंने कई कांग्रेस दिग्गजों को भाजपा में शामिल करवा लिया है।

अब मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी को सोचना होगा कि लंगड़े और बारात के घोड़ों को वे कैसे अलग करें।

रहा सवाल आउटरीच कार्यक्रम का, तो उसकी सार्थकता तब होती जब पाकिस्तान विश्व में अलग-थलग दिखाई देता। फिलहाल ऐसा कुछ नजर नहीं आ रहा है। श्री मोदी की विदेश नीति की विफलता तो तभी दिख गई जब उन्हें ऐसे प्रतिनिधिमंडल विदेश भेजने पड़े, अगर उनके नेतृत्व की दुनिया कायल होती तो अमेरिका समेत तमाम देश भारत और पाकिस्तान को एक ही पलड़े पर नहीं रखते। अब भी अमेरिकी राष्ट्रपति पाक के नेतृत्व को मजबूत बता रहे हैं और यह तब हुआ जब शशि थरूर के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल अमेरिका में ही था। श्री मोदी को दुनिया को संदेश देना था तो संसद का सत्र बुलाते, जितना खर्च अभी हुआ है, उससे एक चौथाई में ही मकसद पूरा हो जाता। जो बचत होती उसका उपयोग आतंकवाद से मिले जख्मों पर मलहम लगाने में किया जा सकता था। लेकिन ऐसा लग रहा है कि मोदी सरकार को अपने स्वार्थ पूरे करने के लिए आपदा में एक और अवसर मिल गया है।

सोनम के बहाने स्त्री अधिकारों को कुचलने की कोशिश

दुनियादारी

■ सर्वमित्रा सुरजन

इंदौर के हनीमून केस पर सोशल मीडिया में एक भयावह टिप्पणी पढ़ने मिली। लिखा था कि औरत को आजादी देने का अंजाम देख लिया। अब समझ में आया कि पहले औरतों पर अंकुश लगाकर क्यों रखा जाता था।

दरअसल यह उसी मनुवादी सोच से निकला विचार है जिसमें औरत को पहले पिता, फिर पति और बाद में बेटे के आश्रित रखा जाता है। महिला का अपना स्वतंत्र अस्तित्व न हो, यह बात पुरुष सत्तात्मक समाज के लिए एकदम उपयुक्त रहती है। क्योंकि जहां स्वतंत्रता रहेगी, वहां अपनी जिम्मेदारी खुद लेने का जज्बा भी दिखाया जाएगा, साथ ही अपने लिए अधिकार भी मांगे जाएंगे। यह सारी बातें अधिकतर पुरुषों के लिए दुस्वप्न है कि उनके सामने महिला इस तरह की बराबरी दिखाए। समाज में इसी बात को सामान्य मान लिया गया है कि पुरुष स्त्री का सम्मान तो करे, लेकिन अपने से निचले पायदान पर रखकर। अगर स्त्री को बराबरी पर रखा जाएगा तो फिर वह और आगे निकलने की ख्वाहिश रखेगी, ये डर पितृसत्तात्मक समाज की संरचना में गूंथ दिया गया है। यही डर हनीमून केस में बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया जा रहा है।

इंदौर के नवविवाहित जोड़े राजा और सोनम रघुवंशी का मामला पिछले कुछ दिनों से लगातार सुर्खियों में है। पहले इस जोड़े के मेघालय में लापता होने की खबर मिली। पुलिस ने जांच की तो एक घाटी में राजा का शव मिला, जबकि सोनम की कोई खबर नहीं थी। लेकिन फिर अचानक सोनम उत्तर प्रदेश के गाजीपुर के एक ढाबे में आधी रात को पहुंची और फिर वहीं से फोन पर अपने परिजनों से बात की। पुलिस ने सोनम को हिरासत में लिया, क्योंकि उसे शक था कि सोनम ने ही राजा की हत्या करवाई है। मेघालय पुलिस ने पूरी जांच की और इस निष्कर्ष पर पहुंची कि यह प्रेम त्रिकोण का मामला था। ऐसा नहीं है कि इस देश में प्रेम त्रिकोण के मामले पहले हुए ही नहीं, या उनमें हत्या जैसा अतिरेक भरा कदम नहीं उठाया गया हो। लेकिन अक्सर इनमें स्त्री पीड़ित रहती थी, उसे मारा जाता था, तो इसमें समाज को कुछ असामान्य नहीं लगा। अब बीते कुछ समय से लगातार ऐसी खबरें आ रही हैं कि पत्नी ने पति की हत्या करवाई है, जिन्हें समाज अब अपने लिए बड़ी चेतावनी की तरह देख रहा है। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो के डेटा और विभिन्न राज्य क्राइम रिपोर्ट्स के अनुसार, पिछले पांच सालों में उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और बिहार जैसे पांच राज्यों में कुल 785 ऐसी घटनाएं दर्ज की गई हैं, जहां पत्नियों ने अपने पतियों की हत्या की या हत्या करवाई है। हालांकि कितने पतियों ने इसी तरह अपनी पत्नियों का कत्ल किया या करवाया होगा, इसके आंकड़े नहीं हैं। दहेज हत्याओं के आंकड़े जरूर दर्ज किए जाते हैं। वर्ष 2017 से 2021 के बीच ही देशभर में 35,493 महिलाओं की मौत दहेज हत्या के कारण हुई, यानी हर दिन कम से कम 20 वधुएं मारी गई हैं। दहेज हत्या में उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल और राजस्थान देश में अग्रणी रहे हैं।

कायदे से जितनी चिंता 785 मौतों पर की जा रही है, उतनी ही 35 हजार मौतों पर भी होनी चाहिए। लेकिन समाज यहां भी भेदभाव का नजरिया रखता है। मरने वाली स्त्रियां हैं, तो यह दुखद है, सामाजिक समस्या भी है, लेकिन चेतावनी की बात नहीं है। लेकिन मरने वाले पुरुष हैं तो फिर सारा सामाजिक विमर्श ही बदल जाता है। असल में वैवाहिक संबंध की यह परिणति पूरे समाज के लिए चिंता की बात होनी चाहिए। समाजशास्त्रियों को अब विवाह संस्था पर नए सिरे से अध्ययन की जरूरत है कि आखिर इसमें कहां चूक हो रही है कि एक पक्ष इस सीमा तक पहुंच जाए कि अपने जीवनसाथी की हत्या कर दे।

इंदौर के नवविवाहित जोड़े राजा और सोनम रघुवंशी का मामला पिछले कुछ दिनों से लगातार सुर्खियों में है। पहले इस जोड़े के मेघालय में लापता होने की खबर मिली। पुलिस ने जांच की तो एक घाटी में राजा का शव मिला, जबकि सोनम की कोई खबर नहीं थी। लेकिन फिर अचानक सोनम उत्तर प्रदेश के गाजीपुर के एक ढाबे में आधी रात को पहुंची और फिर वहीं से फोन पर अपने परिजनों से बात की। पुलिस ने सोनम को हिरासत में लिया, क्योंकि उसे शक था कि सोनम ने ही राजा की हत्या करवाई है। मेघालय पुलिस ने पूरी जांच की और इस निष्कर्ष पर पहुंची कि यह प्रेम त्रिकोण का मामला था।

सोनम रघुवंशी पर आरोप अभी सिद्ध नहीं हुआ है, इससे पहले कुछ प्रकरण ऐसे सामने आए हैं, जिनमें महिलाओं ने अपने पुरुष साथी के साथ मिलकर पति की हत्या कर दी। जाहिर है ये जघन्य अपराध है और उसे इसी नजरिए से देखा जाना चाहिए। हत्या की जो सजा पुरुष के लिए होती है, वही स्त्री के लिए भी होती है। मगर जिन मामलों में महिलाएं दोषी होती हैं, उसके लिए पूरे स्त्री समाज को जिम्मेदार ठहराना क्या उचित है। लेकिन ऐसा लगता है मानो स्त्रियों को फिर से बंधन में डालने के लिए मौकों को तलाशा जा रहा है। हनीमून केस या नीले ड्रम में पति की लाश जैसे प्रकरण इन मौकों को बना रहे हैं। यहां गौर करने वाला एक पहलू यह है कि जो इंसान पेशेवर अपराधी नहीं होते, वे किस तरह इतने भयावह योजनाबद्ध तरीकों से ऐसी हत्याओं को अंजाम देते हैं, इसके पीछे कौन से मनोवैज्ञानिक और सामाजिक कारण हैं, इनकी भी पड़ताल होनी चाहिए। लेकिन अफसोस है कि इन घटनाओं को केवल स्त्री बनाम पुरुष के खांचे में फिट कर देखा जाता है।

सोनम रघुवंशी मामले में मीडिया की भूमिका पर भी विचार होना चाहिए। पहले अपराध कथाएं मनोहर कहानियों जैसी पत्रिकाओं में प्रकाशित होती थीं और घरों पर अमूमन उन्हें बच्चों से दूर रखा जाता था कि ऐसी बातों का बुरा असर उनके नाजुक मन पर पड़ता है। लेकिन अब मुख्यधारा और सोशल दोनों तरह के मीडिया में यही प्रकरण छाया हुआ है। मुख्यधारा के मीडिया में अपराध की खबरों के लिए अलग बुलेटिन होता है, लेकिन जब देश-समाज के अन्य जरूरी मुद्दों से ध्यान भटकाना हो तो ऐसी खबरें चटखारों के साथ प्रस्तुत करना फायदेमंद होता है। मीडिया के माइक्स शिलांग के जिस गेस्ट हाउस में सोनम-राजा रघुवंशी ठहरे थे, वहां से लेकर सोनम के कथित मित्र राज कुशवाहा के घर तक ठूंसे जा चुके हैं। एक वीडियो आया है जिसमें राज कुशवाहा की मां अपील कर रही है कि पत्रकार उनके घर के भीतर इस तरह न आएं, लेकिन टीआरपी के गिद्धों की दृष्टि अपने शिकार पर लगी हुई है। इसी मीडिया ने सोनम को पुलिस के कहने के पहले ही अपराधी साबित करने में भी कोई कसर नहीं छोड़ी थी। जब राजा रघुवंशी की मां कह रही थी कि जांच पूरी होने दी जाए, हमें नहीं लगता कि सोनम ने ऐसा कुछ किया होगा, तब भी मीडिया सोनम को अपराधी बना चुका था। मीडिया ट्रायल का यह सिलसिला देश में लगातार जारी है और इस पर कोई अंकुश नहीं लग रहा यह चिंता की बात है।

उधर सोशल मीडिया पर चटखारों के साथ इस प्रकरण पर रील्स, मीम्स न जाने क्या-क्या परोसा जा रहा है। कोई सलमान खान का उदाहरण दे रहा है कि इसलिए भाई अकेले रहते हैं, कोई हम दिल दे चुके सनम के दृश्य दिखा रहा है। एक गंभीर घटना पर ऐसा ओछा रवैया दिखा रहा है कि समाज से संवेदनशीलता कितनी तेजी से खत्म होती जा रही है। खुद राजा रघुवंशी की बहन, जो कि सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर कही जाती है, उसने राजा की शादी की तैयारियों के कई वीडियो और रील्स पोस्ट किए, साथ ही उसके साथ पार्श्व में संगीत देकर अपने दिवंगत भाई को याद किया। एक बहन ने अपने भाई को असमय खोया है, यह बड़ा दुख है, लेकिन क्या इस मौके पर भी सोशल मीडिया को जरिया बनाकर भावानएं प्रकट की जानी चाहिए, यह सोचने वाली बात है। तमाम सोशल मीडिया प्लेटफार्म्स स्त्री स्वतंत्रता को लेकर की गई भद्दी टिप्पणियों से भरे हुए हैं, जिन्हें देखकर चिंता होती है कि स्त्री अधिकारों के लिए जो अथक संघर्ष किया गया है, कहीं इन घटनाओं की आड़ लेकर उसे खारिज न किया जाए।

आखिरी बात, सोनम से मिलकर लौटे उसके भाई गोविंद ने राजा की मां से गले लगकर दुख प्रकट किया और पूरे परिवार से माफी मांगते हुए कहा कि उनकी बहन ने गलत किया है, मगर मैं अब से आपके परिवार का हिस्सा हूं। राजा की मां ने भी कहा है कि इसमें गोविंद की कोई गलती नहीं है। अमूमन ऐसे प्रकरण के बाद दो परिवारों में आजीवन कड़वाहट कायम हो जाती है। यहां आगे क्या होगा, यह कहा नहीं जा सकता। मगर इस समय जो बड़प्पन, माफी मांगना और माफ करने की उदारता दिखाई गई है, वह समाज में आगे अच्छा होने की उम्मीद बंधाती है।

प्रधानमंत्री का निर्देश और रियल एस्टेट में पारदर्शिता की आवश्यकता

■ अरुण कुमार डनायक

प्रधानमंत्री मोदी जी ने हाल ही में हुई 'प्रगति' (प्रो-एक्टिव गवर्नेंस एंड टाईमली इम्प्लीमेनटेशन) बैठक में भू-संपदा (विनियमन और विकास) अधिनियम (रेरा) के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर देते हुए कहा कि अधिनियम का सख्त अनुपालन परियोजनाओं की गुणवत्ता, समय पर डिलीवरी और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है। उन्होंने सभी राज्य सरकारों से आग्रह किया कि वे रेरा के तहत सभी रियल एस्टेट परियोजनाओं का अनिवार्य पंजीकरण करें और उपभोक्ता शिकायतों का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करें।

भारत में घर केवल एक संपत्ति नहीं, बल्कि सुरक्षा, सम्मान और स्थायित्व का प्रतीक होता है—हर मध्यमवर्गीय परिवार का सबसे बड़ा सपना। लेकिन आज यह सपना रियल एस्टेट की उलझनों में फंसा हुआ है। अधूरी परियोजनाएं, कब्जे में देरी और लगातार बढ़ती शिकायतें लाखों गृह-क्रेताओं की नियति बन चुकी हैं। समय पर निर्माण न होने से न सिर्फ लागत बढ़ती है, बल्कि उपभोक्ता दोहरी मार झेलते हैं—किराए और होम लोन की। 'प्रगति' जैसे उच्च-स्तरीय ई-गवर्नेंस मंच पर इस मुद्दे का उभरना रियल एस्टेट क्षेत्र में व्याप्त गंभीर समस्याओं को रेखांकित करता है।

यदि 'घर' को 'भरोसे' से जोड़ना है, तो कानून, प्रशासन और निजी क्षेत्र को मिलकर उपभोक्ताओं के अधिकारों की रक्षा करनी होगी — यही विश्वास इस क्षेत्र की असली बुनियाद बनेगा। उपभोक्ताओं का विश्वास और बिल्डरों की ईमानदारी साथ मिलकर ही एक जवाबदेह और न्यायपूर्ण आवास व्यवस्था की नींव रखी जा सकती है। रेरा को बिल्डरों के खिलाफ कठोर कदम, जैसे दंडात्मक कार्रवाई, जुर्माना, बैंक खातों पर रोक, या पंजीयन रद्द करना, अंतिम उपाय के रूप में अपनाना चाहिए। इसके बजाय, पहले चरण में सुधारात्मक और नियामक उपायों पर ध्यान देना अधिक प्रभावी होगा।

2016 में लागू रेरा का उद्देश्य रियल एस्टेट क्षेत्र में पारदर्शिता, बिल्डरों की जवाबदेही और उपभोक्ता अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करना है। परंतु व्यवहार में रेरा अनेक चुनौतियों से घिरा है—सीमित अधिकार, जटिल अपील प्रक्रियाएं, सेवानिवृत नौकरशाहों की नियुक्ति, पेशेवर हितसाधकों एवं व्यवसाय विशेषज्ञों की कमी और राजनीतिक हस्तक्षेप इसके प्रभाव को कमजोर करते हैं।

बिल्डरों को असंवेदनशील नौकरशाही की प्रशासनिक बाधाओं, जटिल अनुमोदन प्रणाली, पक्षपातपूर्ण निर्णय और वित्तीय संकट का सामना करना पड़ रहा है, जिससे परियोजनाएं लटक रही हैं। परिणामस्वरूप, रेरा के तहत पंजीकृत परियोजनाएं कम हैं, लेकिन शिकायतें अधिक, जो इसके कमजोर क्रियान्वयन को उजागर करता है।

सराहनीय उद्देश्य के बावजूद रेरा की क्रियान्वयन क्षमता सीमित है। रेरा अधिकारियों के पास सीमित दंडात्मक शक्ति तो है, लेकिन उनकी सिफारिशों को लागू कराने का कोई ठोस तंत्र नहीं है। राज्य सरकारों द्वारा रेरा को गंभीरता से लागू न करने के कारण यह कानून निष्प्रभावी हो गया है। आदेशों की अवहेलना होने पर उपभोक्ता को वर्षों की कानूनी प्रक्रिया के लिए न्यायालय जाने के अलावा कोई विकल्प नहीं रहता, और कई बार रेरा के वरिष्ठ अधिकारी ही आवंटियों को हाईकोर्ट जाने की सलाह देते हैं।

रेरा, बिल्डर का पंजीकरण रद्द होने की स्थिति में, आवंटितियों को संगठित करउनकी संस्था द्वारा शेष निर्माण कार्य पूरा करने की अनुमति दे सकता है। व्यावहारिक रूप से बिल्डर के सहयोग के बिना अनुभवहीन आवंटियों के लिए पंजीकृत संस्था बनाना और मार्टगेज भूसंपत्ति का पंजीकरण कराना कठिन होता है।यह प्रक्रिया प्राय: लालफीताशाही की जटिलताओं में उलझकर रह जाती है।

रेरा अक्सर अधूरे निर्माण कार्यों को बिना लाभ के पूर्ण करने का दायित्व राज्यों के अर्ध-शासकीय निकायों, जैसे गृह निर्माण मंडल, को सौंपता है। ये निकाय प्राय: रेरा के आदेशों का पालन नहीं करते, और शासन स्तर पर भी कोई प्रभावी हस्तक्षेप नहीं होता।

रेरा अक्सर आवंटियों के पक्ष में निर्णय देता है, लेकिन बिल्डर से राशि वसूलने में गृह खरीदारों को प्रशासनिक सहायता नहीं मिलती। क्रेता जिलाधिकारी कार्यालय में रिकवरी रेवेन्यू सर्टिफिकेट दाखिल कर वसूली शुरू कर सकता है, लेकिन यह प्रक्रिया बेहद धीमी और अप्रभावी है। जब सरकार स्वयं कर वसूली में असमर्थ है, तो नागरिकों के अधिकारों की रक्षा ईश्वर के भरोसे ही रह जाती है। रेरा में पदस्थ पूर्व नौकरशाह भी क्रेताओं के हित में जिला प्रशासन पर अपने प्रशासनिक रसूख का उपयोग कर वसूली हेतु दबाव नहीं बनाते।

रेरा के प्रावधानों में एक महत्वपूर्ण विसंगति यह है कि अपीलीय अधिकरण द्वारा दिया गया निर्णय सिविल न्यायालय की डिक्री की तरह निष्पादनीय होता है, लेकिन रेरा में नियुक्त न्यायनिर्णायक अधिकारी को यह अधिकार प्राप्त नहीं है कि वह परिवाद की सुनवाई के बाद सिविल न्यायालय के समकक्ष निर्णय दे सके। यह विसंगति रेरा की प्रथम स्तर की कार्यवाही की प्रभावशीलता को सीमित करती है और आवंटितियों को त्वरित न्याय प्राप्त करने में बाधा उत्पन्न करती है।

रेरा को बिल्डर, आबंटी या रियल एस्टेट एजेंट से आवश्यक जानकारी मांगने और जांच करने का अधिकार है। जांच के बाद, यह दीवानी आदेश जारी कर सकता है, लेकिन आपराधिक कार्रवाई शुरू नहीं कर सकता। धोखाधड़ी के मामलों में पुलिस केस दर्ज करने के लिए आबंटियों को स्वतंत्र रूप से भारतीय न्याय संहिता के तहत कार्रवाई करनी पड़ती है।

प्रधानमंत्री का रियल एस्टेट क्षेत्र में हस्तक्षेप सुधारों की दिशा में प्रेरणादायक और सकारात्मक कदम है। यह हस्तक्षेप रेरा के प्रभावी क्रियान्वयन, बिल्डरों की जवाबदेही सुनिश्चित करने, शिकायतों के त्वरित समाधान और गृह खरीदारों के लिए समयबद्ध मुआवजा प्रदान करने की दिशा में आशा जगाता है। फिर भी, प्रशासनिक देरी, जटिल मंजूरी प्रक्रियाओं, और आपराधिक कार्रवाई की सीमाओं जैसे मुद्दों को दूर करने के लिए और अधिक समन्वित प्रयासों की जरूरत है। यह कदम एक महत्वपूर्ण शुरुआत है, लेकिनअभी लंबा सफर तय करना बाकी है। रेरा को सख्ती से लागू करने का केंद्र का निर्देश उपभोक्ता-हितैषी मंशा को दर्शाता है, लेकिन अब राज्यों की जिम्मेदारी है कि वे स्थानीय विकास प्राधिकरणों की जवाबदेही सुनिश्चित करें और निगरानी व्यवस्था को मजबूत करें।

यदि 'घर' को 'भरोसे' से जोड़ना है, तो कानून, प्रशासन और निजी क्षेत्र को मिलकर उपभोक्ताओं के अधिकारों की रक्षा करनी होगी — यही विश्वास इस क्षेत्र की असली बुनियाद बनेगा। उपभोक्ताओं का विश्वास और बिल्डरों की ईमानदारी साथ मिलकर ही एक जवाबदेह और न्यायपूर्ण आवास व्यवस्था की नींव रखी जा सकती है। रेरा को बिल्डरों के खिलाफ कठोर कदम, जैसे दंडात्मक कार्रवाई, जुर्माना, बैंक खातों पर रोक, या पंजीयन रद्द करना, अंतिम उपाय के रूप में अपनाना चाहिए। इसके बजाय, पहले चरण में सुधारात्मक और नियामक उपायों पर ध्यान देना अधिक प्रभावी होगा। रेरा को बिल्डरों और क्रेताओं के बीच गांधीजी के अहिंसक, मध्यस्थता, और आपसी सुलह आधारित दृष्टिकोण अपनाकर रियल एस्टेट क्षेत्र में निष्पक्षता, पारदर्शिता, और विकास को बढ़ावा देना चाहिए। यह क्रेताओं के हितों की रक्षा के साथ-साथ क्षेत्र के समग्र विकास को प्रोत्साहित करेगा। सौहार्दपूर्ण समाधान और विश्वास बढ़ाने के लिए रेरा को चाहिए कि वह भू संपदा विशेषज्ञों के साथ समयबद्ध मध्यस्थता सत्र आयोजित करे, बिल्डरों को सुधार का अवसर दे, आपसी सहमति पर आधारित पंचायत-शैली के फैसलों से विवाद सुलझाए, और क्रेताओं व बिल्डरों के लिए रेरा नियमों हेतु जागरूकता कार्यक्रम चलाए।

(लेखक गांधी विचारों के अध्येता व समाज सेवी हैं)

ललित सुरजन की कलम से

यात्रा वृत्तांत: बूढ़ा पीपल और बूढ़ा पुल

'बक्सर में भी तीन स्थान दर्शनीय हैं। एक तो यहां का पांच सौ साल पुराना किला है जो गंगा किनारे है। किला लगभग नष्ट हो चुका है या कर दिया गया है। अब किले की जगह सरकारी अधिकारियों के लिए भव्य विश्रामगृह बन गया है। कहीं-कहीं किले के खंडहर बचे हैं। इसके चारों ओर कई फीट चौड़ी, कई फीट गहरी खाई थी, वह भी शनै:शनै: पाट दी गई है। कुछ प्राचीन वृक्ष अवश्य बच गए हैं। पीपल का एक वृक्ष देखकर मैं चमत्कृत रह गया। इतना मोटा तना और इतनी ऊंची फुनगी। पेड़ शायद दो सौ साल पुराना होगा! किले के बाहर ही सीताराम उपाध्याय संग्रहालय है जिसे राज्य सरकार संचालित करती है। श्री उपाध्याय ने अपनी निजी रुचि से आसपास से पुरातात्विक महत्व की वस्तुओं का संग्रह व संरक्षण बिना सरकारी मदद के प्रारंभ किया था। उन्हें दूसरे तो क्या, स्वजन भी खब्ती समझते थे। आज उनका वह संग्रह एक बेशकीमती खजाने के रूप में हमारे सामने है, जिसमें ढाई-तीन हजार वर्ष पूर्व की मूर्तियां व अन्य सामग्रियां हैं। किले से मैं दुखी मन बाहर निकला था, म्यूजियम देखकर दुख दूर हुआ।'

'बक्सर में तीसरा दर्शनीय स्थान हैं- कतकौली का मैदान। यहां अक्टूबर 1764 में ब्रिटिश सेनाओं ने अवध व बंगाल के नवाब की सेना को निर्णायक रूप से परास्त कर समूचे पूर्वी भारत पर अपना कब्जा स्थापित कर लिया था। अंग्रेजों ने यहां हिंदी, बांग्ला, अंग्रेजी व उर्दू में अपनी जीत की घोषणा के प्रस्तर-फलक लगाने के साथ एक विजय स्तंभ भी खड़ा किया था। विजय स्तंभ कालांतर में क्षतिग्रस्त हुआ होगा, लेकिन न जाने कब किसने वहीं एक नया विजय स्तंभ खड़ा कर दिया गया जिस पर मोज़ेक टाइल्स जड़े गए थे! वे टाइल्स एक-एक उखड़ रहे हैं, लेकिन अंग्रेजों की जीत का स्तंभ नये सिरे से खड़े करने की बुद्धिमानी हमने क्यों दिखाई? लोकप्रिय कम्युनिस्ट नेता नागेंद्रनाथ झा ने सांसद निधि से स्मारक की चारदीवारी बनवा दी थी कि अतिक्रमण न हो। वह एक समझदारी का काम था। लेकिन आसपास अवैध कब्जे बदस्तूर हो रहे हैं। एक दिन हम भूल जाएंगे कि इस जगह पर भारत का एक बड़ा भूभाग दो सौ साल के लिए गुलाम बना लिया गया था। मेरे गाइड युवा पत्रकार पंकज भारद्वाज ने रास्ते में मुझे वह नहर भी दिखाई, जिसमें कभी स्टीमर चला करते थे, लेकिन जिसे पाट कर अब मकान बन रहे हैं।'

(देशबन्धु में 05 अक्टूबर को प्रकाशित)

https://lalitsurjan.blogspot.com/2017/10/blog-post.html

गुरवाणी विचार

बंदी छोड़ दातार गुरु हरगोविंद जी

मीरी पीरी के मालिक बंदी छोड़ दातार का जन्म 14 जून 1595 ई. में हुआ था। आपकी आपकी माता का नाम गंगाजी और गुरु अर्जुनदेव जी के सुपुत्र थे। गुरु घर के अनन्य सेवक बाबा बुड्ढा जी के आशीर्वाद से दल भंजन गुरु सूरमाजी रा प्रकाश हुआ था। आप 1606 को अर्जुन देव जी के ज्योति जोत समाने के बाद गुरु के आज्ञानुसार गुरुनानक की गद्दी रे थछवें वारिस बने। आपने दो तलवारें रखे एक मीरी सांसारिक क्षेत्र के साथ संबंधित है। और दूसरी पीरी जो आध्यात्मिक क्षेत्र के साथ। जहां मीरी सामाजिक भूख की तृप्ति करती है वहीं पीरी आध्यात्मिक भूख की अर्थात कीरत करनी नेक कमाई करनी मीरी है और नाम जपना पीरी है।

अपने पिता अर्जुन देव के आदेशानुसार आपने सिख मत के फौजीकरण का ऐलान किया। गुरुदेव ने अपनी साध संगत को संत सिपाही बनाने के लिए शस्त्रधारी होने का आदेश दिया। गुरुदेव ने इसके लिए समस्त साध संगत को अमृतसर में बुलाया और वे अपने साथ अच्छे हथियार और घोड़े नजराने के साथ ले आएं। आरने कुठ अच्छी नस्ल के घोड़े खरीदने के लिए कुछ सिखों को भेजा। शस्त्र विद्या सीखने का प्रबंध भी किया। जिससे बहुत जल्दी ही आपके पास एक बहादुर फौज तैयार हो गई। सिख मत में अहिंसा परमोधर्म: आदर्श संस्कार नहीं है। किन्तु जुल्म जबरदस्ती के विरुद्ध आवाज उठाना और संघर्ष करना धर्म है। फौजीकरण का अगला पड़ाव था अकालतख्त की स्थापना करना। 1606 ई.में ही आपने हरमिंदर साहिब अमृतसर के सामने ही अकाल तख्त का निर्माण करवाया। जिसमें बाबा बुड्ढा जी और भाई गुरदासजी ने स्वयं अपने हाथों से तख्त का निर्माण किया जो दुनिया में पहला अकाल तख्त था। इस तरह इस दरबार में लोगों के झगड़े अन्य समस्याएं सुलझने लगे। हुक्मनामे जारी किये गए जिसके कारण कुछ विघ्न संतोषियों को यह पसंद नहीं आया और वे बादशाह जहांगीर के कान भरने लगे कि काफी फौज इकट्ठी कर ली है कहीं आपकी गद्दी न छीन लें अपने पिता की शहादत का बदला लेने के लिए। इस पर बादशाह जहांगीर ने गुरु को दिल्ली बुला भेजा। आप फतवा जारी कर दिया 12 साल की सजा सुना कर ग्वालियर के किले में कैद कर लिया गया जहां पहले से 52 राजाओं को कैद कर रखा गया था। दो साल बाद बादशाह को अपनी भूल का अहसास हुआ उन्होंने 1611 में उन्हें रिहा करने का हुक्म दिया। परन्तु गुरुदेव ने अपने साथ उन 52 राजाओं को को रिहा करने को कहा। इस पर जहांगीर ने शर्त रखी कि जो आपका पल्ला पकड़ कर बाहर निकल सकें उन्हें रिहा कर दिया जाएगा। इस पर आपने 52 कलियों वाला चोला बनवाया (कुरता) बनवाया और प्रत्येक राजा को एक-एक कली पकड़ा कर बाहर निकाल लिया। इस तरह आप बंदी छोड़ दातार कहलाए।

उनकी याद में आज भी ग्वालियर के किले गुरुद्वारा सुशोभित है। बाद में बादशाह जहांगीर से आपकी अच्छी दोस्ती हो गई। आपने अपने जीवनकाल में सत्य और न्याय की रक्षा के लिए चार धर्मयुद्ध भी किए। आपने गोविंदपुरी और करतारपुर में मस्जिदों का भी निर्माण कराया। गुरुदेव अपना जीवन शांति के साथ व्यतीत करना चाहते थे वे शिकालिक पहाड़ियों में कीरतपुर में विराजे और आपने जीवन केआखिरी दस साल संगत और पंगत का प्रवाह चलाते रहे। देग तेग फते करते रहे। आपके प्रकाशोत्सव पर शत शत नमन।

-इंदर सिंह आहुजा

आपके पत्र

अब यही मेरी दुनिया है 'एक स्त्री की चुपचाप क्रांति'

स्त्री—वह शब्द जिसे कहते तो हम 'जननी', 'धैर्य की मूर्ति', 'संसार की आधारशिला' हैं, लेकिन जब वही स्त्री अपने अधिकार, सम्मान और भावनात्मक सहारे की बात करती है तो समाज उसे 'सहनशील' बने रहने की सलाह दे डालता है। एक बेटी जब विदा होती है, तो उसके साथ भावनाओं की एक पूरी दुनिया भी उसकी ससुराल चली जाती है। पर क्या यह विदाई केवल भौतिक होती है? या एक गहरी मानसिक क्रांति की शुरुआत?

हर स्त्री का मायका उसके जीवन की पहली पाठशाला होता है। वहीं उसने चलना, बोलना, हँसना, डरना और दुनिया को देखना सीखा। पर एक बार विवाह के बाद, वही मायका धीरे-धीरे 'अतीत' बन जाता है। अब वह 'बेटी' नहीं, 'बहू' होती है। उसे मायके जाना 'ज्यादा नहीं शोभा देता'। वहाँ के दु:ख में वह 'मेहमान' बन जाती है और अपने ही घर में 'अजनबी'।

वह जानती है कि अब वह कभी उस गोद में सिर नहीं रख सकती जिसे कभी माँ की ममता कहा जाता था। अब उसके आँसू पोछने के लिए भाई की बाँह नहीं है। अब वह किसी को नहीं कह सकती कि 'मैं थक गई हूँ', क्योंकि अब उसे ही सबको संभालना है।

वह हर रिश्ते को पूरी निष्ठा से निभाती है। चाहे सास का मान हो या पति की सेवा, बच्चों की परवरिश हो या घर की हर छोटी-बड़ी ज़िम्मेदारी—वह सब कुछ करती है। लेकिन इस प्रक्रिया में उसके अपने सपने, इच्छाएँ और भावनाएँ धीरे-धीरे बेमानी हो जाती हैं।

रिश्तों में दिलचस्पी की जगह अब ज़रूरतें रह जाती हैं। अब वह बहू है, माँ है, पत्नी है, लेकिन शायद 'बेटी' अब सिर्फ एक स्मृति बन चुकी है। उससे अपेक्षा की जाती है कि वह मुस्कुराती रहे, चाहे भीतर कितनी ही आँधियाँ क्यों न चल रही हों।

जब कोई कहता है, 'बेटी थक गई होगी,' तो एक मौन गूंजता है-न कोई आवाज़, न कोई शिकायत। क्योंकि उसे मालूम है कि उसकी थकान का कोई मोल नहीं। वह आँसू भी अपने आँचल से ही पोंछ लेती है और खुद को समझा लेती है, 'अब यही मेरी दुनिया है।'

यह चुप्पी हार नहीं है, यह एक हथियार है—संघर्ष का, संयम का, और शायद क्रांति का भी। यह वही चुप्पी है जो स्त्रियों को सहने की नहीं, समझने की शक्ति देती है। यह चुप्पी उन्हें टूटने नहीं देती, बल्कि उनके भीतर एक औरत से 'नायिका' बनने की प्रक्रिया को जन्म देती है।

स्त्रियाँ उस घर को 'अपना' मान लेती हैं, जहाँ उन्हें केवल भूमिका निभानी होती है। अपने मन की बात कहने की जगह नहीं होती, बस जिम्मेदारियों का पहाड़ होता है। ऐसे में अगर किसी दिन वह सिर्फ इतना कह दे कि 'मुझे भी थोड़ी देर बैठना है', तो घर में खलबली मच जाती है।

उसे हमेशा दूसरों के सुख में खुश होना सिखाया गया है। खुद के दु:खों को जीने की इजाज़त नहीं। वह घर की लक्ष्मी तो बनती है, पर मन की रानी शायद ही कभी।

हम कहते हैं कि औरतें आज आत्मनिर्भर हो गई हैं। वे ऑफिस जाती हैं, पैसा कमाती हैं, निर्णय लेती हैं। पर क्या मानसिक रूप से उन्हें वह स्पेस, वह सुरक्षा, वह 'अपनेपन' का वातावरण मिला है?

वह बिना मायके के भी जीना सीख गई है। यह वाक्य सिर्फ शब्द नहीं, बल्कि एक पूरी यात्रा का सार है। वह जानती है कि अब किसी का कंधा नहीं मिलेगा। वह अपने आँचल को ही तकिया बना लेती है और अपनी पीठ खुद थपथपा लेती है।

स्त्री को एक बहू, पत्नी या माँ बनकर जीने के लिए कहा जाता है, लेकिन कोई नहीं पूछता कि वह एक 'व्यक्ति' के रूप में क्या चाहती है? उसकी भावनाएँ, इच्छाएँ, सपने- क्या वो सबकुछ शादी के साथ खत्म हो जाने चाहिए?

-प्रियंका सौरभ

खेल जगत

शूटिंग लीग इस खेल के लिए एक बड़ा बदलाव साबित होने जा रही है : वलारिवन

नई दिल्ली। एनआरएआई द्वारा शुरू की गई पहली शूटिंग लीग ऑफ इंडिया के लिए पूरे देश में उत्साह का माहौल है। म्यूनिख में आईएसएसएफ विश्व कप में कांस्य पदक जीतकर सुर्खियों में आई भारतीय राइफल निशानेबाज एलावेनिल वलारिवन ने एसएलआई की घोषणा पर खुशी जताई। एसएलआई का पहला सत्र 20 नवंबर से 2 दिसंबर के बीच खेला जाएगा। टूर्नामेंट में पिस्टल (10 मीटर, 25 मीटर), राइफल (10 मीटर, 50 मीटर 3 पोजीशन) और शॉटगन में मिश्रित टीम स्पर्धाएं होंगी, जैसा कि एनआरएआई तकनीकी समिति द्वारा तय किया गया है। प्रतियोगिता में कुल छह से आठ टीमें हिस्सा लेंगी और लीग चरण में उन्हें दो पूल में बांटा जाएगा। चयनित खिलाड़ियों को चार स्तरों - एलीट चैंपियंस, वर्ल्ड एलीट, नेशनल चैंपियंस और जूनियर एवं यूथ चैंपियनशिप में बांटा जाएगा, ताकि अनुभवी और उभरती प्रतिभाओं का मिश्रण उपलब्ध कराया जा सके।

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने यूरोप दौरे में बेल्जियम को 2-1 से हराया

एंटवर्प, 11 जून (एजेंसियां)। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने यूरोप दौरे में बेल्जियम पर जीत का सिलसिला जारी रखते हुए जीत दर्ज की। भारत ने बेल्जियम के एंटवर्प में हॉकी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, विलरिजके प्लीन में बेल्जियम की टीम को 2-1 के कड़े स्कोर से हराया। लालथंतलुंगी (35%) और गीता यादव (50%) ने भारत के लिए गोल किए।

पहला हाफ गोल रहित रहा क्योंकि दोनों टीमें कड़े मुकाबले में गतिरोध को तोड़ने में कामयाब नहीं हो सकीं। 35वें मिनट में, भारत ने आखिरकार पहला गोल किया, जब लालथंतलुंगी ने एक भाग्यशाली पेनल्टी स्ट्रोक को सफलतापूर्वक गोल में बदला। आखिरी क्वार्टर में, वैन हेलेमोंट (48%) ने बेल्जियम के लिए फील्ड गोल के जरिए बराबरी का गोल किया। हालांकि, इसके ठीक दो मिनट बाद, गीता यादव ने खुद फील्ड गोल करके भारत के लिए विजयी गोल किया। इसके बाद भारत ने मैच के अंतिम 10 मिनट में बेल्जियम के हमलों को रोकने के लिए अच्छा बचाव किया और सुनिश्चित किया कि वे बेल्जियम पर एक और जीत का आनंद लें। अर्जेंटीना के रोसारियो में चार देशों के टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करने के बाद, भारतीय टीम अब 5 मैचों के दौरे के लिए यूरोप पहुंच गई है, जहां उन्होंने रविवार को बेल्जियम के खिलाफ शानदार जीत के साथ अपने यूरोप दौरे की शुरुआत की। भारतीय टीम ने हॉकी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, विलरिजके प्लीन में 3-2 से गेम जीता। लगातार दो जीत के बाद, भारतीय जूनियर महिला टीम 12 जून को यूरोप के अपने दौरे में तीसरी और अंतिम बार बेल्जियम से खेलेगी। अर्जेंटीना में, भारतीय टीम ने बेहतरीन विरोधियों के खिलाफ दमदार प्रदर्शन किया। उन्होंने चिली के खिलाफ 2-1 से जीत और 2-2 (2-3 शूट आउट) की हार दर्ज की, मेजबान अर्जेंटीना के खिलाफ 1-1 (2-0 शूट आउट) की जीत और 2-4 की हार हासिल की, और उरुग्वे को दो बार हराया - 3-2 और 2-2 (3-1 शूट आउट)। उल्लेखनीय है कि ये मैच एफआईएच हॉकी महिला जूनियर विश्व कप 2025 के लिए भारत की तैयारी का भी अहम हिस्सा हैं, जो दिसंबर 2025 में चिली के सैंटियागो में होने वाला है।

■ लगातार दो जीत के बाद, भारतीय जूनियर महिला टीम 12 जून को यूरोप के अपने दौरे में तीसरी और अंतिम बार बेल्जियम से खेलेगी

विश्वकप 2026 में जगह बनाने में विफल रहने पर चिली के कोच गारेका ने दिया इस्तीफा

एल ऑल्टो (बोलीविया), 11 जून (एजेंसियां)। बोलीविया से मिली हार के बाद चिली की फीफा विश्वकप 2026 के लिए क्वालीफाई करने की उम्मीद समाप्त होने पर चिली की फुटबॉल टीम के मुख्य कोच रिकार्डो गारेका ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। मंगलवार को हुये मुकाबले में बोलीविया के हाथों मिली 2-0 से हार के बाद चिली की फीफा विश्वकप 2026 में खेलने की उम्मीद खत्म हो गई है। एल ऑल्टो में म्यूनिसिपल स्टेडियम में मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में गारेका ने कहा, 'हमने कोचिंग स्टाफ के साथ एक निर्णय लिया और हमने खिलाड़ियों बताया कि हम ऐसे हालात को कम करना चाहते हैं। हमने नतीजे नहीं दिए। चिली की ऐसी स्थिति कोई नहीं चाहता था। मेरे अनुभव और करियर के हिसाब से यह बड़ा झटका है। मुझे अपने पैरों पर वापस खड़ा होना होगा, ठीक उसी तरह जैसे चिली को भविष्य में अपने पैरों पर वापस खड़ा होना होगा।

टी-20 रैंकिंग : वरुण गेंदबाजों में तीसरे स्थान पर कायम, राशिद दूसरे स्थान पर

दुबई, 11 जून (एजेंसियां)। वेस्टइंडीज के खिलाफ लगातार बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले इंग्लैंड के व्हाइट-बॉल दल को आईसीसी पुरुष टी20 रैंकिंग में स्थान मिला है, जिसमें अनुभवी लेग स्पिनर आदिल राशिद सबसे आगे हैं। 37 वर्षीय राशिद ने इंग्लैंड की 3-0 की टी20 सीरीज जीत में निरंतरता का नमूना पेश किया, जिसमें चेस्टर-ले-स्ट्रीट में 1/22, ब्रिस्टल में एक हाई-स्कोरिंग क्लैश में 1-59 और साउथम्प्टन में अंतिम मैच में 2/30 के आंकड़े हासिल किए। उनके प्रयास श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा और भारत के वरुण चक्रवर्ती दोनों को पीछे छोड़ने के लिए पर्याप्त थे, जिससे वे टी20 गेंदबाजी रैंकिंग में 710 की रेटिंग के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गए, जो वर्तमान नंबर 1 न्यूजीलैंड के जैकब डफी से केवल 13 अंक पीछे है। लेगी का उदय इंग्लैंड के लिए एक प्रभावशाली रन को दर्शाता है, जिसने उसी प्रतिद्वंद्वी पर पहले की एकदिवसीय श्रृंखला जीत से अपनी गति को आगे बढ़ाया। इंग्लैंड के एक अन्य तेज गेंदबाज ब्रायडन कार्स को भी उनके शानदार योगदान का इनाम मिला। अंतिम दो टी20 में उनके दो विकेट ने उन्हें रैंकिंग में 16 पायदान ऊपर 52वें स्थान पर पहुंचा दिया। श्रृंखला में रनों की भरमार थी, और बल्लेबाजों की रैंकिंग में भी यह झलकता है। बेन डकेट ने तीसरे टी20 में 46 गेंदों पर 84 रनों की धमाकेदार पारी खेलकर शानदार प्रदर्शन किया - एक ऐसी पारी जिसने उन्हें 48 पायदान ऊपर उठाकर करियर की सर्वश्रेष्ठ 16वीं रैंकिंग पर पहुंचा दिया। हैरी ब्रूक की 35* और 34 रन की तेज पारी ने उन्हें छह पायदान की छलांग लगाकर संयुक्त 38वें स्थान पर पहुंचा दिया। वेस्टइंडीज ने भी अपने पलों को बरकरार रखा। कप्तान शाई होप के 40 से अधिक रन की दो पारियों ने उन्हें बल्लेबाजी सूची में 14 पायदान की छलांग लगाकर 15वें स्थान पर पहुंचा दिया, जबकि रोवमैन पॉवेल ने अंतिम मैच में 45 गेंदों पर नाबाद 79 रन की विस्फोटक पारी खेलकर शीर्ष 20 में जगह बनाई। ऑलराउंडर जेसन होल्डर ने भी बल्ले और गेंद दोनों से शानदार प्रदर्शन किया और 70 रन और एक महत्वपूर्ण विकेट की बदौलत ऑलराउंडर रैंकिंग में 16 पायदान की छलांग लगाकर 26वें स्थान पर पहुंच गए।

50,000 डॉलर के बोनस की पेशकश पर एआईएफएफ पर भड़के भूटिया

नई दिल्ली, 11 जून (एजेंसियां)। एएफसी एशियन कप 2027 क्वालीफायर में हांगकांग से भारत की 0-1 की हार के बाद, भारत के पूर्व कप्तान बाईचुंग भूटिया ने अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) की कड़ी आलोचना की, जिसमें कथित तौर पर खिलाड़ियों को मैच जीतने पर 50,000 अमेरिकी डॉलर का बोनस देने की पेशकश की गई थी। अपने शुरुआती मैच में बांग्लादेश के खिलाफ गोल रहित ड्रॉ के बाद, भारत को प्रतिस्पर्धा में बने रहने के लिए जीत की सख्त जरूरत थी। हालांकि, स्टॉपेज-टाइम पेनल्टी ने उनकी उम्मीदों को धराशायी कर दिया, जिससे एक और निराशाजनक परिणाम सामने आया।भूटिया ने एआईएफएफ अध्यक्ष कल्याण चौबे से 'भारतीय फुटबॉल को बचाने के लिए' पद छोड़ने का आह्वान किया और इस तरह के तदर्थ वित्तीय प्रोत्साहनों के पीछे के तर्क पर सवाल उठाया। भूटिया ने कहा, 'हमने ऐसी रिपोर्ट देखी हैं कि खिलाड़ियों को 2,500 रुपये का दैनिक भत्ता भी नहीं मिला है। भारतीय फुटबॉल खिलाड़ियों के पास क्रिकेटरों की तरह केंद्रीय अनुबंध नहीं हैं। वे लाखों या करोड़ों में नहीं कमाते। उनका मुआवजा मुख्य रूप से दैनिक भत्तों से आता है। फिर अचानक, कहीं से भी, अगर वे मैच जीतते तो 50,000 अमेरिकी डॉलर का पुरस्कार घोषित किया जाता। यह कहां से आया? अगर वे जीत जाते, तो क्या अगले चार मैचों के लिए भी यही बोनस दिया जाता? स्पष्ट रूप से कोई प्रणाली नहीं है, कोई रणनीति नहीं है। बिना किसी स्पष्टता के सिर्फ बेतरतीब फैसले लिए जा रहे हैं।' जुलाई 2023 में, भारत फीफा रैंकिंग में 99वें स्थान पर था और उसका साल शानदार रहा।

डब्ल्यूटीसी फाइनल की शुरुआत से पहले ऐतिहासिक लॉर्ड्स में घंटी बजाना सौभाग्य की बात : जय शाह

■ दक्षिण अफ्रीका ने लगातार सात टेस्ट जीत के दम पर डब्ल्यूटीसी फाइनल में प्रवेश किया

लंदन, 11 जून (एजेंसियां)। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अध्यक्ष जय शाह ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच 2025 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की शुरुआत से पहले ऐतिहासिक लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर घंटी बजाना उनके लिए सौभाग्य की बात है। जून 2023 में भारत को 209 रनों से हराकर ओवल में जीती गई गदा को बरकरार रखने की कोशिश में, ऑस्ट्रेलिया ने मैच के पहले दिन बुधवार को लंच तक दक्षिण अफ्रीका के सामने 23.2 ओवर में 67/4 रन बना लिए। यह भी पहली बार है कि लॉर्ड्स आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की मेजबानी कर रहा है।

शाह ने बुधवार को अपने 'एक्स' अकाउंट पर लिखा कि वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के पहले दिन खेल शुरू होने से पहले ऐतिहासिक लॉर्ड्स मैदान पर घंटी बजाना सौभाग्य की बात है। ऑस्ट्रेलिया 2023-25 डब्ल्यूटीसी चक्र के दौरान लीग तालिका में दूसरे स्थान पर रहा, जिसने 67.54 अंक प्रतिशत हासिल किए। इस बीच, दक्षिण अफ्रीका ने लगातार सात टेस्ट जीत के दम पर डब्ल्यूटीसी फाइनल में प्रवेश किया और 69.44 अंक प्रतिशत के साथ अंक तालिका में शीर्ष स्थान पर रहा। दक्षिण अफ्रीका ने दिसंबर 2024 में सेंचुरियन में दो विकेट से रोमांचक जीत दर्ज करके पाकिस्तान को हराकर डब्ल्यूटीसी फाइनल में अपनी जगह पक्की की, जबकि ऑस्ट्रेलिया ने इस साल जनवरी में सिडनी में भारत पर छह विकेट से शानदार जीत दर्ज करके क्वालीफाई किया। डब्ल्यूटीसी 2023-25 चक्र के विजेता को 3.6 मिलियन अमरीकी डॉलर मिलेंगे, जो 2021 और 2023 दोनों संस्करणों में दिए गए 1.6 मिलियन अमरीकी डॉलर से काफी ज़्यादा है, जबकि उपविजेता को 800,000 अमरीकी डॉलर से बढ़कर 2.16 मिलियन अमरीकी डॉलर मिलेंगे।

डब्ल्यूटीसी फाइनल: दक्षिण अफ्रीका ने लंच से पहले ऑस्ट्रेलिया को दिए चार झटके

लंदन, 11 जून (एजेंसियां) मार्को यानसन और कैगिसो रबाडा ने दो-दो विकेट चटकाए, जिससे दक्षिण अफ्रीका ने बुधवार को यहां प्रतिष्ठित लॉर्ड्स में 2025 आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के पहले दिन लंच तक ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 23.2 ओवर में 67/4 कर दिया। जब से दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा ने टॉस जीता और बादलों से घिरे आसमान में पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया, तेज गेंदबाजों ने टाइट लाइन और लेंथ से गेंदबाजी करके और बेहतरीन मूवमेंट निकालकर उस फैसले को सही साबित किया, जिसके चलते यानसन और रबाडा ने विकेट निकाले। कुछ बेहतरीन कैचिंग के साथ, इसका मतलब था कि पहला सत्र वास्तव में प्रोटियाज के नाम रहा। लंच के समय स्टीव स्मिथ 26 रन बनाकर क्रीज पर हैं और उन्हें अभी भी काफी बल्लेबाजी करनी है।

सार संक्षेप

तिलक मौजूदा काउंटी सत्र के लिए हैम्पशायर से जुड़ेंगे

नई दिल्ली। युवा भारतीय बल्लेबाज तिलक वर्मा इंग्लिश काउंटी क्रिकेट में खेलने के साथ अपने क्षितिज को व्यापक बनाने के लिए तैयार हैं, उन्होंने मौजूदा काउंटी चैंपियनशिप सत्र के लिए हैम्पशायर के साथ अनुबंध किया है। यह कदम 22 वर्षीय खिलाड़ी के होनहार करियर में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, क्योंकि वह चुनौतीपूर्ण विदेशी परिस्थितियों में अपने लाल गेंद के कौशल का परीक्षण करने के लिए तैयार हैं। तिलक, जो पहले ही भारत के लिए चार वनडे और 25 टी20 मैच खेल चुके हैं, उन्हें आखिरी बार 1 जून को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में पंजाब किंग्स के खिलाफ आईपीएल 2025 क्वालीफायर 2 के दौरान मुंबई इंडियंस के लिए खेलते हुए देखा गया था। जबकि उनकी सफेद गेंद की साख अच्छी तरह से प्रलेखित है, तिलक का लाल गेंद का प्रदर्शन भी उल्लेखनीय रहा है।

इंग्लैंड दौरे के लिए न्यूजीलैंड-'ए' टीम का ऐलान

क्राइस्टचर्च। न्यूजीलैंड-ए और इंग्लैंड-ए के बीच 23 जून से वनडे सीरीज की शुरुआत होने जा रही है। सलामी बल्लेबाज जॉर्जिया प्लिमर और विकेटकीपर-बल्लेबाज इजी गेज को इंग्लैंड के व्हाइट-बॉल दौरे के लिए 15 सदस्यीय न्यूज़ीलैंड ए टीम में शामिल किया गया है। इंग्लैंड-ए की इस टीम में न्यूजीलैंड के लिए खेल चुके 11 खिलाड़ी शामिल हैं, जो इस महीने के अंत में इंग्लैंड के छह मैचों के दौरे पर जाएंगी। इस दौरे में तीन लिस्ट ए वन-डे और उसके बाद तीन टी20 मैच शामिल हैं। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने कहा कि टीम शनिवार को रवाना होगी और 23 जून को डर्बी में अपना पहला वन-डे मैच खेलेगी। असिस्टेंट कोच ब्रेंडन डोनकर्स इंग्लैंड में टीम के एकजुट होने के बाद कप्तान के नाम की घोषणा करेंगे। प्लिमर और विकेटकीपर-बल्लेबाज गेज जेस वॉटकिन इस बैटिंग यूनिट की अहम खिलाड़ी हैं। इनके अलावा हाल ही में इंटरनेशनल डेब्यू करने वाली बेला जेम्स और पोली इंग्लिस, एम्मा मैकलियोड और इजी शार्प भी टीम में मौजूद हैं।

ब्राजील ने किया विश्वकप के लिए क्वालीफाई

साओ पाउलो। विनिसियस जूनियर ने पहले हाफ में किये गये गोल की बदौलत पांच बार के विश्व चैंपियन ब्राजील ने क्वालीफायर मुकाबले में पैराग्वे पर 1-0 से जीत दर्ज कर अगले साल होने वाले फीफा विश्वकप में अपनी जगह पक्की कर ली है। ब्राजील ने मंगलवार को अपने घरेलू मैदान पर शानदार खेला प्रदर्शन करते हुए पैराग्वे को हराकर फीफा विश्वकप 2026 के लिए क्वालीफाई कर लिया है विनीसियस जूनियर ने 44वें मिनट में गोल कर ब्राजील को बढ़त दिलाई। इसके बाद रक्षापंक्ति ने शानदार खेला का मुजाहिरा करते हुए पैराग्वे को गोल करने का कोई अवसर नहीं दिया। इस जीत के साथ ब्रजील के 25 अंक हो गये है। वहीं, हार के बाद पैराग्वे 24 अंकों पर है और उसे विश्वकप में क्वालीफाई करने के लिए एक अंक की जरुरत है। ब्राजील सितंबर में अपने अंतिम दो क्वालीफायर मुकाबलों में चिली और बोलीविया से भिड़ेगा। पैराग्वे को क्वालीफाई के लिए केवल एक अंक की आवश्यकता है, उसका सामना इक्वाडोर और पेरू से होगा।

एमआई न्यूयॉर्क के कप्तान बने निकोलस पूरन

नई दिल्ली, 11 जून (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के कुछ घंटों बाद ही निकोलस पूरन को मेजर लीग क्रिकेट-2025 में एमआई न्यूयॉर्क का कप्तान बनाया गया है। वेस्टइंडीज के इस तेज तर्रार बल्लेबाज को मेजर लीग क्रिकेट-2025 सीजन के लिए कप्तान बनाने का ऐलान करते हुए फ्रेंचाइजी ने कहा कि हमारे हीरो, हमारे लीजेंड, हमारे कप्तान! निकोलस पूरन- 29 वर्षीय पॉकेट डायनामाइट को कॉग्निजेंट मेजर लीग क्रिकेट के 2025 सीजन से पहले एमआई न्यूयॉर्क का कप्तान बनाया गया है। बाएं हाथ के निकोलस पूरन एमएलसी 2023 में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे थे। उन्होंने आठ मुकाबलों में 20 चौकों और 34 छक्कों के साथ 388 रन बनाए। फाइनल में 137 रन की नाबाद पारी खेलकर निकोलस ने एमआई को विजेता बनाया था। निकोलस पूरन को उनके साथी खिलाड़ी कीरोन पोलार्ड के स्थान पर एमआई न्यूयॉर्क की कमान सौंपी गई है। अब पोलार्ड इस सीजन निकोलस पूरन की कप्तानी में खेलते नजर आने वाले हैं। मेजर लीग क्रिकेट की शुरुआत भारतीय समयानुसार 13 जून को सुबह 6.30 बजे से होगी। एमआई न्यूयॉर्क अगले दिन सीजन का अपना पहला मैच टेक्सास सुपर किंग्स के खिलाफ खेलेगा। यह मुकाबला ऑकलैंड कोलिजीयम में आयोजित होगा। निकोलस पूरन ने वेस्टइंडीज की ओर से व्हाइट बॉल क्रिकेट ही खेला है। वह दोनों ही फॉर्मेट में टीम की कमान संभाल चुके हैं। इस विकेटकीपर-बल्लेबाज ने 61 वनडे मुकाबलों में 39.66 की औसत के साथ 1983 रन जड़े, जिसमें तीन शतक और 11 अर्द्धशतक शामिल हैं।

दिल्ली चैलेंजर 50वें गोस्वामी गणेश दत्त मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में

नई दिल्ली, 11 जून (एजेंसियां)। दिल्ली चैलेंजर ने फूड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एफसीआई) को बुधवार को पांच विकेट से हराकर 50वें गोस्वामी गणेश दत्त मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट (पंजी.) के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। दिल्ली चैलेंजर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी। शुरुआती झटकों के बाद एफसीआई 149 रन पर सिमट गई। ध्रुव सिंह ने 29 (22 गेंद) (4×3, 6×1), प्रशांत वीर ने 24 (19 गेंद) और ऋषि धवन ने 22 रन (14 गेंद) बनाये। दिल्ली चैलेंजर की तरफ से शिवम शर्मा (3/29), प्रशांत चौधरी (2/16) और जुबेर (2/22) ने अच्छी गेंदबाजी की। 150 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली चैलेंजर ने शानदार शुरुआत की और 16.5 ओवर में 152/5 बनाकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। कुनाल चंदेला ने 47 गेंदों में 10 चौकों और एक छक्के की मदद से 47 गेंदों में 72 रन की मैच विजयी पारी खेली जबकि गौरव गौर ने 26 रन (14 गेंद) बनाये। एफसीआई की तरफ से प्रशांत वीर और ऋषि धवन ने दो-दो विकेट लिए।

अर्जुन फिर देंगे शेंग को चुनौती, संदीप सिंह की पेरिस के बाद अंतरराष्ट्रीय मंच पर वापसी

■ अर्जुन ने पिछले साल पेरिस ओलंपिक के बाद से चार लगातार फाइनल में जगह बनाई

नई दिल्ली, 11 जून (एजेंसियां)। अर्जुन बाबूता एक बार फिर चीन के मौजूदा ओलंपिक चैंपियन और वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर शेंग लीहाओ को टक्कर देने उतरेंगे, जबकि संदीप सिंह पेरिस ओलंपिक के बाद एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय टीम में वापसी कर रहे हैं। भारत, वर्ल्ड कप पदकों की अपनी खोज जारी रखते हुए, म्यूनिख में चल रहे इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट्स फेडरेशन (आईएसएसएफ) विश्व कप (राइफल/पिस्टल) के तीसरे दिन (12 जून, गुरुवार) भाग लेगा। तीसरे दिन दो फाइनल मुकाबले खेले जाएंगे, जिनमें महिला 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन (3पी) फाइनल पहले होगा, इसके बाद पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा दूसरे हिस्से में निर्धारित है। सभी फाइनल मुकाबले आईएसएसएफ के आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर लाइव देखे जा सकते हैं। अर्जुन बाबूता ने पिछले साल पेरिस ओलंपिक के बाद से चार लगातार फाइनल में जगह बनाई है, जहां उन्होंने चौथा स्थान हासिल किया था। शेंग ने उस प्रतियोगिता के साथ-साथ लीमा वर्ल्ड कप में भी स्वर्ण पदक जीता। वहीं अर्जुन ने लीमा में सिल्वर जीतकर पहली बार पोडियम पर जगह बनाई थी-वो भी चैंपियन से महज 0.1 अंकों से पीछे रहकर।

शेंग ने नई दिल्ली में हुए आईएसएसएफ वर्ल्ड कप फाइनल्स में भी खिताब जीता, जहां अर्जुन पांचवें स्थान पर रहे थे। साल के पहले वर्ल्ड कप (ब्यूनस आयर्स) में अर्जुन के साथी रुद्रांक्ष पाटिल ने गोल्ड जीता, जबकि अर्जुन सातवें स्थान पर रहते हुए एक बार फिर पदक से दूर रह गए। अर्जुन के पेरिस ओलंपिक साथी संदीप सिंह भी टीम में वापसी कर चुके हैं और किरण जाधव के साथ प्रभाव छोड़ने की कोशिश करेंगे। किरण, पुरुषों की 3पी स्पर्धा के फाइनल में जगह नहीं बना सके थे और अब सुधार की उम्मीद में उतरेंगे। महिला 3पी स्पर्धा में तीनों भारतीय निशानेबाज बेहतरीन फॉर्म में हैं।

12 जून...जब साइना ने दूसरी बार जीती ऑस्ट्रेलिया ओपन सुपर सीरीज

नई दिल्ली, 11 जून (एजेंसियां)। 12 जून...भारतीय खेल जगत के 'स्वर्णिम दिन' के तौर पर याद किया जाता है। इसी दिन साल 2016 में साइना नेहवाल ने बैडमिंटन में अपना लोहा मनवाया था। ये वही दिन है, जब साइना ने 'ऑस्ट्रेलिया ओपन सुपर सीरीज' अपने नाम की थी। ऐसा नहीं कि ये साइना नेहवाल का पहला ऑस्ट्रेलिया ओपन सुपर सीरीज खिताब था। साल 2014 में भी साइना इस टाइटल पर अपना कब्जा कर चुकी थीं, लेकिन दूसरी बार ये उपलब्धि हासिल करने के साथ उन्होंने अपने रिकॉर्ड को मजबूत कर दिया। भले ही साइना इससे पहले सुन यू के खिलाफ छह मुकाबलों में पांच अपने नाम कर चुकी थीं। उन्होंने चाइना ओपन में भी सुन के विरुद्ध जीत दर्ज की थी, लेकिन ऑस्ट्रेलिया ओपन सुपर सीरीज के फाइनल में सून को कमतर नहीं आंका जा सकता था।

साइना उस वक्त वर्ल्ड रैंकिंग में आठवें पायदान पर थीं, लेकिन सिडनी में खेले गए इस फाइनल के पहले गेम में उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पा रही थीं। इस दौरान उनसे कुछ गलतियां भी हुईं। वर्ल्ड रैंकिंग में 12वें पायदान पर मौजूद सुन यू ने 10-5 से बढ़त बनाने के बाद पहला गेम 21-11 से अपने नाम कर लिया। भले ही पहला गेम साइना नेहवाल के पक्ष में नहीं रहा, लेकिन अगले गेम में उन्होंने शानदार वापसी कर ली। साइना ने सुन यू के खिलाफ जोरदार वापसी करते हुए इस गेम को 21-14 से अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में वापसी के साथ साइना अपने रंग में आ गई थीं, लेकिन तीसरा गेम काटे की टक्कर का रहा। दोनों ही खिलाड़ी प्वाइंट्स के लिए संघर्ष करती दिखीं, लेकिन आखिरकार साइना ने तीसरा गेम 21-19 से जीतकर फाइनल अपने नाम कर लिया। लंदन ओलंपिक-2012 में ब्रॉन्ज मेडल जीतने के बाद साइना ने दूसरी बार ऑस्ट्रेलियन ओपन सुपर सीरीज अपने नाम कर ली थी, जिसके बाद उन्होंने साल 2017 में वर्ल्ड चैंपियनशिप में

■ साइना नेहवाल का पहला ऑस्ट्रेलिया ओपन सुपर सीरीज खिताब था

■ चाइना ओपन में भी सुन के विरुद्ध जीत दर्ज की थी

ब्रॉन्ज मेडल जीता। इसके बाद साल 2018 में गोल्ड कोस्ट में खेला गया कॉमनवेल्थ गेम्स साइना नेहवाल के लिए बेहद खास रहा, जहां उन्होंने दो गोल्ड मेडल अपने नाम किए। साइना ने 'मिक्स्ड टीम' और 'विमेंस सिंगल्स' में गोल्ड जीतकर बैडमिंटन जगत में अपना लोहा मनवा लिया। साइना कॉमनवेल्थ गेम्स के सिंगल्स इवेंट में दो गोल्ड जीतने वाली पहली भारतीय शटलर बनीं। एशियन चैंपियनशिप-2018 और एशियन गेम्स-2018 में साइना ने ब्रॉन्ज जीतकर इस साल अपना दबदबा कायम रखा, लेकिन इस शानदार साल के बाद साइना किसी बड़े इवेंट में पदक नहीं जीत सकीं। 17 मार्च 1990 को हिसार में जन्मीं साइना नेहवाल ओलंपिक पदक जीतने वाली पहली भारतीय शटलर हैं। साल 2008 में बीडब्लूएफ वर्ल्ड जूनियर चैंपियनशिप जीतने के बाद इसी साल उन्होंने बीजिंग ओलंपिक में हिस्सा लिया, लेकिन उन्हें अपना पहला ओलंपिक पदक साल 2012 में मिला। इसके बाद साइना उन तमाम खिलाड़ियों के लिए रोल मॉडल बनीं, जो बैडमिंटन में नाम कमाने का सपना देख रहे थे। साल 2008, 2012 के बाद साइना ने 2016 रियो ओलंपिक में भी देश का प्रतिनिधित्व किया था। साल 2023 में सिंगापुर ओपन में हिस्सा लेने के बाद से साइना ने कोई प्रतिस्पर्धी टूर्नामेंट नहीं खेला। अगले साल उन्होंने खुलासा किया कि वह अर्थराइटिस की वजह से रिटायरमेंट का प्लान कर रही हैं, जिसने उनके फैंस को चौंका दिया। साइना नेहवाल को उनके शानदार प्रदर्शन के चलते अर्जुन अवॉर्ड (2009), पदम श्री (2010) और पद्म भूषण (2016) से नवाजा जा चुका है

बाबर, रिजवान और शाहीन पाकिस्तान के बांग्लादेश और वेस्टइंडीज के टी-20 दौरे के लिए नजरअंदाज

मुंबई, 11 जून (एजेंसियां)। राष्ट्रीय सीनियर पुरुष चयन समिति ने पूर्व कप्तानों बाबर आजम, मोहम्मद रिजवान और तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी की अनदेखी जारी रखी है और उन्हें बांग्लादेश और वेस्टइंडीज के आगामी दौरे के लिए टी20 टीम से बाहर कर दिया है। टेलीकॉम एशिया स्पोर्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान के चयनकर्ताओं ने व्हाइट-बॉल हेड कोच माइक हेसन और कप्तान सलमान आगा के परामर्श से सीनियर खिलाड़ियों को शामिल नहीं करने का फैसला किया। यह निर्णय व्हाइट-बॉल दौरों और आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में उनके हालिया प्रदर्शन पर आधारित लगता है। रिजवान की अगुआई में पाकिस्तान ने दक्षिण अफ्रीका में 2-0 से टी20 सीरीज में हार का सामना किया, जिसमें बाबर ने भी हिस्सा लिया था। उसके बाद, दोनों को न्यूजीलैंड दौरे और बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू सीरीज से बाहर कर दिया गया। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पाकिस्तान का प्रबंधन और चयन समिति बाबर और रिजवान से आगे बढ़ना चाहती है, जबकि हेसन और सलमान दोनों ने कहा है कि दोनों पूर्व सलामी बल्लेबाजों के लिए दरवाजा बंद नहीं हुआ है, जिनका स्ट्राइक रेट और टी20 में बल्लेबाजी फॉर्म हाल की हार में पाकिस्तान की समस्याओं का हिस्सा रहा है।

सार समाचार

जैन तपस्वी तेजस का किया सम्मान

आष्टा, देशबन्धु। नगर के युवा व्यवसायी तथा प्रमुख समाजसेवी राहुल धाड़ीवाल के पुत्र तेजस ने सिर्फ ग्यारह वर्ष की आयु में नासिक तीर्थ में 47 दिवसीय उपधान तप की कठिन तपस्या गुरु सानिध्य में की । तपस्या की पूर्णता पर आचार्य श्रीमद विजय कुमुदचन्द्र सूरी महाराज ने तपस्वी तेजस को मोक्ष माला पहना कर आगामी धर्ममय जीवन की सफलता हेतु आशीष दिए ।तेजस श्वेताम्बर जैन समाज के वीरेंद्र धाड़ीवाल के पौत्र हैं जिनकी एक पुत्री कु. भावना जैन साध्वी बन कर तत्वरूचि महाराज साब के रूप में पूरे देश मे जैन धर्म के प्रमुख सिद्धांत सत्य और अहिंसा का प्रचार प्रसार कर धर्म प्रभावना में संलग्न हैं । तपस्वी तेजस के नगर आगमन पर विभिन्न स्थानों पर उनका स्वागत सत्कार हुआ । प्रभु प्रेमी संघ के संयोजक पूर्व नपाध्यक्ष कैलाश परमार, एडवोकेट प्रदीप धारीवाल, समाजसेवी संजय अग्रवाल, एडवोकेट सुरेंद्र सिंह परमार, वीरेंद्र परमार आदि ने भी अदालत चौराहा पर तेजस धाड़ीवाल का स्वागत किया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस तैयारी को लेकर हुई बैठक

विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण 17 से

गंजबासौदा,देशबन्धु। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून की तैयारियों को लेकर विकास खंड योग समिति की बैठक का आयोजन शासकीय उत्कृष्ट उमा विद्यालय में हुआ। यह जानकारी योग गुरू सैयद शफाकत हुसैन कादरी ने दी। बैठक की अध्यक्षता करते हुए चंद्र कुमार तारण ने कहा इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का एक दशक पूरा हो रहा है।

इस अवसर पर वृहद रूप मे कार्यक्रम आयोजित होंगे। इस दौरान प्राचार्य एमसी शर्मा ने कहा इस बार हम भव्य व दिव्य रूप में योग अंतर्राष्ट्रीय दिवस आयोजित कर रहे हैं। इसलिए विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के लिऐ 17 जून मंगलवार से योग दिवस तक लगातार प्रशिक्षण शिविर लगाए जाने की योजना है। प्रदीप कुमार चौरसिया ने बताया प्रमुख पर्यटन स्थलों पर भी अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योगाभ्यास का आयोजन किया जाएगा। एनसीसी अधिकारी प्रधानाध्यापक अनिल कुमार दुबे बताया कि इस बार सभी एनसीसी

के कैडैटस एनएसएस के स्वयंसेवक भी योगाभ्यास करेंगे। वैद्धराज निहाल पंथी ने निरोग रहने के लिए योग व आयुर्वेद सबसे उपयुक्त उपाय है। इनके माध्यम से हम स्वस्थ्य सुदीर्घ जीवन व्यतीत करते है।

विकास खंड योग सहप्रभारी सरिता पाल ने बताया पूरे देश मे एक साथ 21 जून को सुबह 6 बजे से कार्यक्रम शुरू होकर 7:45 बजे तक चलेगा। इसमें जनप्रतिनिधि, सामाजिक, सांस्कृतिक संस्थाओं के सदस्य व पदाधिकारीगण, निर्वाचित प्रतिनिधि, योगाभ्यासी, युवा, युवती, पुलिस प्रशासन, रिटायर्ड फौजी सहित इच्छुक व्यक्ति शामिल हो सकते है।

108 मरीजों का नेत्र परीक्षण, 15 को मोतियाबिंद चिन्हित

गंजबासौदा,देशबन्धु। सदगुरु सेवा संघ ट्रस्ट द्वारा संचालित विजन सेंटर पर नेत्र शिविर आयोजित किया गया। जिसमें 108 मरीजों का परीक्षण किया गया। इनमें से 15 मरीज मोतियाबिंद के चिन्हित किए गए, जिन्हें ऑपरेशन के लिए आनंदपुर भेजा गया। 49 लोगों को नि:शुल्क दवाईयां प्रदान की गई ।

डॉ. राजकरण वर्मा, कैंप इंचार्ज पिंकू जादौन ने बीपी एवं शुगर लेवल की जांच की। अभिषेक जादौन ने 25 लोगों के चश्मे के नंबर निकाले। 19 लोगों को चश्मे प्रदान किए गए। शिविर सहयोगी सुनील बाबू पिंगले बताया कि इस शिविर को विश्व नेत्र दान दिवस के उपलक्ष्य में स्व. नारायण सदाशिव पिंगले सेवा संस्थान के सहयोग से समाज सेवी भगवान दास साहू, गणेश राम रघुवंशी, डा. एके जैन के आतिथ्य में लगाया गया। शिविर में सभी डाक्टरों की टीम का स्वागत पुष्पहार पहना कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का संचालन विजय अरोरा ने किया। इस दौरान दीपक तिवारी, मानव अधिकार सुरक्षा एवं स्वास्थ्य संगठन के प्रांतीय अध्यक्ष एके जैन, जिलाध्यक्ष गणेश राम रघुवंशी, भगवान दास साहू ने कहा कि सदगुरु सेवा संघ ट्रस्ट द्वारा नेत्र ज्योति प्रदान कर पुण्य का अवसर प्रदान गया है। शिविरों का लगातार आयोजन ग्रामीण क्षेत्रों में भी ट्रस्ट के रवि उपाध्याय के कुशल मार्गदर्शन में लगाया जा रहा है। समाज सेवी जगदीश एलिया, महेंद्र सिंह सूर्यवंशी, हेमंत भंडारी ने अपना सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

पुलिस में चयन होने पर प्रीति को विधायक ने दी बधाई

आष्टा, देशबन्धु। ग्राम लाखिया निवासी मिश्रीलाल चक्रवर्ती की बेटी कु.प्रीति चक्रवर्ती का मध्यप्रदेश पुलिस में चयन होने पर विधायक गोपाल सिंह इंजीनियर ने बेटी प्रीति का स्वागत सम्मान किया । आज अपने पिता के साथ बेटी सुबह विधायक कार्यालय आई एवं विधायक से भेंट की । विधायक ने प्रीति के चयन होने पर खुशी व्यक्त की विधायक ने कहा हमे आप पर गर्व है की आप मेरी विधानसभा की जांबाज बेटी है, में आपके उज्जवल भविष्य की कामना करता हूं।

अनियंत्रित होकर पलटे ट्रक में आग लगने से सामान जला

गंजबासौदा, देशबन्धु। अशोक नगर जाने वाले मार्ग पर एक ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। जानकारी के अनुसार ट्रक विदिशा से शिवपुरी पत्तल बनाने के लिए रोल लेकर जा रहा था। ट्रक में पलटने से आग लग गई, जिससे ट्रक पूरी तरह जलकर राख हो गया। वहीं ट्रक में रखे कागज के रोल जलकर नष्ट हो गए। घटना के दौरान ट्रक ड्राइवर और कुछ लोगों को हल्की चोटे आई हैं। यह घटना विदिशा अशोकनगर हाईवे पर विशनपुर के पास टायर फटने से घटी। जिससे ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। जिससे उसमें रखे दोना पत्तल बनाने वाले रोल कागज में आग लग गई, आग इतनी तेज थी कि उसे बुझाने में काफी समय लगा।

कीटनाशक खाने से युवती की मौत

गंजबासौदा, देशबन्धु। ग्राम ककरावदा में रहने वाली 22 वर्षीय युवती ने धोखे से कीटनाशक खा लिया। जिससे उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। युवती को गंजबासौदा से जिला अस्पताल विदिशा रेफर किया गया था। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। घटना की जांच की जा रही है और पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है। परिजनों का कहना है कि युवती ने धोखे से कीटनाशक खा लिया था, जिससे उसकी मौत हो गई।

वन भूमि पर अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ वन विभाग ने की कार्रवाई

आष्टा, देशबन्धु। वन भूमि को अतिक्रमण से सुरक्षित रखने के लिए वन विभाग जून माह में अधिक महनत करना प?ता है, इस माह में वन भूमि पर अतिक्रमण करने वाले भूमाफिया पहले वन भूमि पर से अवैध रूप से लकड़ी की कटाई कर उनमें आग लगा देते है और धीरे-धीरे उसे पर कब्जा करनाशुरू कर देते हैं।

लेकिन इस बार रेंजर नवनीत झा और उनकी टीम लगातार गश्त कर रही है और वन विभाग की भूमि के साथ साथ लकड़ी की भी सुरक्षा कर रहे है। डीएफओ मगर सिंह डाबर के निर्देश एंव एसडीओ एलविन बार्मन के मार्गदर्शन में लगातार वनमाफिया के खिलाफ कार्यवाही करत हुए वन भूमि पर कब्जा करने

वाले के खिलाफ कार्यवाही की जा रही है। गुरुवार को सिद्दीकगंज क्षेत्र के अंतर्गत धरमपुरी बीट 145 के जंगल में अवैध तरीके से ट्रेक्टर चलने की सूचना मिली थी, मौके पर टीम पहूंची और जेसीबी के माध्यम से अतिक्रमण की गई भूमि को कब्जा मुक्त किया गया। साथ मे आरोपी की तलाश की जा रही है। रेंजर नवनीत झा ने बताया कि बारिश से पहले कुछ भू माफिया वन भूमि पर कब्जा करने का प्रयास करते हैं। उनके मंसूबों को नाकाम करते हुए कार्यवाही की जा रही है। आज धरमपुरी की बीट से 5 हेक्टेयर भूमि वनमाफिया से मुक्त करवाई। इस महत्वपूर्ण सफलता में रेंजर नवनीत झा, डिप्टी रेंजर छगन लाल भिलाला, रंजना भालसे, वन रक्षक विजय वर्मा, देवेन्द्र कुमार नायक, फेजल बर्नी, सावत्रि मारकाम आदि वनकर्मी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सभी बैंक अटल पेंशन, जीवन ज्योति, जीवन सुरक्षा के आवेदन प्रमुखता से लें: कलेक्टर

छतरपुर, देशबन्धु। कलेक्टर पार्थ जैसवाल ने डीएलसीसी, डीएलआरसी और डीएलएमसी प्रकरणों की समीक्षा करते हुए विभिन्न योजनाओं के लक्ष्य और उनकी पूर्ति गंभीरता से करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर श्री जैसवाल ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजनाओं के लक्ष्यों की पूर्ति समय सीमा में शीघ्र की जाए। प्रत्येक विभाग अपनी रिपोर्ट तैयार करके आगामी बैठक में उसकी प्रगति प्रस्तुत करे। बैठक में आर्थिक सुधार फंड की प्रस्तुति, आरएसईटीआई प्रशिक्षण केंद्र की जानकारी, एनपीए और आरटीसी की वसूली और सीएमए हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायतों के समाधान के बारे में भी चर्चा की गई। कलेक्टर ने बैंकों को विभिन्न योजनाओं के आवेदकों के लंबित प्रकरण शीघ्र निराकृत करने के निर्देश देते हुए कहा कि उचित कारण दर्ज न होने पर अस्वीकृत प्रकरणों को पुन: भेजा जाएगा। उन्होंने कहा पीएमएफएमई योजना के निरस्त केसों में कमी लाएं और प्रकरणों को शीर्घ स्वीकृत किया जाए। कलेक्टर ने सभी बैंकर्स से कहा जिला प्रशासन के साथ समन्वय से काम करें। प्राइवेट बैंकों को निर्देशत किया गया कि वे डीएलसीसी में भाग लें। बैठक में जिला पंचायत सीईओ तपस्या परिहार, आरबीआई के अधिकारी, एलडीएम और जिले के बैंकर्स सहित नगरीय निकायों के सीएमओ और संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर ने सभी संबंधित विभागों जैसे मछली पालन, पशुपालन, कृषि को निर्देशित किया है कि वे अधिक से अधिक हितग्राहियों को शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए प्रेरित करें। विशेष रुप से सभी लंबित केसीसी, आवेदनों को शीघ्र पूर्ण कराके पोर्टल पर जमा करें, ताकि पात्रों को समय पर इनका लाभ मिल सके। कलेक्टर ने कृषि अधोसंरचना निधि के तहत आवेदन करने के निर्देश देते हुए ऐसे लाभार्थियों को दीर्घकालीन ऋण के लिए प्रोत्साहित किया जाए ताकि कृषि क्षेत्र में निजी निवेश को बढ़ावा मिले और अधोसंरचना को सशक्त किया जा सके।

साहित्यकार अजहर हाशमी को दी श्रद्धांजलि

आष्टा, देशबन्धु। हिन्दी-उर्दू साहित्य जगत के प्रख्यात साहित्यकार, वक्ता और विचारक अजहर हाशमी साहब का निधन हो गया। उनके निधन से साहित्यिक और सांस्कृतिक जगत में गहरा शोक व्याप्त हो गया है। वे बहुआयामी प्रतिभा के धनी थे, जिनकी लेखनी सामाजिक सरोकारों, मानवीय संवेदनाओं और आध्यात्मिक दृष्टिकोण से परिपूर्ण थी।अजहर हाशमी साहब का साहित्यिक जीवन अनेक दशकों में फैला हुआ था।

वे न केवल एक ओजस्वी कवि थे, बल्कि एक गम्भीर आलोचक, लेखक और प्रेरणादायक वक्ता के रूप में भी उन्होंने अपनी विशिष्ट पहचान बनाई। उनका लेखन जीवन, दर्शन और समाज के विविध पहलुओं को गहराई से छूता था। नगर में गुड़ी पड़वा, शिक्षक दिवस और गुरु पूर्णिमा के अवसर पर वे एक धर्म मर्मज्ञ, प्रेरक उद्बोधक, चिंतक और साहित्यकार के रूप में कैलाश परमार मित्रमंडल तथा प्रभु प्रेमी संघ के द्वारा आयोजित साहित्यिक व सांस्कृतिक आयोजनों में वे मंच को सुशोभित करते रहे। उनकी वाणी में गहराई,

सौम्यता और विचारों की स्पष्टता होती थी, जिससे श्रोता मंत्रमुग्ध हो जाते थे। उनका व्यक्तित्व संयमित, विनम्र और प्रेरणादायक था। वे अपने पीछे साहित्य की एक समृद्ध विरासत छोड़ गए हैं, जो आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरित करती रहेगी। उनके निधन पर नगर के साहित्यकारों, संस्कृतिकर्मियों, राजनीतिज्ञ और सुधी जन कैलाश परमार , रामश्रीवादी , अजित जैन आस्था, अतुल सुराणा , डॉ प्रशांत जामलिया एडवोकेट प्रह्लाद सिंह खड़ी , पुष्पेंद्र सैंधव, अजमतुल्लाह , संजय जैन किला , जुगल पंवार आदि ने गहरा शोक जताया है। अनेक संस्थाओं और संगठनों ने उनके योगदान को याद करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें और उनके परिजनों को यह दुख सहने की शक्ति दें।

विदेशी धरती पर बनेगा पहला बागेश्वर सनातन मठ

छतरपुर, देशबन्धु। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने फिजी में बागेश्वर सनातन मठ के लिए भूमिपूजन किया है। विदेशी धरती पर स्थापित होने वाला यह पहला बागेश्वर सनातन मठ होगा। इसके पूर्व मुंबई के भिवंडी में मठ की स्थापना की जा चुकी है।

बता दें कि धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री जून के पहले सप्ताह से विदेश यात्रा पर हैं। पहले ऑस्ट्रेलिया के ब्रिस्बेन में 6 से 8 जून तक उन्होंने श्री हनुमत कथा सुनाई, इसके बाद कैनबरा में संसद भवन पहुंचे। सिडनी में गुरु शिष्य मिलन कार्यक्रम में शामिल हुए। अब वे फिजी पहुंचे हैं। वे यहां भी 13 से 15 जून तक श्री हनुमत कथा सुनाएंगे। उन्होंने भक्तों को सत्संग से जुड़ने का संदेश देते हुए कहा कि जो शैतानों से टकराता है, वही हनुमान होता है। उन्होंने युवाओं को सोशल मीडिया पर सतर्क रहने की सलाह भी दी है।

जिला स्तरीय प्रशिक्षण में दी साक्षरता कार्यक्रम की जानकारी

छतरपुर, देशबन्धु। जिला साक्षरता मिशन प्राधिकरण द्वारा उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम तहत बीएड कॉलेज में जिला स्तरीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।

प्रशिक्षण में जिले के सभी बीईओ, विकासखंड श्रोत समन्वयक, विकासखंड अकादमिक समन्वयक, विकासखंड सह समन्वयक एवं संकुल सह समन्वयक शामिल हुए। मीडिया प्रभारी अनुपम त्रिपाठी ने बताया प्रशिक्षण का शुभारंभ बीएड कॉलेज के प्राचार्य एमके त्रिपाठी ने किया। डाइट प्राचार्य आरके वर्मा भी मौजूद रहे। जिला प्रौढ़ शिक्षा अधिकारी शिवेंद्र निगम ने उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया। प्रशिक्षण में 15 वर्ष से अधिक आयु के असाक्षरों का सर्वे, चिन्हांकन एवं मूल्यांकन के बारे में बताया गया। गांवों में स्थित सामाजिक चेतना केंद्रों को अधिक प्रभावकारी बनाने के बारे में टिप्स दिए गए। प्रशिक्षण में बीईओ एवं बीआरसी का सक्रिय सहयोग लेने पर भी चर्चा की गई। प्रशिक्षण में ग्राम मनिया से आई अक्षर साथी प्राशा द्विवेदी

ने स्व निर्मित टीएलएम सामग्री का प्रदर्शन कर साक्षरता अभियान से जुड़े अपने अनुभव साझा किए।प्रशिक्षण में विकासखंड सह समन्वयक महेंद्र दीक्षित, आनंद अरजरिया, रामस्वरूप जाटव एवं जय खरे ने भी विचार रखे।प्रशिक्षण का संचालन जिला सह समन्वयक शफीक अहमद ने किया।

ग्रामीणों के प्रदर्शन के बाद बदले गए खराब ट्रांसफार्मर

हरपालपुर, देशबन्धु। सरसेड गांव में लंबे समय से बिजली की समस्या से जूझ रहे ग्रामीणों के प्रदर्शन के बाद बिजली कंपनी ने खराब ट्रांसफार्मर बदलकर विद्युत प्रवाह को सुचारू कर दिया है। बता दें कि गत सोमवार को भीषण गर्मी के बीच सरसेड गांव के दो दर्जन से अधिक ग्रामीणों का आक्रोश बिजली विभाग के खिलाफ फूट पड़ा था। ग्रामीणों ने हरपालपुर बिजली वितरण केंद्र के कनिष्ठ अभियंता का घेराव कर 6 महीने से खराब पड़े ट्रांसफार्मर को बदलने की मांग की और ज्ञापन सौंपा था। ग्रामीणों का कहना था कि बिजली की अनियमित आपूर्ति से उनकी दिनचर्या प्रभावित हो रही है। छतरपुर उप संभाग के सहायक अभियंता ह्रदेश चतुर्वेदी ने बताया सरसेड गांव में डीपी खराब होने की शिकायत मिली थी। तत्काल कार्रवाई करते हुए ओआईसी जितेंद्र प्रजापति को निर्देश दिए गए।

सबसे पहले देव पूजा, फिर गुरु उपासना कर मनुष्य जीवन सार्थक करें : आर्यिका विदिता

आष्टा, देशबन्धु। पुण्य के कारण पंचम काल में मनुष्य भव प्राप्त हुआ है। कदम -कदम पर दु:ख ही दु:ख मिलता है। पुण्य है कि दु:ख में अपने आपको संभाले हुए हैं।सुख के लिए दिन भर पसीना बहा रहे हो, ताकि हम खुश रहे और हमारी पी?यां सुखी रहें। जैन धर्म में त्याग - तपस्या आपको कठिन लगती है,लेकिन आप महिलाएं हमसे अधिक भोजन शाला में तपती है।आप राग के वशीभूत होकर तपती है। त्याग करके तपोगे तो कितना पुण्य अर्जित करोंगी। नित्य पहले देव पूजा फिर गुरु उपासना करें। त्याग, तपस्या श्रावक को करना चाहिए। श्रावक विवेकवान, क्रिया वान और श्रद्धा वान होना चाहिए। सच्चे देव की पूजा करना ही देव पूजा कहलाती है।जो वीतरागी,सर्वज्ञ और हितोपदेशी है वहीं अरिहंत भगवान है। अठारह दोषों से रहित वीतरागी होते हैं।हित की बातें कहें वह हीतोपदेशी है। राग द्वेष से रहित ही सच्चे देव हैं। उक्त बातें श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन दिव्योदय अतिशय तीर्थ क्षेत्र किला मंदिर पर गणाचार्य श्री विराग सागर जी महाराज की सुयोग्य शिष्या आर्यिका रत्न 105 श्री विदिता श्री माता जी ने नगर प्रवेश के पश्चात आशीष वचन देते हुए कही। आपने कहां कि अरिहंत भगवान हमें शिक्षा, उपदेश देते हैं। शास्त्र प?ने के लिए भी गुरु की आवश्यकता होती है।गुरुओं का सानिध्य मिलने पर ही आप और हम में परिवर्तन आता है, गुरुओं पर श्रद्धान होना चाहिए। देव,शास्त्र और गुरु की आराधना करें।आर्यिका विदिता श्रीजी ने कहा गर्भ में आते ही णमोकार महामंत्र सुनाया और बाहर आने पर भी सुन रहे हो।णमोकार महामंत्र में दो देव और चार गुरु है।अहम व्यक्ति को डूबों देता है। आपने कहां चतुर्थ काल में 23 तीर्थंकर हुए और तृतीय काल में आदिनाथ भगवान हुए। भगवान महावीर स्वामी के शासन काल में जन्म लिया, समाधि मरण के भाव और मोक्ष प्राप्त हो यही भावना रखें। कर्म के फल सभी को भोगना पड़ता है। सम्यकत्व से काम कर आत्मा का कल्याण करें।

इंदौर नाका से अगवानी कर आर्यिका रत्न विदिता श्रीजी ससंघ का मंगल प्रवेश कराया: गणाचार्य श्री विराग सागर जी महाराज की सुयोग्य शिष्या आर्यिका रत्न 105 श्री विदिता श्री माता जी व क्षुल्लिका विनती श्री माता जी ससंघ का 11 जून बुधवार को प्रात: इन्दौर नाका से मंगल प्रवेश हुआ। साधर्मी जनों ने आर्यिका संघ की मंगल आगवानी कर जुलूस के रूप में नगर प्रवेश कराकर पुण्य अर्जन किया।

विधायक ने शिकायतों के निराकरण के लिए संबंधित विभागों को दिए निर्देश

रामपुरा में जल संकट से निपटने जल्द करवाया जाएगा बोर : विधायक

आष्टा, देशबन्धु। प्रत्येक बुधवार को विधायक अपने कार्यालय में सुबह 10 बजे से जनता की समस्याओं को सुनने,उन्हे हल करवाने के लिये जनसुनवाई करते है । बुधवार को प्रात: 10 बजे से कार्यालय में उपस्तिथ रह कर विधायक गोपालसिंह इंजीनियर ने जनता की समस्याओं को सुना एवं उनकी समस्याओं को हल करने के सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिये।

ग्राम रामपुरा के कई ग्रामीण ओर महिलाए जनसुनवाई में पहुचे ओर ग्राम में जल संकट को दूर करने हेतु जल्द एक बोर कराने की मांग की। विधायक ने भरोसा दिया कि ग्राम में जल्द बोर खनन कराया जायेगा । विधायक श्री इंजीनियर जो की हर बुधवार को अपने कार्यालय में जन सुनवाई कार्यक्रम के तहत उपस्तिथ

रहते है । आज भी बड़ी संख्या में क्षेत्र से नागरिक जनसुनवाई में पहुचे एवं अपनी अपनी पीड़ा से विधायक को अवगत कराया एवं आवेदन दिये। जनता से प्राप्त आवेदनों पर विधायक ने कहा एक सेवक होने के नाते आपकी समस्याओं को हल करना मेरा धर्म है। आज आये आवेदनों को तत्काल सम्बंधित विभागों के अधिकारियों से चर्चा कर ग्रामीणों की समस्याओं का समय सीमा में तत्काल निराकरण करने के निर्देश दिये ।

आज जनसुनवाई में कई विभागों के जैसे आवेदन प्राप्त हुए उन्हें निराकरण हेतु भेजे गये । विधायक गोपाल सिंह इंजीनियर ने कार्यालय आए सभी नागरिकों को भरोसा दिया कि आपकी समस्याओं का जल्द निराकरण होगा। विधायक ने प्राप्त शिकायतों एवं आवेदनों को संबंधित विभागों को निराकरण के लिए निर्देश दिए हैं। विभागों की आई समस्याओं को लेकर मौके से ही सम्बंधित विभाग के अधिकारियों को आई समस्याओं के निराकरण करने के निर्देश दिये,कुछ आवेदन निराकरण के लिए संबंधित विभागों को भेजे गए ।

ताप्ती तीरे

सार-समाचार

ग्रामवासियों ने जनसुनवाई में सौंपा ज्ञापन, सड़क निर्माण की उठी मांग

आमला, देशबन्धु। ग्राम पंचायत बोचनवाड़ी के ग्रामीणों ने तहसीलदार श्रीमती ऋचा कोर को मुख्यमंत्री मोहन यादव के नाम एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में ग्राम बोव्हानवाड़ी से सारनी बेलोड होते हुए मात्र 3 किलोमीटर की सड़क निर्माण की मांग की गई। ग्रामीणों ने बताया कि सड़क की खराब हालत के कारण आवागमन में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है, विशेषकर वर्षा ऋतु में स्थिति और भी दयनीय हो जाती है। इस मार्ग का निर्माण होने से ग्रामवासियों को शासकीय योजनाओं का लाभ लेने, स्वास्थ्य सेवाओं और शिक्षा तक पहुंचने में सुविधा होगी। ज्ञापन सौंपने वालों में राजेन्द्र गोयल, प्रदीप ,मोहन, संजय ,राजा, रोहित, प्रेम मौर्य, आदिवासी पार्टी अध्यक्ष अनिल ऊईके , विनोद कुमार एवं अन्य ग्रामीण उपस्थित रहे। ग्रामीणों ने आशा जताई कि शासन इस मांग को गंभीरता से लेकर शीघ्र सड़क निर्माण की दिशा में कदम उठाएगा।

सौभाग्यवती महिलाओं ने पतिदेव की लंबी उम्र के लिए की प्रार्थना

सारणी, देशबन्धु। बुधवार को कॉलोनियों और मोहल्लों के सार्वजनिक वटवृक्षों के पास सुबह से ही सुहागिन महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में, सोलह श्रृंगार किए हुए समूह बनाकर जुटना शुरू हो गईं। उनके हाथों में पूजा की थालियां थीं, जिनमें रोली, चावल, दीपक, फल, फूल, मिठाई और पवित्र धागा (मौली) सजा हुआ था। इन महिलाओं के चेहरों पर जहां एक ओर व्रत का तेज और भक्ति का भाव स्पष्ट दिख रहा था, वहीं दूसरी ओर अपने जीवनसाथी की लंबी उम्र और सुख-समृद्धि की कामना की अटूट श्रद्धा भी झलक रही थी। महिलाएं एक-दूसरे को वट सावित्री की शुभकामनाएं दे रही थीं, भजन-कीर्तन कर रही थीं और कथा-कहानी सुना रही थीं। यह पर्व उन्हें अपने पारिवारिक और सांस्कृतिक जड़ों से जोड़े रखता है, और उन्हें एक साथ आने का अवसर प्रदान करता है।

कचरा, प्लास्टिक, कटते पेड़ और जहरीली हवा पर जताई चिंता

बैतूल, देशबन्धु। जिले में लगातार बढ़ रहे वायु, जल और ध्वनि प्रदूषण को लेकर भारतीय मजदूर संघ पर्यावरण मंच ने मंगलवार को कलेक्टर को एक ज्ञापन सौंपा। पर्यावरण मंच के जिला संयोजक रामनारायण शुक्ला के मार्गदर्शन में सौंपे गए इस ज्ञापन में जिला प्रशासन से प्रदूषण रोकने के लिए तत्काल प्रभाव से ठोस कदम उठाने की मांग की गई। ज्ञापन देने पहुंचे प्रतिनिधिमंडल में भारतीय मजदूर संघ के जिला मंत्री पंजाबराव गायकवाड़, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राजेश मंसूरिया, संपत दरवाई, डॉ. गोविंद साहू, महेन्द्र प्रजापति, राजेन्द्र कनेरे प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने बताया कि प्रदूषण का सीधा असर आम जनता के स्वास्थ्य पर हो रहा है।

यह रहे प्रमुख रूप से शामिल

ज्ञापन देने वालों में राज्य कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष सचिन राय, घोड़ाडोंगरी भामसं तहसील अध्यक्ष संजय ठाकुर, पुरूषोत्तम सरियाम, ऋषभ जैन, दीपक झारिया, सुनील पाल, बिजली कर्मचारी महासंघ के अध्यक्ष चंद्रभान पंडाग्रे, बाबूलाल पवार आदि शामिल रहे। प्रकाश वंजारे, विनेश बारस्कर, मीरा खातरकर, मीरा पंडोले, अंकिता वरवड़े, अनिता मालवीय, रूपलाल गोहे, इमरत पेंड्रे, कृष्णा साहू, प्रवीण नरवरे, भरत साहू, कमलेश कासलेकर, आदि प्रमुख हैं।

सरकारी खंभे पर घर के लिए जूनो लाइट का भी खुलासा, उठे गंभीर सवाल!

साहब को फल खाना था, ले आए सरकारी क्रेन और तुड़वा लिए

बैतूल/सारनी, देशबन्धु। जनता के पैसों से खरीदी गई सरकारी मशीनरी का निजी हित में इस्तेमाल, सारनी में एक बार फिर गंभीर सवालों के घेरे में आ गया है। नगर पालिका परिषद सारणी के बिजली विभाग के प्रभारी श्रीपाद काटोलकर पर बिजली क्रेन वाहन के खुलेआम दुरुपयोग का संगीन आरोप लगा है। यह क्रेन, जिसे बिजली विभाग द्वारा ऊंचाई पर स्थित खंभों पर लाइन सुधारने जैसे आवश्यक कार्यों के लिए उपयोग में लाया जाता है, उसका कथित तौर पर श्री काटोलकर अपने निजी आवास पर कैरियां (फल) तोड़ने के लिए इस्तेमाल करते हुए पाए गए हैं। यह कृत्य सीधे तौर पर नगर पालिका के नियमों का उल्लंघन है, जहां सरकारी संपत्ति का निजी उपयोग सख्त वर्जित है।

नगर पालिका द्वारा लाखों की लागत से खरीदी गई यह बिजली क्रेन आम जनता की सेवा और शहर की बिजली व्यवस्था को सुचारु रखने के लिए है। लेकिन, प्रभारी पद पर बैठे एक अधिकारी द्वारा इसे अपने घर के आंगन में लगे पेड़ों से फल तोड़ने जैसे बेहद व्यक्तिगत कार्य के लिए इस्तेमाल करना, पद का घोर दुरुपयोग और सरकारी संसाधनों का खुला हनन है। यह न सिर्फ नियम विरुद्ध है, बल्कि यह जनता के पैसे की बर्बादी और सार्वजनिक विश्वास के साथ खिलवाड़ भी है।

नियमों की सरेआम धज्जियां, प्रशासन पर सवाल

नगर पालिका के नियम स्पष्ट रूप से यह कहते हैं कि कोई भी कर्मचारी या अधिकारी सरकारी मशीनरी, वाहन या किसी भी संपत्ति का निजी कार्य के लिए उपयोग नहीं कर सकता। श्रीपाद काटोलकर जैसे जिम्मेदार पद पर बैठे व्यक्ति द्वारा इन नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ाना, न सिर्फ उनकी कार्यप्रणाली पर सवाल उठाता है, बल्कि नगर पालिका प्रशासन की निगरानी और जवाबदेही पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न लगाता है।

इस मामले की परतें खुलने के साथ ही एक और चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। बताया जा रहा है कि नगर पालिका बिजली विभाग के प्रभारी श्रीपाद काटोलकर के घर पर लगे बिजली के खंभे पर, आंगन में रोशनी करने के लिए पहले से ही एक जूनो लाइट लगी हुई है। यह जूनो लाइट भी कथित तौर पर सरकारी खर्चे पर लगाई गई है, जबकि उसी खंभे पर बाहर की ओर एक स्ट्रीट लाइट पहले से ही मौजूद है, जो सार्वजनिक रोशनी के लिए लगाई गई है। घर के आंगन में रोशनी के लिए सरकारी बिजली और उपकरण का यह दोहरा और अनावश्यक उपयोग, सरकारी संसाधनों के दुरुपयोग की एक और कड़ी को दर्शाता है।

सारनी के स्थानीय नागरिकों में इस घटना को लेकर गहरा रोष व्याप्त है। उनका कहना है कि जब जिम्मेदार अधिकारी ही इस तरह सरकारी संपत्ति का दुरुपयोग करेंगे, तो आम जनता में कानून और नियमों के प्रति विश्वास कैसे कायम रहेगा?

इनका कहना है

सरकारी उपकरणों का कर्मचारियों द्वारा निजी कार्य के लिए इस्तेमाल करना नियम के खिलाफ है। जांच करवाता हूं, दोषी पाए जाने पर कार्रवाई की जाएगी।

सी.के मेश्राम, सीएमओ
नगर पालिका परिषद, सारनी

बिजली विभाग की क्रेन वहां का नगर पालिका कर्मचारी द्वारा फल तोड़ने के लिए किया जा रहा है, मुझे इसकी जानकारी नहीं है, अगर ऐसा किया जा रहा है तो गलत है। जानकारी लेता हूं, जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

कमलेश पटेल, उपयंत्री,
बिजली विभाग नगर पालिका परिषद, सारणी

नागपुर की कंपनी पर धोखाधड़ी का आरोप, मध्यप्रदेश के निवेशकों से 35 करोड़ ठगे

18 माह में रकम दोगुनी करने का लालच दिया, कर ली करोड़ों की ठगी

बैतूल, देशबन्धु। बातें थी ऊंचे मुनाफे की, वादे थे रकम दोगुनी करने के, भरोसा था चमचमाते दफ्तरों और मोटिवेशनल भाषणों का... लेकिन हकीकत कुछ और ही निकली। निवेशकों के अरमान तब चकनाचूर हो गए जब पता चला कि जिन लोगों को उन्होंने अपना खून-पसीने का पैसा सौंपा था, वे सालों से फरार हैं। बैतूल से लेकर नागपुर तक फैले इस जालसाज गिरोह ने सैकड़ों मासूमों को सपनों का सब्जबाग दिखाकर करोड़ों रुपये हड़प लिए। चिट फंड कंपनी के इस रैकेट में बैतूल जिले के भोले भाले निवेशक भी रकम दोगुनी करने के लालच में भी फंस गए हैं। नागपुर में पहले से दर्ज मुकदमों और अब मध्यप्रदेश से जुड़ी शिकायतों के बाद कंपनी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की मांग तेज हो गई है।

जिले के ग्रामीण क्षेत्र से जुड़े हरीप्रसाद सरले राम नारायण बिजवे सहित अन्य निवेशकों ने लाखों रुपये की धोखाधड़ी के मामले में नागपुर की जनसेवा निधि लिमिटेड और एजीएम कॉर्पोरेशन और उसके संचालकों के खिलाफ पुलिस अधीक्षक बैतूल से शिकायत की है। शिकायत में बताया गया कि कंपनी के डायरेक्टर्स और सहयोगियों ने फर्जी मार्केटिंग योजनाओं के जरिए झूठे मुनाफे का प्रलोभन देकर आवेदक सहित सैकड़ों लोगों से लाखों रुपये निवेश करवा लिए और बाद में मैच्योरिटी पर भुगतान से मुकर गए। आवेदक ने बताया कि आरोपीगण में प्रमुख रूप से शामिल सुशील कोल्हे, पंकज कोल्हे, अजय लघवे, भरत साहू, रविन्द्रलाल आर्या, दिनेश कुमार टेकाम और वासुदेव वाघमारे ने विभिन्न पदों पर रहते हुए लोगों को झूठे वादे कर निवेश के लिए प्रेरित किया।

हरीप्रसाद सरले का आरोप है कि इतने गंभीर आर्थिक अपराध के बावजूद आज तक आरोपीगण के विरुद्ध कोई ठोस कार्यवाही नहीं की गई। कुछ निवेशकों ने मानसिक तनाव में आत्महत्या तक कर ली।

शिकायत में यह भी मांग की गई है कि कंपनी और आरोपीगण की चल-अचल संपत्ति, बैंक खाते अटैच किए जाएं और उनके विरुद्ध भारतीय दंड संहिता की धारा 420, 467, 468 सहित भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 318(4), 336(4), 338 के तहत मामला पंजीबद्ध किया जाए। शिकायतकर्ता ने पुलिस अधीक्षक से मांग की है कि आरोपीगण को तत्काल गिरफ्तार कर कानून के अनुसार कठोरतम सजा दी जाए कोई ठगी का शिकार न हो।

गरीब किसान, महिलाएं और आम नागरिक बुरी तरह हुए प्रभावित

आवेदक ने बताया कि उसके अधिवक्ता द्वारा दिनांक 08 अक्टूबर 2020 को रजिस्टर्ड नोटिस भेजा गया, जिसे आरोपी ने लेने से मना कर दिया। बाद में यह नोटिस 24 अक्टूबर 2020 को वापस आ गया। इसके पश्चात 11 अक्टूबर 2022 को नागपुर पुलिस आयुक्त कार्यालय द्वारा जनसेवा निधि लिमिटेड और एजीएम कॉर्पोरेशन के विरुद्ध आर्थिक अपराध शाखा में एफआईआर दर्ज करने की सूचना जारी की गई, जिसके बाद आवेदक और अन्य पीड़ित निवेशकों ने 15 अक्टूबर 2022 को नागपुर पहुंचकर पुलिस को सभी दस्तावेज प्रस्तुत किए।

विवाह समारोह में विवाद हुआ एसपी से मिलने जा पहुंची दुल्हन

बैतूल, देशबन्धु। शादी के मंडप में जब फेरे होने थे, तब वहां हंगामा और हाथापाई शुरू हो गई। वर पक्ष के कुछ बारातियों द्वारा अभद्रता और मारपीट करने के मामले का खुलासा शहर के खंजनपुर क्षेत्र से सामने आया है। बुधवार 11 जून को इस मामले की शिकायत वधु पक्ष द्वारा पुलिस अधीक्षक से की गई है।

शिकायत में आरोप लगाया है कि 17 मई को आयोजित विवाह कार्यक्रम के दौरान वर पक्ष के कुछ बारातियों ने गालीगलौज की। जब वधु पक्ष के परिजनों ने विरोध किया तो मारपीट की गई। दुल्हन के भाई के साथ तीन लोगों ने गला दबाकर जान से मारने की कोशिश की। दुल्हन सोनाली चौधरी का कहना है कि इस पूरे घटनाक्रम को लेकर 19 मई को कोतवाली थाना बैतूल में एफआईआर दर्ज कराई गई थी, शिकायत में कहा गया है कि इस पूरे मामले में पुलिस विभाग में पदस्थ अखिलेश हिंगवे भी शामिल था। उस पर मारपीट सहित एफआईआर दर्ज न करने की धमकी देने के आरोप है। सोनाली चौधरी ने बताया कि घटना के दौरान टेंट संचालक प्रकाश पंवार मोबाइल से वीडियो रिकॉर्डिंग कर रहा था, जिसे देखकर अखिलेश हिंगवे ने उसका मोबाइल फोन छीन लिया और उसे स्विच ऑफ कर अपने पास रख लिया। आरोप है कि बाद में गंज थाने में पदस्थ एक पुलिसकर्मी के माध्यम से टेंट वाले पर दबाव बनाकर वीडियो फुटेज डिलीट करवा दिया गया। दुल्हन का कहना है कि अब अखिलेश हिंगवे द्वारा एफआईआर से अपना नाम हटवाने का दबाव बनाया जा रहा है। ऐसा न करने पर उसने मुकेश डिगरसे के नाम पर की गई एफआईआर में धाराएं बढ़ाने और पीड़ित के अन्य परिजनों को झूठे मामलों में फंसाने की धमकी दी है। इस संबंध में आवेदिका ने पुलिस अधीक्षक से शिकायत कर निष्पक्ष जांच और आवश्यक कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

- वर पक्ष के बारातियों पर लगाए अभद्रता, जानलेवा हमले और धमकियों के आरोप

चौराहों के सौंदर्यीकरण और सड़क चौड़ीकरण से बदलेगी नगर की दशा और दिशा : खंडेलवाल

बैतूल, देशबन्धु। बैतूल में वर्षों से लंबित सौंदर्यीकरण योजना अब मूर्त रूप लेने जा रही है, जिससे शहर की छवि को नया आयाम मिलेगा। शहर की खूबसूरती और यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री अधोसंरचना विकास योजना के तहत बुधवार 11 जून को शिवाजी चौक, कारगिल चौक और अंबेडकर चौक के सौंदर्यीकरण एवं पार्किंग निर्माण कार्यों का विधिवत भूमिपूजन किया गया। अध्यक्षता बैतूल विधानसभा के विधायक हेमंत खंडेलवाल ने की, उन्होंने कहा कि इन प्रमुख चौराहों के सौंदर्यीकरण और सड़क चौड़ीकरण से नगर की दशा और दिशा दोनों बदलेगी। भारत सरकार के जनजातीय कार्य विभाग के केन्द्रीय राज्य मंत्री दुर्गादास उईके मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष सुधाकर पवार, नगरपालिका परिषद बैतूल की अध्यक्ष श्रीमती पार्वतीबाई बारस्कर, उपाध्यक्ष महेश राठौर, पूर्व विधायक अलकेश आर्य, मंडल अध्यक्ष विकास मिश्रा, विक्रम वैद्य, पार्षदगण आभा श्रीवास्तव, कायम कावरे, ममता मालवीय, रघुनाथ लोखंडे, तथा कुनबी समाज से अध्यक्ष मुन्ना मानकर, उज्जवल पांसे, सिद्धलता महाले भाजपा कार्यकर्ता दीपू सलूजा, अबिजर हुसैन, नगर के गणमान्य नागरिक, व्यापारीगण और शहर के प्रबुद्धजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

रोजगार सहायक की मनमानी से परेशान ग्रामीण

- पंचायत दर्पण पोर्टल पर कार्य न करने का आरोप
- वार्ड सदस्य मिथलेश अग्निहोत्री ने कलेक्टर से की शिकायत, अन्यत्र पदस्थ करने की मांग

बैतूल, देशबन्धु। ग्राम पंचायत केरपानी के रोजगार सहायक पंकज जैसवाल पर भेदभावपूर्ण व्यवहार और पंचायत दर्पण पोर्टल पर जिम्मेदारियों से पल्ला झाड़ने का गंभीर आरोप लगाया गया है। ग्राम पंचायत केरपानी के वार्ड सदस्य मिथलेश अग्निहोत्री ने इस संबंध में कलेक्टर को एक लिखित शिकायत सौंपते हुए तत्काल कार्रवाई की मांग की है।

शिकायतकर्ता मिथलेश अग्निहोत्री ने बताया कि उन्होंने अपने खेत में लगे सागौन के पेड़ों की जानकारी पंचायत दर्पण पोर्टल पर दर्ज कराने के लिए रोजगार सहायक पंकज जैसवाल से कई बार निवेदन किया, लेकिन उन्होंने दुर्भावना से इंकार कर दिया। मिथलेश अग्निहोत्री का आरोप है कि पंकज जैसवाल ने स्पष्ट शब्दों में कहा मैं तुम्हारे पेड़ पंचायत दर्पण पोर्टल पर नहीं चढ़ाऊंगा, क्योंकि तुम्हारे लोग मेरी शिकायत करते हैं। सरपंच और सोनू पांडे को बोलो, वही चढ़ाएंगे। इतना ही नहीं, रोजगार सहायक पंकज जैसवाल ने खुद यह स्वीकार किया कि वह पिछले छह महीनों से पंचायत दर्पण पोर्टल पर कोई कार्य नहीं कर रहे हैं। उन्होंने मिथलेश अग्निहोत्री को यह भी कह दिया कि वह जिसे चाहें, वहां शिकायत कर लें, उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता। 1 अप्रैल 2025 से मध्यप्रदेश शासन द्वारा नए नियम लागू किए गए हैं, जिसके अंतर्गत किसी भी पेड़ की कटाई की अनुमति केवल तब ही मिल सकती है, जब संबंधित पेड़ पंचायत दर्पण पोर्टल पर दर्ज हों। ऐसे में पोर्टल पर जानकारी दर्ज न किए जाने के कारण ग्रामीणों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। मिथलेश अग्निहोत्री ने कलेक्टर से निवेदन किया है कि ग्राम पंचायत केरपानी के रोजगार सहायक पंकज जैसवाल को तत्काल प्रभाव से अन्यत्र ग्राम पंचायत में पदस्थ किया जाए, ताकि केरपानी पंचायत के ग्रामीणों को न्याय मिल सके और प्रशासनिक कार्य सुचारु रूप से हो सकें। इस दौरान पं.मिथलेश उर्फ पीयूष अग्निहोत्री, राहुल कासदे, आदिवासी नेता जितेंद्र सिंह इवने उपस्थित थे।

स्क्वॉश के इंटरनेशनल लेवल-2 कोच बने बैतूल के डॉ. यजुवेंद्र

चेन्नई में हुई परीक्षा में मिली बड़ी सफलता, अब इंडिया टीम को दे सकेंगे कोचिंग

बैतूल, देशबन्धु। जिले के ग्राम जोडक्या निवासी श्याम सिंह राजपूत के पुत्र और वर्तमान में एलएनआईपीई में फिजिकल एजुकेशन के प्रोफेसर डॉ. यजुवेंद्र सिंह राजपूत ने स्क्वॉश खेल में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने 15 से 20 सितंबर के बीच इंडियन स्क्वॉश अकादमी, चेन्नई में आयोजित वर्ल्ड स्क्वॉश कोचिंग लेवल-2 कोर्स सफलतापूर्वक पास किया है।

इस कोर्स में देशभर से 30 प्रतिभागी शामिल हुए थे। सभी परीक्षार्थियों को मलेशिया से आए वरिष्ठ कोच एलेन सोयाज़ा और भारत के अनुभवी कोच गौतम दास द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया। यह कोर्स केवल उन्हीं कोचों के लिए था जिन्होंने पूर्व में वर्ल्ड स्क्वॉश कोचिंग का लेवल-1 कोर्स सफलतापूर्वक पूरा किया हुआ था।

लेवल-2 कोर्स पास करने के बाद अब डॉ. यजुवेंद्र सिंह राजपूत को इंडियन कैंप और इंडिया टीम को प्रशिक्षण देने की योग्यता प्राप्त हो गई है। यह उपलब्धि बैतूल जिले के लिए भी गर्व का विषय है। उनकी इस सफलता पर जिलेभर से उन्हें शुभकामनाएं मिल रही हैं। शुभकामनाएं देने वालों में हेमंत चंद्र दुबे, प्रदीप खंडेलवाल, नीलिमा पीटर, पूजा कुरील, रमेश भाटिया, लल्ली वर्मा, सारिक खान, राधेलाल बनखेड़े, राम नारायण शुक्ला आदि प्रमुख रूप से शामिल हैं।

कांग्रेस पहले ही कर चुकी है सड़क जाम प्रदर्शन, बार एसोसिएशन भी जता चुका नाराजगी, ग्रामीण कोस रहे व्यवस्था को

जनता थक गई तब जागे जनप्रतिनिधि, टोल वसूली रोकने गडकरी को विधायक का पत्र

बैतूल, देशबन्धु। बैतूल से औबेदुल्लागंज तक के फोरलेन मार्ग पर कुंडी टोल प्लाजा पर टोल वसूली को लेकर बवाल में नया मोड़ आ गया। जनता चिल्ला चिल्लाकर थक गई। कांग्रेस ने भारी भीड़ के साथ सड़क जाम प्रदर्शन किया । इस मुद्दे को लेकर कांग्रेस के पूर्व मंत्री सुखदेव पांसे ने मोर्चा खोल दिया था। उन्होंने इस मुद्दे को हर फोरम पर उठाए जाने की चेतावनी देते हुए कुण्डी टोल प्लाजा से तत्काल वसूली बंद किए जाने की मांग उठाई थी। सबका यही कहना था कि टोल वसूली बाद में पहले सुविधाएं तो दो। करीब दो महीने से मामले में रोज ही विरोध और अखबारबाजी हो रही थी। इतना सब कुछ हुआ लेकिन सत्ता पक्ष पता नहीं क्यों अब तक खामोश रहा। इतने दिन बाद इस मामले में अब घोड़ाडोंगरी विधायक गंगा सज्जन सिंह उइके ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन जयराम गडकरी को पत्र लिखा। उन्होंने कहा कि, बैतूल से औबेदुल्लागंज तक के फोरलेन मार्ग पर कुंडी टोल प्लाजा पर टोल वसूली रोकी जाए।

क्यों नहीं लिया जाए टैक्स

इटारसी से बैतूल तक कई स्थानों पर सडक में गहरे गड्ढे हैं, जगह-जगह डायवर्जन बने हैं और बरेठा घाट का पूरा रोड अब तक बना ही नहीं है। इससे हर दो-तीन दिन में किसी न किसी वाहन की दुर्घटना हो जाती है, जिससे मार्ग कई घंटों तक बंद रहता है और लंबा जाम लग जाता है। इस कारण सभी यात्री बसों के निर्धारित समय प्रभावित होते हैं और वाहन मालिकों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। यात्रियों को भी घंटों जाम में फंसकर भारी परेशानी झेलनी पड़ती है।

अब तक क्या हुआ

कांग्रेस के आवाज उठाने के साथ बस मालिक रजनीश आर्य, विकास आर्य, योगेश पोटे, दीपेश विजयवर्गीय और शिवराज सिंह ने गुस्सा जताते हुए कहा था कि प्रतिदिन प्रति यात्री बस से 455 रुपये की टोल वसूली की जा रही है। जबकि यह मार्ग अब तक पूरी तरह से निर्मित नहीं हुआ है।

उच्च न्यायालय का भी दिया हवाला

बस मालिकों ने कहा है कि उच्च न्यायालय द्वारा भी यह स्पष्ट किया गया है कि जब तक कोई मार्ग ठीक स्थिति में न हो, तब तक टोल वसूलना नागरिक अधिकारों का हनन है। जब तक यह मार्ग जीरो टॉलरेंस स्थिति में नहीं आ जाता, तब तक टोल लेना गलत है।

एक ही दिन में 1400 रुपये का टोल

उन्होंने बताया कि बैतूल से भोपाल और सारणी से भोपाल तक प्रतिदिन चलने वाली हर यात्री बस शासन को प्रति माह लगभग 28 हजार रुपये रोड टैक्स देती है। अब इस मार्ग पर कुंडी टोल के साथ कुल तीन टोल हो जाते हैं, जिससे हर बस को प्रतिदिन लगभग 1400 रुपये और प्रति माह करीब 42 हजार रुपये टोल देना पडता है। यह राशि रोड टैक्स से भी अधिक हो जाती है, जो वाहन मालिकों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ है।

राजभवन में सिकल सेल समीक्षा बैठक हुई, राज्यपाल ने कहा-

सिकल सेल मिशन के कार्य मानवता की सेवा का माध्यम

लक्ष्य को समय सीमा से पहले पूरा करने का भाव जरूरी

भोपाल, देशबन्धु। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा है कि वर्ष 2047 तक सिकल सेल उन्मूलन के लिए संवेदनशीलता, सहानुभूति के साथ रोग उन्मूलन की प्रतिबद्धता जरूरी है। कार्य का भाव लक्ष्य को समय सीमा से पूर्व पूरा करने का होना चाहिए। उन्होंने कहा कि सिकल सेल मिशन के कार्य मानवता की सेवा के माध्यम है।

राज्यपाल श्री पटेल राजभवन में सिकल सेल मिशन के कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में उप मुख्यमंत्री लोक स्वास्थ्य चिकित्सा शिक्षा राजेन्द्र शुक्ल, आयुष मंत्री इंदर सिंह परमार भी उपस्थित थे। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने स्वास्थ्य एवं आयुष विभाग के द्वारा सिकल सेल उपचार, प्रबंधन और नियंत्रण प्रयासों की जानकारी प्राप्त की। उनको बताया गया कि मिशन के अंतर्गत 19 जून से 3 जुलाई तक समस्त ग्राम पंचायतों, एकलव्य आवासीय स्कूलों एवं छात्रावासों में मेगा शिविर आयोजित होंगे। अधिक से अधिक स्क्रीनिंग जांच की जाएगी। आयुष्मान आरोग्य मंदिरों से लेकर जिला चिकित्सालयों में पीओसी किट के द्वारा स्क्रीनिंग की जाएगी। प्रतिदिन स्क्रीनिंग जांच का डेटा पोर्टल में दर्ज होगा। जेनेटिक काउंसलिंग की जाएगी। जेनेटिक काउंसलिंग कार्ड प्रदान किए जाएंगे। ब्लॉक स्तर एवं जिला स्तर पर चिह्नित सिकल सेल रोगियों के लिए शिविर लगेंगे। उन्हें विशेषज्ञों की परामर्श सेवायें उपलब्ध कराई जाएगी। सिकल सेल रोगियों को दिव्यांगता प्रमाण पत्र एवं यू.डी.आई.डी. कार्ड प्रदान कर पेंशन की सुविधा प्रदान की जाएगी।

आयुष विभाग द्वारा बताया गया कि विश्व सिकल सेल दिवस के तारतम्य में जनजातीय बहुल 20 जिलों में संचालित 78 आयुष औषधालयों में शिविर का आयोजन किया जाएगा। सिकल सेल उपचार में सहायक आयुर्वेद दवाओं की किट का वितरण होगा। रोग उपचार में सहायक स्थानीय वनस्पति के संरक्षण, संवर्धन के प्रति जन जागरूकता के कार्य होंगे। सिकल सेल एनीमिया प्रभावित प्रत्येक ग्राम में जनजागृति के लिए प्रभात फेरी, योगाभ्यास, ग्राम-सभा आदि के आयोजन किए जाएंगे। बैठक में जनजातीय प्रकोष्ठ के अध्यक्ष दीपक खांडेकर, प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य चिकित्सा शिक्षा संदीप यादव, राज्यपाल के अपर सचिव उमाशंकर भार्गव, सचिव जनजातीय प्रकोष्ठ श्रीमती जमुना भिड़े, संचालक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन सुश्री सलोनी सिडाना, आयुक्त आयुष संजय मिश्रा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्रमिक परिवारों के खातों में संबल योजना की राशि करेंगे अंतरित

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव संबल योजना अंतर्गत, अनुग्रह सहायता के 6821 प्रकरणों में 150 करोड़ रूपये सिंगल क्लिक से अंतरित करेंगे। शुक्रवार को जबलपुर के बरगी में होने वाले इस कार्यक्रम में श्रम, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, मंत्री, सांसद, विधायक एवं प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे।

प्रदेश में संबल योजना, असंगठित क्षेत्र में कार्यरत लाखों श्रमिकों के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण योजना है। योजना अन्तर्गत प्रारंभ से अब तक 1 करोड़ 76 लाख श्रमिकों का पंजीयन किया गया है। पंजीयन प्रक्रिया निरंतर जारी है। योजना में अनुग्रह सहायता अंतर्गत दुर्घटना में मृत्यु होने पर 4 लाख रूपये एवं सामान्य मृत्यु होने पर 2 लाख रुपये प्रदान किये जाते हैं। स्थायी अपंगता पर 2 लाख रुपये एवं आंशिक स्थायी अपंगता पर 1 लाख रुपये तथा अंत्येष्टि सहायता के लिए 5 हजार रूपये प्रदान किये जाते हैं।

संबल योजना में जहाँ एक ओर महिला श्रमिक को प्रसूति सहायता के लिये 16 हजार रुपये दिये जाते हैं, तो वहीं दूसरी ओर श्रमिकों के बच्चों को महाविद्यालय शिक्षा प्रोत्साहन योजना में उच्च शिक्षा के लिये सम्पूर्ण शिक्षण शुल्क राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाता है। भारत सरकार के नीति आयोग की पहल पर प्रदेश के गिग एवं प्लेटफार्म वर्कर्स को भी संबल योजना में सम्मिलित किया जाकर इनका पंजीयन प्रारम्भ किया गया है। इन्हें भी संबल योजना के अंतर्गत समस्त लाभ प्रदान किये जा रहे हैं। संबल हितग्राहियों को खाद्यान्न पात्रता पर्ची भी प्राप्त होती है, जिससे वे केन्द्र तथा राज्य सरकार द्वारा रियायती दरों पर राशन प्राप्त कर रहे हैं।

प्रदेश अध्यक्ष पटवारी ने कहा-

कांग्रेस में अन्य पार्टियों से आए नेता नहीं बनेंगे जिला अध्यक्ष

योग्यता होगी पैमाना, उम्र की सीमा नहीं

भोपाल, देशबन्धु। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि कांग्रेस द्वारा योग्य व्यक्तियों को ही जिला अध्यक्ष बनाया जाएगा। इसके लिए उम्र की कोई सीमा निर्धारित नहीं है, केवल योग्यता ही पैमाना है। साथ ही उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि दूसरी पार्टियों से आने वाले नेताओं को जिला अध्यक्ष नहीं बनाया जाएगा। वहीं पार्टी जिलाध्यक्ष बनने के लिए कम से कम पार्टी में 5 साल का काम करने का अनुभव जरूरी होगा।

श्री पटवारी ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि कांग्रेस द्वारा पार्टी जिलाध्यक्ष के चयन को लेकर निर्धारित मापदण्डों के संबंध में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि जिलाध्यक्ष के लिए 35 या 45 वर्ष की कोई आयु सीमा निर्धारित नहीं है। उन्होंने कहा कि भाजपा या अन्य दलों से कांग्रेस में आए नेताओं को कम से कम 5 साल कांग्रेस कार्यकर्ता के रूप में काम करना होगा। उसके बाद संगठन भविष्य में इस पर फैसला लेगा। यह निर्णय कांग्रेस के उन नेताओं और कार्यकर्ताओं की भावना को देखकर लिया गया है, जो पिछले कई सालों से कांग्रेस में सक्रिय रहकर पार्टी के लिए कार्य कर रहे हैं। वहीं पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए जीतू पटवारी ने कहा कि मध्यप्रदेश में केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाएं, जो गरीबों, किसानों और ग्रामीण जनता के उत्थान के लिए शुरू की गई थीं, भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ चुकी हैं। जल जीवन मिशन से लेकर स्वच्छ भारत मिशन और आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं में अरबों रुपये का गबन, फर्जी बिलिंग और कागजी प्रगति का घिनौना खेल सामने आया है। उन्होने कहा कि प्रदेश में केंद्र की हर योजना भ्रष्टाचार के दलदल में फंस चुकी है।

इंदौर के ब्रिलिएंट कन्वेंशन सेंटर में प्रोफेशनल मीट का शुभारंभ, बोले वक्ता

राजनीति से भ्रष्टाचार और परिवारवाद को समाप्त करने का काम कर रहे प्रधानमंत्री

विकसित भारत की संकल्पना साकार करने प्रोफेशनल्स को आगे आना होगा : शर्मा

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने के लिए आप सभी लोगों जैसे प्रोफेशनल्स को अपने कार्यों के साथ देश व समाज के लिए आगे आना होगा, तभी यह संकल्प पूरा होगा। प्रोफेशनल्स को सक्रिय राजनीति में लाकर देश व समाज की सेवा के कार्य कैसे किए जाते हैं, इसका प्रत्यक्ष उदाहरण इंदौर है। इंदौर महापौर पुष्यमित्र भार्गव एक युवा प्रोफेशनल्स ही थे, जो समाज की सेवा के लिए सक्रिय राजनीति में आए हैं। इसी तरह आप में से कोई भी प्रोफेशनल्स आने वाले दिनों में किसी भी भूमिका में आ सकता है।

भोपाल, देशबन्धु। भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री दुष्यंत गौतम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत वर्ष 2047 तक विश्व की सबसे बड़ी शक्ति के रूप में स्थापित होगा। प्रधानमंत्री देश की राजनीति से भ्रष्टाचार और परिवारवाद को समाप्त करने का कार्य कर रहे हैं। उनका नेतृत्व भारत को हर क्षेत्र में वैश्विक रूप से पहचान और सम्मान दिला रहा है।

श्री गौतम आज इंदौर के ब्रिलिएंट कन्वेंशन सेंटर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत का अमृतकाल, सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण के 11 साल पर आयोजित प्रोफेशनल मीट को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों में राष्ट्रवाद की भावना जागृत की, सेनाओं को सशक्त किया है। उन्होंने कहा कि यह नए भारत की ताकत है कि प्रधानमंत्री ने 21 जून को योग दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लेते हैं तो दुनिया के 145 देश श्री मोदी के पीछे खड़े होकर योग करते है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश शासन के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में इंदौर मुस्कुरा रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना जैसी प्रधानमंत्री की एक नीति से इंदौर को करीब 2 हजार 6 सौ करोड़ से अधिक मिले हैं। सभी योजनाओं को जोड़ लिया जाए तो प्रधानमंत्री की नीतियों से इंदौर को 5 हजार करोड़ रूपए मिले हैं। यह पैसा इंदौर में ही खर्च हुआ, इंदौर की अर्थव्यवस्था को गति दी। इस अवसर पर प्रदेश शासन के मंत्री तुलसीराम सिलावट, वरिष्ठ नेता कृष्णमुरारी मोघे, प्रदेश उपाध्यक्ष जीतू जिराती, संभाग प्रभारी राघवेंद्र गौतम, प्रदेश महामंत्री व सांसद सुश्री कविता पाटीदार, सांसद शंकर लालवानी, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, जिला अध्यक्ष सुमित मिश्रा, विधायक महेंद्र हार्डिया, रमेश मेंदोला, श्रीमती मालिनी गौड़, गोलू शुक्ला और अक्षय कांति बम मंचासीन रहे।

अमृत हरित कार्यशाला कल, विशेषज्ञों के होंगे व्याख्यान

भोपाल, देशबन्धु। नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा शुक्रवार 13 जून को प्रात: 8:30 बजे राजधानी भोपाल के रवीन्द्र भवन में एक महत्वपूर्ण कार्यशाला अमृत हरित अभियान का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यशाला का उद्देश्य नगरीय क्षेत्रों में हरित क्षेत्र के विस्तार और पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी गतिविधियों और पहलों का प्रसार करना है। कार्यशाला में मंत्री, सांसद, विधायक, महापौर, निकायों के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और जन-प्रतिनिधि शामिल होंगे। कार्यशाला में प्रदेश के समस्त नगरीय निकायों के प्रतिनिधि भाग लेंगे। प्रत्येक नगर निगम से 6, नगरपालिका परिषद से 4 और नगर परिषद से 2 प्रतिभागियों की उपस्थिति सुनिश्चित की गयी है। कार्यशाला के दौरान कृषि और उद्यानिकी से संबंधित उत्पादों एवं यंत्रों की प्रदर्शनी के साथ ही नर्सरी प्रदर्शनी का भी आयोजन किया जायेगा। कार्यशाला में विभिन्न संस्थानों जैसे इफ्को एवं भारतीय प्रबंध संस्थान के विषय-विशेषज्ञों द्वारा चर्चा की जायेगी। कार्यशाला में स्थानीय वृक्ष प्रजातियों की विशेषताएँ एवं संरक्षण, जैव-विविधता एवं जलवायु परिवर्तन, बगीचों के लिये तकनीक एवं उपकरण की आवश्यकताएँ, वृक्षारोपण और पौध-रोपण से संबंधित अधिनियमों का विश्लेषण तथा वृक्षारोपण उपरांत समुचित प्रबंधन विषय पर चर्चा की जायेगी।

नगरीय आपदाओं की रोकथाम के लिये नियंत्रण कक्ष

भोपाल, देशबन्धु। आयुक्त नगरीय प्रशासन एवं विकास संकेत भोंडवे के निर्देश पर वर्षा ऋतु में प्रदेश में नगरीय क्षेत्रों में जल-भराव, बाढ़, जर्जर भवनों के गिरने जैसी संभावित आपदाओं से निपटने के लिये भोपाल में राज्य स्तर पर आपदा नियंत्रण कक्ष की स्थापना की है। नियंत्रण कक्ष के संचालन एवं समन्वय के लिये एक विशेष दल का गठन किया गया है, जिसमें कार्यपालन यंत्री उपदेश शर्मा, सहायक यंत्री सुनील श्रीवास्तव सहित कुल 8 अधिकारी-कर्मचारी पदस्थ किये गये हैं।

यह दल प्रदेश के समस्त नगरीय निकायों में जर्जर एवं क्षतिग्रस्त भवनों को चिन्हित करने और संबंधित नगरीय निकायों के बीच कार्यवाही सुनिश्चित करेगा। राज्य स्तरीय आपदा नियंत्रण कक्ष बाढ़ अथवा जल-भराव की स्थिति में प्रभावित व्यक्तियों के विस्थापन, मूलभूत सुविधाओं जैसी उपलब्धता के लिए समन्वय भी सुनिश्चित करेगा। नियंत्रण कक्ष मौसम कार्यालय से समन्वय कर पूर्व सूचना प्राप्त करेगा तथा संभावित रूप से प्रभावित नगरीय निकायों को अलर्ट भी जारी करेगा।

जल गंगा संवर्धन अभियान

सिपरी साफ्टवेयर की बारीकियां सीखने आज भोपाल आएगा महाराष्ट्र का दल

भोपाल, देशबन्धु। जल गंगा संवर्धन अभियान में मनरेगा परिषद द्वारा किए गए नवाचार का अध्ययन करने महाराष्ट्र सरकार के पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग का 9 सदस्यीय दल दो दिवसीय दौरे पर मध्यप्रदेश आएगा। यह दल 12 जून को भोपाल आएगा। साथ ही फील्ड में जाकर सिपरी साफ्टवेयर खेत तालाब और अमृत सरोवरों के निर्माण स्थल चयन में किस तरह से काम करता है, दल के सदस्य इसकी बारीकियां सीखेंगे। इसके साथ ही मनरेगा परिषद द्वारा कार्ययोजना को लेकर तैयार किए गए प्लानर ऐप के बारे में भी जानकारी प्राप्त करेंगे। इस दौरान महाराष्ट्र सरकार के वाटरशेड विभाग के अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी कमलाकर रानादेवी के नेतृत्व में दल के सदस्य 12 जून को भोपाल एवं 13 जून को रायसेन जिले के सांची विकासखंड का भ्रमण करेंगे। जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत बारिश के पानी को बचाने के लिए बनाए जा रहे खेत तालाब, अमृत सरोवर और कूप रिचार्ज पिट का कार्य देखेंगे।

केंद्र सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय भूमि संसाधन विभाग द्वारा बीते दिनों राष्ट्रीय समीक्षा कार्यक्रम आयोजित किया गया था। समीक्षा कार्यक्रम में मनरेगा आयुक्त-संचालक वाटरशेड मिशन अवि प्रसाद ने मध्य प्रदेश में जल संरक्षण व संवर्धन और अन्य प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के कार्यों के चयन तथा मॉनिटरिंग के लिए किए गए नवाचार सिपरी सॉफ्टवेयर का प्रस्तुतीकरण किया था, जिसकी भारत सरकार द्वारा प्रशंसा की गई थी।

कामकाजी महिलाओं के लिए 8 हॉस्टल बनेंगे

89 करोड़ रूपये की स्वीकृति हुई जारी

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश की कामकाजी महिलाओं के लिये वर्किंग वुमेन हॉस्टल की सौगात दी है। भारत सरकार की स्कीम फॉर स्पेशल असिस्टेंट ऑफ स्टेटस फॉर कैपिटल इन्वेस्टमेंट 2024-25 के अंतर्गत कामकाजी महिलाओं के लिए 8 हॉस्टल की स्वीकृति प्रदान की गई है।

महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने कहा है कि योजना अंतर्गत महिला श्रम बल भागीदारी दर को बढ़ाने और महिलाओं के जीवन को आसान बनाने के उद्देश्य से प्रदेश में 8 वर्किंग वूमेन हॉस्टल की स्वीकृति प्रदान की गई है जिसमें से महिला बाल विकास विभाग द्वारा 4 वर्किंग वूमेन हॉस्टल और शेष 4 हॉस्टल औद्योगिक नीति निवेश प्रोत्साहन विभाग द्वारा बनाये जायेंगे।

मंत्री सुश्री भूरिया ने बताया कि महिला बाल विकास विभाग द्वारा देवास, नर्मदापुरम और सिंगरौली में 100 सीटर तथा झाबुआ में 50 सीटर हॉस्टल बनाये जायेंगे। औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग द्वारा उज्जैन में 1554 सीटर, धार में 1776, रायसेन 776 और भिण्ड में 666 सीटर हॉस्टल का निर्माण किया जायेगा। उन्होंने बताया कि वर्किंग वूमेन हॉस्टल के निर्माण के लिये 289.72 करोड़ की राशि स्वीकृत की गई है, जिसमें से 40.59 करोड़ की राशि महिला बाल विकास विभाग व्यय करेगी। वर्किंग वूमेन हॉस्टल का स्वामित्व राज्य सरकार के पास रहेगा और रख-रखाव का काम पीपीपी मोड पर किया जायेगा।

हॉस्टल में होंगी आधुनिक सुविधाएं

वर्किंग वूमेन हॉस्टल में आधुनिक सुविधाओं सहित डे केयर सेंटर, जिम, इंडोर स्पोर्टस, लायब्रेरी, वाय-फाई, पर्याप्त पार्किंग, फूड कोर्ट और मनोरंजन गतिविधियां आदि उपलब्ध होंगी। मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में सुरक्षित एवं सुविधाजनक आवास उपलब्ध कराये जा रहे हैं, जिससे कामकाजी महिलाओं का जीवन आसान होगा। विशेष रूप से जनजातीय एवं औद्योगिक क्षेत्रों में महिला श्रमिकों की आवास जरूरतों को ध्यान में रखते हुए यह योजना क्रांतिकारी सिद्ध होगी।

कर्मचारियों को राहत, पदोन्नति में आरक्षण नीति जल्द होगी लागू

भोपाल, देशबन्धु। प्रदेश सरकार के कर्मचारियों के लिए राहत की खबर है, कि प्रदेश में जल्द ही पदोन्नति में आरक्षण नीति जल्द ही लागू होगी। राज्य सरकार ने पदोन्नति में आरक्षण को लेकर नया प्रारूप तैयार कर लिया है। संभवत: अगली मंत्री परिषद की बैठक में यह प्रस्ताव मंजूरी के लिए रखा जा सकता है।

जानकारी के मुताबिक किसी पद के लिए रिक्तियों का वर्गीकरण अनुसूचित जाति (16 प्रतिशत), अनुसूचित जनजाति (20 प्रतिशत) और अनारक्षित वर्ग के अनुसार किया जाएगा। सबसे पहले पद अनुसूचित जाति वर्ग से भरे जाएंगे, फिर अनुसूचित जनजाति वर्ग के, और बाद में अनारक्षित पदों पर सभी योग्य दावेदारों को अवसर मिलेगा। यदि आरक्षित वर्ग में कोई पात्र अभ्यर्थी नहीं मिलता है तो संबंधित पद खाली रखे जाएंगे। पदोन्नति के लिए प्रथम श्रेणी के अधिकारियों की पदोन्नति के लिए 'मेरिट कम सीनियरिटी' का नियम लागू होगा। जबकि द्वितीय श्रेणी के अधिकारियों और उससे नीचे के पदों के लिए 'सीनियरिटी कम मेरिट' का आधार अपनाया जाएगा। आरक्षित और अनारक्षित दोनों वर्गों के हितों का यह संतुलित व्यवस्था ख्याल रखेगी। सरकार ने स्पष्ट किया है कि नई व्यवस्था लागू होने के बाद किसी की पदावनति नहीं की जाएगी और पूर्व में सेवानिवृत्त हो चुके कर्मचारियों को इसका लाभ नहीं मिलेगा। नई व्यवस्था उस दिन से लागू होगी जिस दिन इसका औपचारिक नोटिफिकेशन जारी होगा। यह पदोन्नति की प्रक्रिया हर साल सितंबर से नवंबर के बीच संपन्न होगी। पात्रता का निर्धारण 31 दिसंबर तक किया जाएगा और 1 जनवरी से पद रिक्तियों के अनुसार योग्य अधिकारियों को पदोन्नति दी जाएगी। पदोन्नति की रिक्तियों की संख्या के दोगुना दावेदारों के साथ 4 अन्य अभ्यर्थियों को सूची में शामिल किया जाएगा।

चुनाव आयोग के खिलाफ प्रदर्शन करेगी कांग्रेस

अमरावती, एजेंसी। महाराष्ट्र कांग्रेस ने चुनाव आयोग पर हाल के विस चुनावों के दौरान गंभीर अनियमितताएं करने का आरोप लगाया है। कांग्रेस की अमरावती ग्रामीण जिला इकाई के अध्यक्ष बबलू देशमुख ने आयोग की निंदा करते हुए कहा कि आयोग भाजपा के पक्ष में है, जिसके विरोध में 14 जून को शाम पांच बजे अमरावती में मशाल जुलूस निकालकर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की जाएगी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा चुनावी धोखाधड़ी के सबूत पेश करने के बावजूद चुनाव आयोग ने इस बाबत कोई जवाब नहीं दिया है।

राष्ट्रपति ने विधेयक को की अनुमति प्रदान

रांची, एजेंसी। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु द्वारा सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद (विज्ञापन का प्रतिषेध और व्यापार तथा वाणिज्य, उत्पादन, प्रदाय और वितरण विनियमन) (झारखण्ड संशोधन) विधेयक, 2021 पर अपनी स्वीकृति प्रदान की गई है।

विद्युत आपूर्ति में आ रहे अवरोध एवं प्राप्त शिकायतों की समीक्षा की

बिजली संबंधी शिकायतों के निपटारे में हो रही देरी पर ऊर्जा मंत्री ने जताई नाराजगी

मंत्री के कार्यालय में बना कॉल-सेंटर

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने बताया कि वर्षाकाल में बिजली की शिकायतों के मद्देनजर मेरे कार्यालय में भी आगामी 3 माह के लिये एक अस्थाई कॉल-सेंटर स्थापित किया गया है। कॉल-सेंटर का नम्बर 0755-4344299 है। उन्होंने उपभोक्ताओं से आग्रह किया है कि इस नम्बर पर सम्पर्क करने के पूर्व बिजली कम्पनी के मुख्य कॉल-सेंटर 1912 पर शिकायत जरूर दर्ज करायें और उसका क्रमांक साझा करें।

भोपाल, देशबन्धु। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बिजली संबंधी शिकायतों के निपटारे पर हो रही देरी पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि प्रबंध संचालक से लेकर कार्यपालन स्तर तक के सभी अधिकारी रात्रि के समय क्षेत्रों का भ्रमण कर बिजली की वास्तविक स्थिति का आंकलन करें। साथ ही निरीक्षण रिपोर्ट मेरे कार्यालय में प्रस्तुत करें। श्री तोमर ने बुधवार को विद्युत आपूर्ति में आ रहे अवरोध एवं कॉल-सेंटर के माध्यम से प्राप्त हो रही शिकायतों के निराकरण की समीक्षा के दौरान यह निर्देश दिये। मंत्री श्री तोमर ने कहा कि शिकायतों के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण के लिये टीम की संख्या बढ़ायें। उन्होंने कहा कि विद्युत अवरोध एवं उसके निराकरण से संबंधित जानकारी जन-प्रतिनिधियों, स्थानीय मीडिया एवं सोशल मीडिया के माध्यम से प्रचारित करें। मैदानी स्तर के अधिकारियों द्वारा उपभोक्ताओं के फोन अटेंड करना सुनिश्चित हो। विद्युत कनेक्शन में भार वृद्धि के संबंध में जागरूक किया जाये। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई बैठक में प्रबंध संचालक एमपी पॉवर मैनेजमेंट कम्पनी अवनीश लवानिया, सभी विद्युत कम्पनियों के एमडी, क्षेत्रीय मुख्य अभियंता और मुख्य महाप्रबंधक शामिल हुए।

मुंबई हाउसिंग घोटाला मामले में महिला गिरफ्तार

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र सरकार की आधिकारिक आवास योजनाओं की आड़ में मुंबई के प्रमुख इलाकों में सस्ते फ्लैट देने का वादा करके लोगों से 1.22 करोड़ रुपए से अधिक की ठगी करने के आरोप में एक महिला को गिरफ्तार किया गया है। इस मामले में डिंडोशी पुलिस ने आरोपी बेला डूिसजा को गिरफ्तार कर लिया है। वह कथित तौर पर महाराष्ट्र आवास और क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एमएचएडीए) के एक वरिष्ठ अधिकारी के रूप में खुद को पेश कर शहर के जोगेश्वरी, गोरेगांव, माहिम और बांद्रा इलाके में सस्ते फ्लैटों का वादा कर रही थी।

पुलिस ने मामले में तीन अन्य आरोपियों की पहचान केदार साटम, जितेंद्र राठौड़ और गिरीश राव के तौर पर की है, जो अभी फरार चल रहे हैं। चारों पर धोखाधड़ी और विश्वासघात का मामला दर्ज किया गया है।

संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष ने जारी की रिपोर्ट

भारत में घट रही प्रजनन दर, 1.9 रह गई

जीवन प्रत्याशा पुरुषों के लिए 71 व महिलाओं के लिए 74 वर्ष

मातृ मृत्यु दर में बड़ी कमी आई

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में भारत को मध्यम आय वाले देशों के समूह में रखा गया है, जो तेजी से डेमोग्राफिक बदलाव से गुजर रहा है। यहां जनसंख्या दोगुनी होने का अनुमान अब 79 वर्ष है। यूएनएफपीए भारत प्रतिनिधि एंड्रिया एम. वोजनार ने कहा, भारत ने प्रजनन दर को कम करने में महत्वपूर्ण प्रगति की है, जो 1970 में प्रति महिला लगभग पांच बच्चों से आज लगभग दो बच्चों तक हो गई है। यह बेहतर शिक्षा और प्रजनन स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच के कारण हुआ है। वोजनार ने कहा, इससे मातृ मृत्यु दर में बड़ी कमी आई है।

नई दिल्ली, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए) की जारी ताजा रिपोर्ट के अनुसार, भारत 2025 तक अनुमानित 1.46 अरब लोगों के साथ सबसे अधिक आबादी वाला देश बना रहेगा। हालांकि, देश की कुल प्रजनन दर 2.1 से घटकर 1.9 रह गई है। 2025 विश्व जनसंख्या आंकड़ा (एसओडब्ल्यूपी) रिपोर्ट बताती है कि असली संकट जनसंख्या के आकार में नहीं, बल्कि लोगों के स्वतंत्र और जिम्मेदारी से यह तय करने के अधिकार में आने वाली व्यापक चुनौतियों में है कि वे बच्चे चाहते हैं या नहीं, कब चाहते हैं और कितने बच्चे चाहते हैं। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट का अनुमान है कि भारत की वर्तमान जनसंख्या 1,463.9 मिलियन है। रिपोर्ट में कहा गया है, भारत अब दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश है, जिसकी आबादी लगभग 1.5 बिलियन है। यह संख्या गिरने से पहले लगभग 1.7 बिलियन तक बढ़ने की उम्मीद है।

भारत में कुल प्रजनन दर (टीएफआर) वर्तमान में प्रति महिला 2.0 बच्चे हैं। इसका मतलब है कि औसतन, भारत में एक महिला से उसके प्रजनन वर्षों (आमतौर पर 15-49 वर्ष की आयु) के दौरान 2 बच्चे की उम्मीद की जाती है। सैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम (एसआरएस) की 2021 की रिपोर्ट के अनुसार, यह दर 2020 से स्थिर बनी हुई है।

हालांकि, नई रिपोर्ट में दिखाया गया है कि प्रजनन दर घटकर 1.9 बच्चे प्रति महिला हो गई है। इसका मतलब है कि औसतन भारतीय महिलाएं इतने कम बच्चे पैदा कर रही हैं कि यह बिना माइग्रेशन के अगली पीढ़ी में जनसंख्या के आकार को बनाए रखने के लिए पर्याप्त नहीं है। धीमी जन्म दर के बावजूद, भारत की युवा आबादी महत्वपूर्ण बनी हुई है, जिसमें 0-14 आयु वर्ग में 24 प्रतिशत, 10-19 में 17 प्रतिशत और 10-24 में 26 प्रतिशत हैं। जबकि, 68 प्रतिशत आबादी 15-64 आयु वर्ग की है, बुजुर्ग आबादी (65 और उससे अधिक) सात प्रतिशत है। 2025 के हिसाब से जन्म के समय जीवन प्रत्याशा पुरुषों के लिए 71 वर्ष और महिलाओं के लिए 74 वर्ष होने का अनुमान है।

पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. के लिए गिरिराज चाचा द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमिटेड फौजदार गैरेज पवारखेड़ा इटारसी रोड नर्मदापुरम से मुद्रित एवं 45, वार्ड नं. 6, कसेरा मुहल्ला नर्मदापुरम म.प्र. से प्रकाशित, संपादक: पलाश सुरजन, फोन 422297। ई-मेल deshbandhuhbd1@gmail.com समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।